



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 37]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 15, 1973 (भाद्र 24, 1895)

No. 37]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 15, 1973 (BHADRA 24, 1895)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रहित संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

(PART III—SECTION 1)

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 अगस्त 1973

सं० ए०-32013/1/73-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० आर० वर्मा ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या ए० 32013/1/73-प्रशासन-I दिनांक 26 जुलाई, 1973 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 28 जुलाई, 1973 के अपराह्न में अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन पर श्री बी० आर० वर्मा ने 28 जुलाई, 1973 के अपराह्न में अनुभाग अधिकारी, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार पुनः संभाल लिया।

एम० आर० भागवत,
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त, 1973

सं० ए० 32013/1/73-प्रशासन-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी श्री एन० एस० प्रथी को, राष्ट्रपति द्वारा 2 जुलाई, 1973 से 1 अक्तूबर, 1973 तक (दोनों दिनों सहित) 3 मास की अवधि के लिए या श्री के० बी० रामकृष्णन के परीक्षा नियंत्रण के पद से प्रत्यावर्तन तक, जो भी पहले हो, उक्त 236GI/73

सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० भागवत,
अवर सचिव,
(प्रशासन प्रभारी),
संघ लोक सेवा आयोग।

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 30 अगस्त 1973

सं० पी०एफ०/जे०-80/73-प्रशासन-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा पश्चिम बंगाल पुलिस के अधिकारी श्री जगन्नाथ चटर्जी को दिनांक 1-8-73 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, कलकत्ता शाखा में, प्रतिनियुक्ति पर, अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 अगस्त 1973

सं० पी०एफ०/जे० 44/66-प्रशासन-I—महाराष्ट्र राज्य से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री जौन लोबो ने दिनांक 10-8-1973 के पूर्वाह्न को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय, नई दिल्ली में पुलिस उप-महानिरीक्षक को कार्यभार त्याग दिया।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

**गृह मंत्रालय,
भारत के महापंजीकार**

दिल्ली-11, दिनांक अगस्त 1973

/73-आर०जी० (ए०डी०-1) — राष्ट्रपति, श्री एम० की सेवाएँ, जो गुजरात के जनगणना निदेशक के कार्यालय में उप जनगणना निदेशक हैं, दिनांक 17 जुलाई, 1973 के अपराह्न में गुजरात सरकार के मुपुर्दे सवर्ण करते हैं।

सं० 25/21/73-आर०जी० (ए०डी०-1) — राष्ट्रपति, श्री शिव लाल बहल को, जो हिमाचल प्रदेश सचिवालय में अनुभाग अधिकारी हैं, दिनांक 19 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेश प्रेषित होने तक हिमाचल प्रदेश के जनगणना निदेशक एवं पदेन जनगणना अधीक्षक के कार्यालय में सहायक जनगणना निदेशक के पद पर अस्थायी रूप से सवर्ण नियुक्त करते हैं।

उनका मुख्य कार्यालय शिमला में होगा।

ग० म० चारी,
भारत के उप-महापंजीकार,
एवं पदेन
भारत सरकार के उपसचिव
गृह मंत्रालय।

**महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल**

नई दिल्ली-110003, दिनांक 17 अगस्त 1973

सं० ई०-29018(2)/5/73-प्रशासन-I — इस कार्यालय को इसी संख्या की अधिसूचना दिनांक 6-6-73 को रद्द किया जाता है जो श्री सी० डी० कुकरेती केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दुर्गापुर, 4 बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार दिनांक 1-5-73 (पूर्वाह्न) से छोड़ने के बारे में तथा उसी दिनांक से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पुलिस अधीक्षक के पद के कार्यभार सम्भालने के बारे में थी और जिसका मुख्यालय दुर्गापुर में है।

ई०-29018(2)/5/73-प्रशासन-I — श्री के० के० कोल, सहायक कमांडेंट ने दिनांक 1 जुलाई, 1973, के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, गोरखपुर, की 8वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने दिनांक 1 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न से, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, गोरखपुर, की 14 वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 28 अगस्त 1973

सं० ई०-38013(3)/19/73-प्रशासन — श्री आर० के० दीक्षित ने दिनांक 12-4-73 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, पन्ना, की 16वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की 13वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय पन्ना में होगा।

2. बोकारो को स्थानान्तरित होने पर, श्री आर० के० दीक्षित ने दिनांक 8 जुलाई 1973, के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, पन्ना, की 13वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 18 जुलाई 1973, के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की 5वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय बोकारो स्टील सिटी में होगा।

दिनांक 30 अगस्त 1973

सं० ई०-38013(3)/19/73-प्रशासन-1 — भरिया को स्थानान्तरित होने पर, श्री विनय खुल्लर ने दिनांक 3 जुलाई 1973, के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बोकारो स्टील सिटी, की 5वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने दिनांक 10 जुलाई 1973, के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भरिया, की 19वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/28/73-प्रशासन-1 — श्री एन्थोनी पॉलोस ने दिनांक 26 अप्रैल, 1973, के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, देवास, की 21वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पुलिस उपाधीक्षक (खुफिया स्कंध) पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय देवास में होगा।

एल० एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक अगस्त 1973

सं० ओ-II-894/73-स्थापना — महानिदेशक, के० रि० पु० दल डा० (श्रीमती) बी० सत्यावेनी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में अगले आदेश जारी होने तक तदर्थ रूप में 22-6-73 पूर्वाह्न से कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं। उन्हें ग्रुप सेन्टर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, नई दिल्ली में तैनात किया जाता है तथा उन्होंने उपरलिखित तारीख से अपने पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

एन० एस० माथुर,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 अगस्त 1973

सं० 3/1/73-ईस्ट० (सी० आर० पी० एफ०) — राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक कमांडेंटों को उनकी तदर्थ रूप में से पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में कमांडेंट के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

इन अधिकारियों के पदस्थापन स्थान और उनके पद छोड़ने तथा ग्रहण करने की तिथियां उनके नामों के सामने दी गई हैं :—

क्रम सं०	नाम	पद तथा बटालियन जिसका कार्यभार छोड़ा	पद छोड़ने की तिथि	तदर्थ रूप में पद तथा बटालियन जिसका कार्य भार सम्भाला	पद ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री गणेश राम	सहायक कमान्डेंट, ग्रुप सेंटर, के० रि० पु० फोर्स, किशनगढ़ ।	21-7-73 (अपराह्न)	कमान्डेंट 46 बटालियन, के० रि० पु० फोर्स ।	4-8-73 (पूर्वाह्न)
2.	श्री के० पी० बदहिया	सहायक कमान्डेंट, 4 बटालियन, के० रि० पु० फोर्स ।	29-7-73 (अपराह्न)	कमान्डेंट, 36 बटालियन के० रि० पु० फोर्स	31-7-7 (अपराह्न)

अपठनीय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेलार)

दिनांक 1 सितम्बर 1973

सं० ए० 38/3/71-वायरलैस—श्री एम० ए० किनी को दिनांक 1 मार्च 1973 से 30 सितम्बर 1973 तक की अवधि के लिये अतिरिक्त सहायक निदेशक (भण्डार) के पद पर बिल्कुल तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है । अथवा नियमित अधिकारी के नियुक्त होने तक, इसमें से जो भी पहले हो ।

सं० ए० 38/3/71-वायरलैस—श्री एम० एन० टिकू को दिनांक 1 मार्च 1973 से 30 सितम्बर 1973 तक की अवधि के लिये अतिरिक्त सहायक निदेशक (अनुरक्षण) के पद पर बिल्कुल तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है, अथवा नियमित अधिकारी के नियुक्त होने तक, इसमें से जो भी पहले हो ।

सी० पी० जोशी,
निदेशक,
पुलिस दूर संचार

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग केरल के महालेखाकार का कार्यालय

तिरुवनन्तपुरम् दिनांक 17 अगस्त 1973

सं० एस्ट० ए/VI/6-8/Vol. V/209—केरल के महा-लेखाकार ने इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को लेखा अधिकारियों के रु० 590-30-380-35-900 ग्रेड में प्रत्येक के नाम के आगे दी गयी तारीख से मौलिक कपेसिटो में नियुक्त किया है ।

(1)	श्रीमान के० गोपालकृष्णन नायर	1-3-1973
(2)	श्रीमान के० सुयमण्यम अय्यर	1-3-1973
(3)	श्रीमान वरगीस सामुबल	1-3-1973
(4)	श्रीमति के० एन० लीला	1-3-1973
(5)	श्रीमान पी० माधवन नायर	1-3-1973
(6)	श्रीमान जी० कृष्ण कुरुष	3-3-1973

टी० सेनुमाधवन,
उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक

दिनांक 28 अगस्त 1973

सं० 760-सी०ए०टी०/34-73—भारत के अतिरिक्त उप-नियंत्रक और महालेखापरीक्षक (वाणिज्य) ने कार्यालय सदस्य लेखा-परीक्षा मण्डल पदेन निदेशक वाणिज्य लेखापरीक्षा, नई दिल्ली के श्री एम० पी० गुम्बर एथ विभागीय अधिकारी (वाणिज्य) को अगला आदेश दिये जाने तक स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्य) के पद पर 11 जुलाई, 1973 (पूर्वाह्न) से नियुक्त किया है और उसी तिथि से कार्यालय सदस्य लेखापरीक्षा मण्डल पदेन निदेशक वाणिज्य लेखा-परीक्षा, बम्बई का अधीनस्थ मुख्यलेखा-परीक्षक वाणिज्यलेखा, भोपाल कार्यालय में तैनाती का आदेश दिया है ।

मुशील देव भट्टाचार्य,
उप-निदेशक (वाणिज्य)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 22 अगस्त 1973

सं० 68018(2)/71/प्रशा० II—राष्ट्रपति रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उसी सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में (रु० 1300-60-1600) स्थानापन्न रूप में प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से अनुक्रम नियम के अधीन आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं ।

क्रम सं०	नाम	कार्यालय/विभाग जहाँ पर प्रतिनियुक्ति पर सेवारत हैं	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री ए० के० घोष	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	15-6-1973 (पूर्वाह्न)
2.	श्री वी० राधाकृष्णन	मदरास परमाणु-शक्ति परियोजना कल्पाककम, मदरास	23-6-1973 (अपराह्न)

एस० के० सुन्दरम
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त, 1973

सं० 40011(1)/73-प्रशा० ए०—रक्षा लेखा महा नियंत्रक निम्नलिखित स्थायी लेखा कारों को एतद्वारा स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में आगामी आदेश पर्यन्त, प्रत्येक के सामने लिखी तारीख के पूर्वार्द्ध से नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	संगठन जिसमें सेवारत हैं	तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
सर्वश्री			
1. पी० एल० खत्री		रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	28-4-1973 (पूर्वार्द्ध)
2. बी० एल० धावन		रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	30-4-1973 (पूर्वार्द्ध)
3. एस० आर० गांगुली		रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	30-5-1973 (पूर्वार्द्ध)
4. डी० गोपालकृष्णन		रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	21-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
5. बी० एस० प्रकाश राव		रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य श्रेणी), उत्तर मेरठ	22-5-1973 (पूर्वार्द्ध)
6. डी० बी० वहल		रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	21-5-1973 (पूर्वार्द्ध)
7. एस० सी० भट्टाचार्य		रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	21-5-1973 (पूर्वार्द्ध)
8. बी० नारायण राव		रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	5-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
9. के० पी० भास्करन नायर		रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य श्रेणी), उत्तर मेरठ	22-5-1973 (पूर्वार्द्ध)
10. देसराज		रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	13-7-1973 (पूर्वार्द्ध)
11. टी० एस० मुद्रमण्यम		रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) दक्षिण मद्रास	25-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
12. बी० के० चक्रवर्ती		रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	21-5-1973 (पूर्वार्द्ध)
13. मुंशी राम जैन		रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना), देहरादून	8-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
14. पी० बी० डांगे		रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना	15-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
15. बी० आर० वासु देव		रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना), देहरादून	15-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
16. ए० वीरेश्वर राव		रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद,	15-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
17. एम० जी० राम वर्मा		रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ० से०), बम्बई	15-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
18. शादी लाल वर्मा		रक्षा लेखा नियंत्रक जम्मू	15-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
19. टी० आर० गणेशन		रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्यकमान) मेरठ	6-7-1973 (पूर्वार्द्ध)
20. डी० एन० देशपांडे		रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) दक्षिण मद्रास	15-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
21. एस० के० दत्त		रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	15-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
22. राम प्रकाश		संयुक्त रक्षा लेखा नियंत्रक (निधि) मेरठ	15-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
23. बी० सी० बोस		रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	15-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
24. आर० के० देव		रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	15-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
25. अनूप सिंह भसीन		रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान मेरठ	15-6-1973 (पूर्वार्द्ध)
26. एस० पी० शर्मा		रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी), उत्तर मेरठ	19-6-1973 (पूर्वार्द्ध)

(1)	(2)	(3)	(4)
	सर्वश्री		
27.	ओ० डी० मैल्लो	रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य बंगाल, मेरठ	9-7-1973 (पूर्वाह्न)
28.	बी० आर० चारी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी), दक्षिण मद्रास	9-7-1973 (पूर्वाह्न)
29.	आर० एन० वर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	9-7-1973 (पूर्वाह्न)
30.	पी० एस० वैकट रामन	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ० से.), बम्बई	9-7-1973 (पूर्वाह्न)
31.	एन० के० फॉसे	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	9-7-1973 (पूर्वाह्न)
32.	अमोलक राज	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी), उत्तर मेरठ	9-7-1973 (पूर्वाह्न)
33.	एम० सी० लूकोस	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिम बंगाल, मेरठ	23-7-1973 (पूर्वाह्न)

एस० के० सुन्दरम,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 20 अगस्त, 1973

सं० 39/73/जी०—श्री तिमिर रंजन दत्ता, स्थायी अधीक्षक, को अफसर सुपरवाइजर के पद पर, दिनांक 7 मई, 1973 से आगामी आदेश न होने तक, स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक,
आर्डनेन्स फैक्टरियां।

दिनांक 28 अगस्त 1973

सं० 1/73/एम—वार्धक्य निवृत्ति आयु (अर्थात् 58 वर्ष) प्राप्त कर निम्नलिखित सहायक सर्जन गण ग्रेड I प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से सेवा निवृत्त हुए।

- डा० एस० एन० सक्सेना, स्थायी सहायक सर्जन 15-2-73
ग्रेड-I, गन कैरीज फैक्टरी, जबलपुर (अपराह्न)
- डा० एस० बी० डरभे, स्थायी सहायक सर्जन 5-5-73
ग्रेड-I, आर्डनेन्स फैक्टरी, चन्दा (पूर्वाह्न)

आर० एम० मुजुमदार,
महानिदेशक,
आर्डनेन्स फैक्टरियां,

श्रम एवं नियोजन मंत्रालय

कोयला खान श्रम कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 29 अगस्त 1973

सं० प्र० 13(129)71—डा० जी० एन० मिश्रा कनिष्ठ चिकित्साधिकारी, केन्द्रीय चिकित्सालय, मनेन्द्रगढ़ का पद त्याग स्वीकृत होने पर उन्होंने दिनांक 24-8-71 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार छोड़ा।

राजेश्वर प्रसाद सिन्हा,
कोयला खान कल्याण आयुक्त
धनबाद।

पुति तथा निपटान महानिदेशालय

प्रशासन शाखा-6

नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1973

सं० प्र-6/247(199)/59—राष्ट्रपति, भारती निरीक्षण सेवा श्रेणी I के ग्रेड III की इन्जीनियरी शाखा के स्थायी अधिकारी तथा सेवा के ग्रेड II में स्थानापन्न श्री जी० एन० गिडवानी को दिनांक 10 अगस्त 1973 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उस सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री गिडवानी ने मद्रास निरीक्षण मण्डल में 28-7-73 के अपराह्न से उप निदेशक निरीक्षण (इंजी) का पद भार छोड़ दिया तथा 10-8-73 के पूर्वाह्न से प्रधान कार्यालय में निरीक्षण निदेशक का पद भार संभाल लिया।

दिनांक 29 अगस्त 1973

सं० प्र०-6/247(369)/62—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी I के ग्रेड III की वस्त्र शाखा में निरीक्षण अधिकारी श्री ए० आर० हलदर को दिनांक 28 जुलाई, 1973 के अपराह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक सेवा के ग्रेड II की वस्त्र शाखा में उप निदेशक निरीक्षण के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री हलदर ने कलकत्ता निरीक्षण मण्डल, कलकत्ता में निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) का पद भार छोड़ दिया और दिनांक 28-7-73 के अपराह्न से उप निदेशक निरीक्षण (वस्त्र) का पद भार संभाल लिया।

एस० के० जोशी,
उप-निदेशक (प्रशासन)

विदेश व्यापार मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त, 1973

सं० 6/241/54/प्रशा० (राज०)/3548—सेवा निवर्तन आयु होने पर, श्री टी० एम० बी० नेडनगडी, स्थायी संयुक्त मुख्य

नियंत्रक (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) ने 27 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में संयुक्त मुख्य नियंत्रक के पद का कार्यभार सौंप दिया।

सं० 6/598/60-प्रशा० (राज०)/3571—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री जे० आर्मस्ट्रॉंग ने सेवा निवर्तन आयु होने पर, 21 जुलाई, 1973 के अपराह्न से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय, नई दिल्ली में नियंत्रक (केन्द्रीय सचिवालय सेवा) के पद का कार्यभार सौंप दिया।

सं० 6/422/53-प्रशा० (राज०)/3583—राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में श्री पी० सी० सेन, नियंत्रक, आयात-निर्यात को 1-1-1973 से 31-1-1973 और 2-2-1973 से 1-6-1973 तक की अवधियों के लिए उसी कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० जी० बॉस मल्लिक,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 23 अगस्त 1973

सं० ई० एस० टी० 1-2(605)—वस्त्र आयुक्त अपने बम्बई स्थित कार्यालय की अधीक्षक श्रीमती आशा श्रीकांत किल्लेकर को उसी कार्यालय में 25 अप्रैल 1973 से 8 जून 1973 तक सहायक निदेशक द्वितीय श्रेणी (नान टेकनीकल) के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ई० एस० टी० 1-2(604)—वस्त्र आयुक्त अपने बम्बई स्थित कार्यालय की अधीक्षक श्रीमती रति मेहनती को उसी कार्यालय में 23 अप्रैल 1973 से 15 जून 1973 तक सहायक निदेशक द्वितीय श्रेणी (नान-टेकनीकल) के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

वि० ना० बसु,
उपनिदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

इस्पात वस्तर

लौह और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 18 अगस्त 1973

सं० एडमिन० पी० एफ० (168)—अवसर प्राप्त के समय उपस्थित होने के बाद सर्वश्री वी० एन० दास और एस० गुप्त—उप-सहकारी लौह तथा इस्पात नियंत्रक द्वय जुलाई 31, 1973 अपराह्न से अपने कार्यभार से अवकाश ग्रहण किये हैं।

मनी घोष,
सहकारी निदेशक (प्रशासन)
लौह इस्पात नियंत्रक के पक्षे

खान विभाग

भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिनांक 28 अगस्त 1973

सं० ए० 19011(161)/72-सि० ए०—राष्ट्रपति श्री ग्लैडी खाल्खो को 4 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खनि विभाग में स्थानापन्न रूप में उप-खनि नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक 1 सितम्बर 1973

सं० ए० 19012(61)/73-सि० ए०—भारतीय खनि विभाग के प्रवर तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री आर० एम० रामनाथन को दिनांक 7 अगस्त, 1973 के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक उसी विभाग में तदर्थ आधारपर स्थानापन्न सहायक खनन भूवैज्ञानिक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 19011(145)/72-सि० ए०—श्री उज्जल बन्द्योपाध्या, सहायक खनि-नियंत्रक, भारतीय खनि विभाग का त्यागपत्र सरकार द्वारा स्वीकृत होने पर उन्हें दिनांक 18 जून, 1973 के अपराह्न से कार्य-भार से मुक्त कर दिया गया है।

ए० के० राघवाचारी,
प्रवर प्रशासन अधिकारी,
कृते नियंत्रक

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 16 जुलाई 1973

सं० ई०-11(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-11(7) तारीख 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 7—आतिशबाजी के पश्चात निम्नलिखित जोड़िए, अर्थात :—

“श्रेणी 8—एल ओ० एक्स (तरल अक्सीजेन विस्फोटक)”

दिनांक 26 जुलाई 1973

सं० ई०-11(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-11(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 2 के अधीन—नाइट्रेट मिश्रण, “अक्वाडाइन” के पश्चात निम्नलिखित जोड़िये :

“अक्वाडाइन-11 निर्धारित स्थान पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1974 तक”

एम० पी० मुखर्जी,
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

दिल्ली-12, दिनांक 17 अगस्त 1973

सं० 17/1973—श्रीमती कोकिला रामास्वामी, रसायन सहायक ग्रेड-1, सीमा शुल्क गृह प्रयोगशाला, मद्रास को दिनांक 31 जुलाई, 1973 (अ०) से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी प्रयोगशाला में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजन) रूप से नियुक्त किया गया है।

दिनांक 18 अगस्त 1973

सं० 18/1973—सर्वश्री यू० एस० मुखर्जी तथा वी० के० सम्सेना, रसायन सहायक ग्रेड-1, राजकीय अफीम व क्षाराम

कारखाना, गाजीपुर को दिनांक क्रमण: 11 जुलाई, 73 (पू०) तथा 16 जुलाई, 1973 (पू०) से आगामी आदेशों के जारी होने तक सीमा शुल्क प्रयोगशाला, कलकत्ता में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनल) रूप में नियुक्त किया गया है।

वे० सा० रामनाथन,
मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व,
नियुक्ति अधिकारी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1973

सं० 29-69/73-सी० एच० एस०-I—स्वास्थ्य-सेवा महा-निदेशक एतद्वारा डा० अमृत लाल गोयल को 17 जुलाई, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 29-71/73-सी० एच० एस०-I—स्वास्थ्य-सेवा महा-निदेशक एतद्वारा डा० एस० डी० जोशी को 18 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नागपुर में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 अगस्त 1973

सं० 7-118/73-सी० एच० एस०-II—डा० (कुमारी) अनीता पंडा ने अपने त्याग पर की स्वीकृति के फलस्वरूप 13 अगस्त, 1973 को पूर्वाह्न में जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्यभार त्याग दिया।

सं० 29-75/73-सी० एच० एस०-I—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक एतद्वारा डा० प्रणाल कुमार बन्सल को 16 जुलाई, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 29-66/73-सी० एच० एस०-I—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक एतद्वारा डा० राजकुमार मित्तल को 6 जुलाई, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करने हैं।

दिनांक 31 अगस्त 1973

सं० 29-61/73-सी० एच० एस०-I—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक एतद्वारा डा० भोपाल सिंह छाजेद को 16 जुलाई, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 19-77/73-सी० एच० एस०-I—स्वास्थ्य-सेवा महा-निदेशक एतद्वारा डा० (श्रीमती) बिमला कुमार को 28 जुलाई,

1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

शिवचन्द्र कुमार
उप निदेशक
प्रशासन।

कृषि विमानन निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 अगस्त 1973

सं० 1-21/73-प्रशासन (I)—अधोहस्ताक्षर कर्ता कृषि विमानन निदेशालय के वायु यान यांत्रिक श्री आर० के० चोपड़ा को अस्थायी रूप से 1 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से कनिष्ठ वायुयान अनुरक्षा अभियन्ता 6 मास के लिये या उस समय तक जब तक कि संघ लोक सेवा आयोग से अनुमोदित उम्मीदवार उपलब्ध हों जो भी पहले हो नियुक्त करते हैं।

एस० पी० सेन,
निदेशक कृषि विमानन
निदेशालय।

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1973

सं० 5-9/72-सि० प्रथम—कार्यालय, निदेशक लेखापरीक्षा एवं लेखा, डाक एवं तार, दिल्ली के एस० ए० एस० लेखाकार श्री मनोहर सिंह विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) में अधीक्षक (लेखा) सामान्य सिविल सेवा (राजपत्रित) (लिपिक वर्गीय) के पद पर 450-25-575 रुपये के वेतनमान में दिनांक 30 जून, 1973 के बाद से 30 सितम्बर, 1973 तक स्थानापन्न बने रहेंगे।

निर्मल कुमार दत्त
प्रशासन निदेशक।

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कांसिक विभाग)

वम्बई, दिनांक 16 अगस्त 1973

सं० पी० ए०/75 (7)/73-आर०-4—इस अनुसंधान केन्द्र के अधिसूचना सं० के०/687/डी० पी० एस०/प्र० III/222, दिनांक 14 अगस्त, 1973 के क्रम में, नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री ए० एल० कृष्णन, यहाँ के एक स्थायी भंडारी को इसी अनुसंधान केन्द्र में 29 जून, 1973 के अपराह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न सहायक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन
उप प्रस्थापन अधिकारी (भ)

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलकत्ता, दिनांक 22 अगस्त 1973

सं० आर० आर० सी० II-1 (89/73-11379/599—
रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, भाभा परमाणु
अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आशुलिपिक श्री पल्लवकरा कुंजवरीद
लजर कुट्टि को, जो इस समय रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में कार्य कर
रहे हैं, 1 अगस्त 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए
इसी केन्द्र में स्थानापन्न रूप से विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड
एस० बी० (अनुवादक) नियुक्त करते हैं।

एन० स्वामीनाथन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 22 अगस्त 1973

सं० ए०-32013/4 /73-ई० ए०—राष्ट्रपति ने नागर
विमानन विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के
सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक उपनिदेशक/
नियंत्रक विमानक्षेत्र के ग्रेड में पदोन्नति किया है :—

क्रम संख्या	नाम	पदोन्नति की तारीख	पदनाम और तैनाती स्थान
1.	श्री बी० सेतुरामन	14-8-73	नियंत्रक विमानक्षेत्र, दिल्ली एयरपोर्ट, पालम।
2.	श्री एच० एस० गुलाटी	9-8-73	नियंत्रक विमानक्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास।
3.	श्री एस० यादव	14-8-73	तदर्थ आधार पर मुख्यालय में उपनिदेशक विमान परिवहन।

सुरजीत लाल खण्डपुर।
सहायक निदेशक प्रशासन
हुते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1973

सं० ए० 19014/116/72-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री
एस० एन० कोहली, उप निदेशक, वैमानिक निरीक्षण को मूलनियम
56 (के०) के अधीन 14-8-1973 (अपराह्न) से सरकारी सेवा
से निवृत्त होने की अनुमति दी है।

दिनांक 25 अगस्त 1973

सं० ए० 19013/6/72-ई० एच०—इस विभाग के श्री ए०
बी० वर्तक, उप महानिदेशक नागर विमानन, निवर्तन आयु प्राप्त
कर लेने के पपरणाभस्वरूप तारीख 14-8-73 (पूर्वाह्न) से सरकारी
सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सुरजीत लाल खण्डपुर
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1973

सं० ए० 32013/5/71-ई० सी०—राष्ट्रपति ने 31-2-73
तक या पदो के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले
हो, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित तकनीकी अधिकारियों
की तदर्थ पदोन्नति बढ़ाने का अनुमोदन किया है।

क्रम संख्या	नाम
1.	श्री पी० एल० मोदगिल
2.	श्री एम० एस० कृष्णन
3.	श्री सी० आर० नरसिंहम
4.	श्री ए० नरेन्द्रनाथ

2. उपर्युक्त अधिकारियों की तदर्थ पदोन्नतियां इस कार्यालय
की अधिसूचना सं० ए० 32013/5/71-ई० सी० तारीख 28-4-73
द्वारा अधिसूचित की गई थी।

दिनांक 1 सितम्बर 1973

सं० ए० 38012/1/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री के०
एन० गोपाल कृष्णन नियंत्रक संचार, नागर विमानन विभाग को जो
इस समय अन्तर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन में प्रतिनियुक्ति पर
हैं, तारीख 16 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से मूल नियम 56 (के०) के
उपबंधों के अधीन सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान
की है।

स्वामिनाथन एकाम्बरम
उप निदेशक प्रशासन
हुते महानिदेशक नागर विमानन

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय**भारत मौसम विज्ञान विभाग**

नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1972

सं० ई० (1) 04159—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-
द्वारा वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के
श्री एच० एस० राय बर्मन, व्यवसायिक सहायक को 6 अगस्त,
1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में
सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एच० एस० राय बर्मन, स्थानान्त सहायक मौसम विशेषज्ञ
वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही
तैनात रहेंगे।

सी० जी० बालासुब्रह्मनियम
मौसम विशेषज्ञ
हुते वेधशालाओं के महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहर्ता का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 1973

सं० 45—श्री मणीन्द्र नारायण बसु, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-
शुल्क, द्वितीय वर्ग त्रिो हाल तक केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क
उप-समाहर्ता, सिलीगुड़ी के कार्यालय में अधीक्षक (निवारक) के

ग्रुप में काम कर रहे थे, दिनांक 30 जुलाई, 1973 के अपराह्न में सरकारी सेवा से अवकाश ग्रहण किये।

सं० 46—श्री हेमंत कुमार दास, अधीक्षक वर्ग द्वितीय जो सहायक समाहर्ता, सीमाशुल्क, सिलीगुड़ी के कार्यालय में अधीक्षक एल० आर० के रूप में काम कर रहे थे, स्थानान्तरित होकर, उप-समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादशुल्क, सिलीगुड़ी के कार्यालय में श्री मणीन्द्र नाथ बसु के स्थान जो अवकाश ग्रहण किये, दिनांक 30 जुलाई, 1973 के अपराह्न में अधीक्षक (निवारक) का कार्यभार ग्रहण किये।

एन० एन० रायचौधरी
समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क

केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (विद्युत् स्तंभ)

नई दिल्ली-22, दिनांक 29 अगस्त 1973

सं० 1/45/73-प्रशा० 3 (वि० स्तं०)—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग श्री मुरली मनोहर अय्यर को केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (विद्युत् स्तंभ) में भारतीय दुभाषिण के रूप में, रुपये 350-25-500-30-590-२० रो०-30-830 के वेतन में 18 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

मूल शंकर पाठक,
अवर सचिव,
कृते अध्यक्ष

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मेसर्स बेलमार ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 1973

सं० 97082/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स बेलमार ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

व्ही० एस० राजू,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स केदारनाथ ओंकारमल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 29 अगस्त 1973

सं० 3711/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स केदारनाथ ओंकारमल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

व्ही० एस० राजू
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रणक्लूजोनियारस बिल्दास प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 25 अगस्त 1973

सं० 1258/560/—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ग्रुप इन्जीनियर्स एण्ड बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

टी० के० एस० विश्वास,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और न्यू इन्डस्ट्रियल सिन्डिकेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक अगस्त 1973

सं० 24085/56073—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर न्यू इंडस्ट्रियल सेन्डिकेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

के० मुखपाध्याय,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लाक जयेंड इंडिया लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 27 अगस्त 1973

सं० 4383/8640—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लाक जयेंड इंडिया लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

आर० के० जैन,
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

कम्पनी अधिनियम, 1955 और नेशनल पब्लिशिंग हाउस लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1973

सं० —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नेशनल पब्लिशिंग हाउस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

स० सत्यनारायणन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई 20, दिनांक 27 अगस्त 1973

सं० एफ० 48-एडी० (एटी०) 73—श्री एन० एन० नायक, कलकटर, कल्हांडी के दफ्तर में प्रधान और प्रकीर्ण आनुभाग के मुख्य अधिकारी को दिनांक 18 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से आयकर अपीलीय अधिकरण, जबलपुर न्यायपीठ, जबलपुर में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर 400-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 के वेतनमान में अस्थायी रूप से अग्रतर आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्री एन० एन० नायक की नियुक्ति दिनांक 18 अगस्त, 1973 से दो वर्ष तक परिवीक्षा काल पर रहेगी।

हरनाम शंकर,

अध्यक्ष

आयकर अपीलीय अधिकरण

आयकर आयुक्त का कार्यालय**आय-कर राजपत्रित स्थापना**

बम्बई, दिनांक 17 अगस्त, 1973

सं० 792—अधिनियम 1961 (1961 का अधिनियम 43) की धारा 117 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं ओ० बी० कुरुविल्ला, आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-1, बम्बई, ने निम्नलिखित आय-कर निरीक्षक को, उनके नामों के सामने दी गई तारीख से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न आय-कर अधिकारी, श्रेणी-2 वत् नियुक्त किया है :—

1. श्री बी० ए० गांगडै, निरीक्षक, ए-5 30-5-73
वार्ड, बम्बई। (अपराह्न)
2. श्री एस० एम० शृंगार पुरे, निरीक्षक, 29-5-73
ए-4, वार्ड, बम्बई। (पूर्वाह्न)
3. श्री आर० के० गुप्ता; निरीक्षक 28-5-73
सी-2 वार्ड, बम्बई। (अपराह्न)
4. श्री एल० एन० जाय; निरीक्षक 30-5-73
बी० एस० डी० (वेस्ट), बम्बई। (पूर्वाह्न)
5. मीस् एस० सी० छत्रपती, निरीक्षक 29-5-73
सी-3 वार्ड, बम्बई। (पूर्वाह्न)

2. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग), नई दिल्ली, के पत्र एफ० सं० 22/3/64-प्रशा०-5, दिनांक 25-4-64 में निहित शर्तों के अनुसार वह दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे। यदि जरूरी हुआ तो परिवीक्षा काल उपरोक्त अवधि से आगे बढ़ाया जा सकता है। इस पद पर उनका पुष्टि और/या बरकरारी उनके द्वारा परिवीक्षा अवधि के सफल समापन पर निर्भर होगी।

3. उनकी नियुक्ति बिलकुल अस्थायी और अंतिम तौर पर की गई है और किसी भी समय बिना सूचना दिए समाप्त की जा सकती है।

ओ० बी० कुरुविल्ला,

आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-1

सं० 795—अधिनियम 1961 (1961 का अधिनियम 43) की धारा 117 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं, बी० एस० नाडकर्णी, आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-2, बम्बई, ने निम्नलिखित आय-कर निरीक्षक को, उनके नामों के सामने दी गई तारीख से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न आय-कर अधिकारी, श्रेणी-2 वत् नियुक्त किया है :—

1. श्री बी० के० नम्बुद्री, निरीक्षक, बम्बई 29-5-73
वार्ड, बम्बई। (पूर्वाह्न)
2. श्री के० ए० मेनन, निरीक्षक, बम्बई 29-5-73
वार्ड, बम्बई। (पूर्वाह्न)

2. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग), नई दिल्ली, के पत्र एफ० सं० 22/3/64-प्रशा०-5, दिनांक 25-4-1964 में निहित शर्तों के अनुसार वे दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे। यदि जरूरी हुआ तो परिवीक्षा काल उपरोक्त अवधि से आगे बढ़ाया जा सकता है। इस पद पर उनकी पुष्टि और/या बरकरारी उनके द्वारा परिवीक्षा अवधि के सफल समापन पर निर्भर होगी।

3. उनकी नियुक्ति बिलकुल अस्थायी और अंतिम तौर पर की गई है और किसी भी समय बिना सूचना दिए समाप्त की जा सकती है।

बी० एस० नाडकर्णी,

आय-कर आयुक्त, बम्बई नगर-2,
बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 अगस्त 1973

सं० 796—अधिनियम 1961 (1961 का अधिनियम 43) की धारा 117 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए, मैं, ए० जे० डिसूजा, आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-6, बम्बई, ने निम्नलिखित आय-कर निरीक्षक को, उनके नाम के सामने दी गई तारीख से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न आय-कर अधिकारी, श्रेणी-2 वत् नियुक्त किया है :—

- श्री टी० आर० प्रसाद; निरीक्षक; 29-5-73
कैम्प मं० 3, बम्बई। (पूर्वाह्न)

2. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग), नई दिल्ली, के पत्र एफ० सं० 22/3/64-प्रशा०-5, दिनांक 25 अप्रैल 1964 में निहित शर्तों के अनुसार वह दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे। यदि जरूरी हुआ तो परिवीक्षा काल उपरोक्त अवधि से आगे बढ़ाया जा सकता है। इस पद पर उनकी पुष्टि और/या बरकरारी उनके द्वारा परिवीक्षा अवधि के सफल समापन पर निर्भर होगी।

3. उनकी नियुक्ति बिलकुल अस्थायी और अंतिम तौर पर की गई है और किसी भी समय सूचना दिए समाप्त की जा सकती है।

ए० जे० डिसूजा,

आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-6,
बम्बई

कोचीन-682016, दिनांक 12 जुलाई 1973

सी० सं० 1(9)(बी)जी० एल०/73-74—आदेश सं० 1/73-74—आयकर अधिनियम 1961 (43/1961) की 124वीं धारा की उपधारा (1) और (2) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एवं उक्त धारा के अनुसार इस कार्यालय में समय समय पर सूचित पुरानी सूचनाओं का अधिग्रहण करते हुए केरल का आयकर आयुक्त म निर्देश करता हूँ कि संलग्न अनुसूची के खाना 2 में बताये हुए आयकर मण्डलों से संबद्ध आयकर अधिकारी 1973 अगस्त, की पहली तारीख के पूर्वार्द्ध से अपने संबद्ध मण्डलों पर समवर्ती क्षेत्राधिकार रखेंगे। उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, आय श्रेणी, मामले या मामलों की श्रेणी आदि पर, जो कि उक्त अनुसूची के चौथे खाने में दी गई हैं, अलग आदेश जारी किया जायेगा।

अनुसूची

क्रम संख्या	मण्डल का नाम	आयकर अधिकारी का पद-संज्ञा	क्षेत्राधिकार
(1)	(2)	(3)	(4)
1. कन्नूर		1. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड 2. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड 3. आयकर अधिकारी, सी-वार्ड 4. आयकर अधिकारी, वसूली	1. 1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126 या 127वीं धारा के अधीन कन्नूर के राजस्व जिले के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र के सम्बद्ध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है, उनको छोड़कर शेष सभी निर्धारित। 2. पाण्डिचेरी के संघीय क्षेत्र का अंग भूत माही प्रदेश। 3. 1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126 और 127वीं धारा के अधीन सभी मामले जिसका विशेष उल्लेख किया गया है।
2. कालिकट		1. आयकर अधिकारी, प्रशासन 2. आयकर अधिकारी, निर्धारण (कम्पनियों का) 3. आयकर अधिकारी, निर्धारण-1 4. आयकर अधिकारी, निर्धारण-2 5. आयकर अधिकारी, निर्धारण-3 6. आयकर अधिकारी, निर्धारण-4 7. आयकर अधिकारी, निर्धारण-5 8. आयकर अधिकारी, निर्धारण-6 9. आयकर अधिकारी, वसूली 10. आयकर अधिकारी, वसूली (अतिरिक्त)	1. 1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126 या 127वीं धारा के अधीन कोषिकोड के राजस्व जिले के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र से संबद्ध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है। उनको छोड़कर शेष सभी निर्धारित। 2. मलप्पुरम जिला में ईरनाड तालुक और तिरुत तालुक। 3. अमिनिडीय आईलैंड्स, मिनिकोय तथा लाकाडीव्स के संघीय क्षेत्र और 4. कन्नूर आयकर मण्डल के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत कम्पनियों के सभी मामले (क) 1961 के आयकर अधिनियम की धारा 2(22)(ई) की अर्थव्याप्ती के अन्तर्गत आने वाले मण्डल प्रदेश में स्थित कम्पनियों के सारे प्रबन्ध अधिकर्ता और साश्वत हित रखने वाला निदेशक जो कि केरल निवासी है। 2. 1961 के आयकर अधिनियम 124, 126 और 127वीं धारा के अधीन सभी मामले जिनका विशेष उल्लेख किया गया है।

(1)	(2)	(3)	(4)
3. पालघाट	<ol style="list-style-type: none">1. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड2. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड3. आयकर अधिकारी, सी-वार्ड		<ol style="list-style-type: none">1. 1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126 या 127वीं धारा के अधीन पालघाट के राजस्व जिले में और मलप्पुरम राजस्व जिले में पेरित्तलमन्ना एवं पोन्नानी राजस्व तालुक के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र के संबद्ध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है उनको छोड़कर शेष सभी निर्धारित।
4. ट्रिचूर	<ol style="list-style-type: none">1. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड2. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड3. सी-वार्ड (आयकर अधिकारी)4. आयकर अधिकारी, डी-वार्ड5. आयकर अधिकारी- ई-वार्ड		<ol style="list-style-type: none">1. 1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126 या 127वीं धारा के अधीन ट्रिचूर के राजस्व जिले के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र के सम्बद्ध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है उनको छोड़कर शेष सभी निर्धारित और2. पालघाट के आयकर मण्डल के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत कंपनियों के सभी मामले (क) 1961 के आयकर अधिनियम की धारा 2(22)(ई) की अर्थव्याप्ति के अन्तर्गत आने वाले मण्डल प्रदेश में स्थित कंपनियों के सारे प्रबन्ध अधिकर्ता और साख्तान हित रखनेवाले निदेशक जो कि केरल निवासी हैं।2. 1961 के आयकर अधिनियम 124, 126, और 127वीं धारा के अधीन सभी मामले जिनका विशेष उल्लेख किया गया है।
5. आलवाय	<ol style="list-style-type: none">1. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड2. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड3. आयकर अधिकारी, सी-वार्ड		<p>1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126 या 127वीं धारा के अधीन, निम्न-लिखित तालूका के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र के संबद्ध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है उनको छोड़कर शेष सभी निर्धारित।</p> <ol style="list-style-type: none">1. आलुवाय, के राजस्व तहसील, कुन्नप्पु-ताडु, मुवाट्टुपुषा, कोतमंगलम, और एरणकुलम जिले के नोर्त परर, इडिक्की जिले के तोडुपुषा एवं देवी-कुलम्, और कोट्टयम जिले के वैक्कम।2. मैसर्स एफ० ए० सी० टी० लिमिटेड, उद्योगमण्डल, मैसर्स टी० सी० सी० लिमिटेड, आलवाय के कर्मचारियों के सभी मामले। <ol style="list-style-type: none">2. 1961 के आयकर अधिनियम 124, 126 और 127वीं धारा के अधीन सभी मामले जिनका विशेष उल्लेख किया गया है।

(1)	(2)	(3)	(4)
६. एरणाकुलम	1. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड 2. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड 3. आयकर अधिकारी, सी-वार्ड		1. 1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126 या 127वीं धारा के अधीन, निम्न-लिखित जिले के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र के संबद्ध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है उनको छोड़कर शेष सभी निर्धारिती। एरणाकुलम के राजस्व जिले (आयकर सरकिल आलुवाय तथा मट्टाचेरी के क्षेत्र को छोड़कर)।
			2. 1961 के आयकर अधिनियम 124, 126 और 127 वीं धारा के अधीन सभी मामले जिनका विशेष उल्लेख किया गया है।
	4. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड कंपनीज सरकिल		1. (क) निम्नलिखित आयकर मण्डलों के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत कंपनियों के सभी मामले : आलप्पी, आलुवाय, एरणाकुलम, कोट्टयम, मट्टाचेरी और तिरुवल्ला।
	5. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, कंपनीज सरकिल		(ख) 1961 के आयकर अधिनियम की धारा 2(22)(ई) की अर्थव्याप्ति के अन्तर्गत आनेवाले मण्डल प्रदेश में स्थित कंपनियों के सारे प्रबन्ध अधिकर्ता और सारवान हित रखने वाले निर्देशक जो कि केरल निवासी हैं।
			2. 1961 के आयकर अधिनियम 124, 126, और 127वीं धारा के अधीन सभी मामले जिनका विशेष उल्लेख किया गया है।
	6. आयकर अधिकारी, सेन्ट्रल सरकिल		1961 के आयकर अधिनियम 126 या 127 वीं या दोनों धारा के अधीन सभी मामले जिनका विशेष उल्लेख किया गया है या जो नियत समझे आते हैं।
	7. आयकर अधिकारी, स्पेशल सरकिल		1961 के आयकर अधिनियम 126 या 127वीं या दोनों धारा के अधीन सभी मामले जिनका विशेष उल्लेख किया गया है या जो नियत समझे जाते हैं।
	8. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड सालरी सरकिल।		
	9. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, सालरी सरकिल।		1. 1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126 या 127 वीं धारा के अधीन, आयकर सरकिल आलुवाय, एरणाकुलम और मट्टाचेरी के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र से संबद्ध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है उनको छोड़कर शेष सभी वेतनभोगी [महालेखाकार (केरल) के लेखा-परीक्षा नियंत्रण के अधीन केन्द्रीय तथा राज्य सरकार के कर्मचारियों को छोड़कर]।
			2. केरल के आयकर विभाग के सभी कर्मचारी।
			3. केरल में स्थित "मलयालम प्लान्टेशनस् लिमिटेड" कोलम के सभी राजसंपत्ती

(1)	(2)	(3)	(4)
			अधीक्षक तथा सहायक अधीक्षक। 'मलयालम प्लान्टेशनस लिमिटेड, कोलम के नियंत्रण के अधीन मद्रास के नीलगिरी में स्थित "वेन्टवोर्स एन्ड मेफील्ड एस्टेट्स" के कार्यपालिका कर्मचारी वर्ग।
			2. 1961 के आयकर अधिनियम 124, 126, और 127वीं धारा के अधीन सभी मामले जिनका विशेष उल्लेख किया गया है।
7. मट्टाचेरी		1. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड	1. 1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126 या 127वीं धारा के अधीन।
		2. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड	1. मट्टाचेरी मुनिसिपल टाउन,
			2. वेल्गडन आईलैण्ड,
		3. आयकर अधिकारी, वसूली	3. फोर्ट कोचीन के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र से संबद्ध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है उनको छोड़कर शेष सभी निर्धारित।
			2. 1961 के आयकर अधिनियम 124, 126, और 127वीं धारा के अधीन सभी मामले जिनका विशेष उल्लेख किया गया है।
8. कोट्टयम		1. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड	1. 1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126 या 127वीं धारा के अधीन निम्न-लिखित मण्डल के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र से संबद्ध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है उनको छोड़कर शेष सभी निर्धारित।
		2. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड	
		3. आयकर अधिकारी, सी-वार्ड	
		4. आयकर अधिकारी, डी-वार्ड	
		5. आयकर अधिकारी, ई-वार्ड	
			1 कोट्टयम के राजस्व जिले (वैक्कम् तथा चंगनाच्चेरी राजस्व तालुका को अलग करके) और
			2 इडिक्कि जिला के पीरुमेड़, नैडुगन्म और उडुंबन्वोला राजस्व तहसील।
			2. 1961 के आयकर अधिनियम 124, 126 और 127वीं धारा के अधीन सभी मामले जिनके विशेष उल्लेख किया गया है।
9. आलप्पी		1. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड	1. 1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126 या 127वीं धारा के अधीन निम्न-लिखित मण्डल के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र से संबद्ध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है उनको छोड़कर शेष सभी निर्धारित।
		2. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड	
		3. आयकर अधिकारी, सी-वार्ड	1. आलप्पी के राजस्व जिले (तिरुवल्ला, मोवलिवक्का और चेंगन्नूर राजस्व तहसील को छोड़कर)।
			और

(1)	(2)	(3)	(4)
			2. कोल्लम जिले के करुनागप्पिल्ली राजस्व तालूका ।
			2. 1961 के आयकर अधिनियम 124, 126 और 127वीं धारा के अधीन सभी मामले जो विशेष उल्लेख किया गया है ।
10. तिरुवल्ला		1. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड । 2. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड ।	1. 1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126 या 127वीं धारा के अधीन निम्न-लिखित मण्डल के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र से संबद्ध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय किया गया है उनको छोड़कर शेष सभी निर्धारित— 1. आलप्पी जिला के तिरुवल्ला, मावेलिककरा, और चेंगन्नूर राजस्व तालूका । 2. कोल्लम जिला के पत्तनंतिट्टा राजस्व तालूका और 3. कोट्टयम जिला के चंगनाश्वेरी राजस्व तालूका । 2. 1961 के आयकर अधिनियम 124, 126 और 127वीं धारा के अधीन सभी मामले जो विशेष उल्लेख किया गया है ।
11. कोल्लम्		1. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड । 2. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड । 3. आयकर अधिकारी, सी-वार्ड ।	1. 1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126 या 127वीं धारा के अधीन कोल्लम् के राजस्व जिले (पत्तनंतिट्टा और करुनागप्पिल्ली राजस्व तालूका को छोड़कर) के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र से संबद्ध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है, उनको छोड़कर शेष सभी निर्धारित । 2. 1961 के आयकर अधिनियम 124, 126 और 127वीं धारा के अधीन सभी मामले जिनका विशेष उल्लेख किया गया है ।
12. तिरुवनन्तपुरम		1. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड 2. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड 3. आयकर अधिकारी, सी-वार्ड 4. आयकर अधिकारी, वसुली	1. 1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126, या 127वीं धारा के अधीन तिरुवनन्तपुरम राजस्व जिले के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र से संबंध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है उनको छोड़कर शेष सभी निर्धारित । 2. कोल्लम् आयकर सरकिल के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत कंपनियों के सभी मामले । (क) 1961 के आयकर अधिनियम की धारा 2(22) (ई) की अर्थाव्याप्ति

(1)	(2)	(3)	(4)
			के अन्तर्गत आनेवाले मण्डल प्रदेश में स्थित कम्पनियों के सारे प्रबन्ध अधिकर्ता और सारवान हित रखने वाले निदेशक जो कि केरल निवासी हैं।
			2. 1961 के आयकर अधिनियम 124, 126 और 127वीं धारा के अधीन सभी मामले जो विशेष उल्लेख किया गया है।
	5. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, सालरी सरकिल।		1. 1961 के आयकर अधिनियम की 124, 126 या 127वीं धारा के अधीन आयकर सरकिल, तिरुवनन्तपुरम के प्रादेशिक क्षेत्राधिकारी के अन्तर्गत, किसी आयकर अधिकारी के क्षेत्र से संबंध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है उनको छोड़कर, महालेखाकार केरल के लेखा-परीक्षा नियंत्रण के अधीन सभी केन्द्रीय तथा राज्य सरकार के कर्मचारी।
	6. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, सालरी सरकिल		2. 1961 के आयकर अधिनियम 126 और 127 धारा के अधीन सभी मामले जिनका विशेष उल्लेख किया गया है।

एस० टी० तिरुमलाचारी,
आयकर आयुक्त, केरल एरणाकुलम, कोच्चीन-16

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 (2) के अधीन आदेश

कोच्चीन-682016, दिनांक 12 जुलाई, 1973

सं० सी० सं० 1 (9) (बी) जी० एल०/73-74—इस कार्यालय में समय-समय पर सूचित पुरानी सूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए केरल का आयकर आयुक्त मैं, निर्देश करता हूँ कि निम्नलिखित आयकर अधिकारी, 1973 अगस्त, की पहली तारीख (पूर्वाह्न) से निम्नलिखित अनुसूची के खाना 2 या 3 (या दोनों) में बताये हुये कार्य का निर्वाह करेंगे। उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, व्यक्तियों की श्रेणी, आम, आयश्रेणी, मामले या मामलों की श्रेणी आदि पर इस कार्यालय की अधिसूचना सी० सं० 1 (9) (बी) जी० एल०/73-74 (आदेश सं० 1/73-74) दिनांक 12-7-1973 में दी गई है।

कोलम् सं० 1	कोलम् सं० 2	कोलम् सं० 3
(1)	(2)	(3)
आयकर अधिकारी का पदनाम	अनुसूची के खाना 3 में वर्णित कार्यों को छोड़कर आयकर अधिकारी के शेष सारे कार्य।	1961 के आयकर अधिनियम के अध्याय 17 के अनुसार संग्रहण तथा कर वसूली से संबंधित सारे कार्य (खण्ड 194, 195, 197 और 214 से 217वीं के अधीन कार्य को छोड़कर) 1961 के आयकर अधिनियम के अध्याय 17 की किसी धारा के अनुसार पारित आदेश के फलस्वरूप प्रदेय कर, सुद, शास्ति, जुर्माना या और किसी भी राशि के लिए उक्त अधिनियम की धारा 156 के अनुसार मांग की नोटिस देना भी इसके अंतर्गत आता है।

(1)	(2)	(3)
आयकर सञ्चाल, कन्नूर ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, कन्नूर	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	---
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, कन्नूर	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, कन्नूर	---	---
आयकर अधिकारी,	---	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य
बसूली आयकर सरकिल, कन्नूर		
आयकर सरकिल, पालघाट		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, पालघाट	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	---
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, पालघाट	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, पालघाट	---	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य
आयकर सरकिल, त्रिचूर ।		
आयकर सरकिल, ए-वार्ड, त्रिचूर	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	---
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, त्रिचूर	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, त्रिचूर	---	---
आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, त्रिचूर	---	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य
आयकर अधिकारी, ई-वार्ड, त्रिचूर	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	----
आयकर सरकिल आलुवाय		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, आलुवाय	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, आलुवाय	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, आलुवाय	---	---
आयकर सरकिल, एरणाकुलम		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, एरणाकुलम	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	---
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, एरणा-	---	---
कुलम ।		
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, एरणा-	---	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
कुलम ।		
कंपनी सरकिल एरणाकुलम		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, कंपनी सरकिल, एरणाकुलम	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, कंपनी सरकिल, एरणाकुलम ।	---	---
सेन्ट्रल सरकिल, एरणाकुलम ।		
आयकर अधिकारी, सेन्ट्रल सरकिल, एरणाकुलम ।	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
स्पेशल सरकिल, एरणाकुलम ।		
आयकर अधिकारी, स्पेशल सरकिल, एरणाकुलम	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
सालरी सरकिल, एरणाकुलम		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, सालरी सरकिल, एरणाकुलम ।	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, सालरी सरकिल, एरणाकुलम	---	---

(1)	(2)	(3)
आयकर सरकिल, मट्टान्चेरी ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, मट्टान्चेरी	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, मट्टान्चेरी ।	---	---
आयकर अधिकारी, वसूली आयकर सरकिल, मट्टान्चेरी ।	---	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर सरकिल, कोट्टयम् ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, कोट्टयम्	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	---
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, कोट्टयम्	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, कोट्टयम्	---	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, कोट्टयम् ।	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	---
आयकर अधिकारी, ई-वार्ड, कोट्टयम्	---	---
आयकर सरकिल, आलप्पी ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, आलप्पी	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, आलप्पी ।	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, आलप्पी	---	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर सरकिल, तिरुवल्ला ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, तिरुवल्ला	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, तिरुवल्ला ।	---	---
आयकर सरकिल, कोल्लम ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, कोल्लम	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, कोल्लम	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, कोल्लम् ।	---	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर सरकिल, तिरुवनन्तपुरम् ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम् ।	ऊपर, खाना 2 में वर्णित कार्य	---
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम्	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम् ।		
सालरी सरकिल, तिरुवनन्तपुरम् ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, सालरी सरकिल	---	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य
तिरुवनन्तपुरम् ।	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, सालरी सरकिल तिरुवनन्तपुरम् ।	---	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।

(एस० टी० तिरुमलाचारी)

आयकर आयुक्त,
केरल, एरणाकुलम् ।**घन-कर अधिनियम 1957 की धारा 8 के अधीन आदेश**

कोच्चिन - 682016, दिनांक 12 जुलाई, 1973

सं० 1(9) (बी०) जी० एल०/73-74 आदेश संख्या 3/73-74—इस कार्यालय में समय-समय पर सूचित पुरानी सूचनाओं का अधिकरण करते हुए केरल का घन कर आयुक्त में, निदेश करता हूँ कि निम्नलिखित आयकर अधिकारी, 1973 अगस्त, की पहली तारीख (पूर्वाह्न) में निम्नलिखित अनुसूची के खाना 2 या 3 (या दोनों) में बताये हुए कार्य का पालन करेंगे । उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, आय, आय-

श्रेणी, मामले या मामलों की श्रेणी आदि इस कार्यालय के अधिसूचना सी० सं० 1(9) (बी०) जी० एल०/73-74, आदेश सं० 1/73-74, दिनांक 12 जुलाई, 1973 में दी गई है।

अनुसूची

कालम सं० 1	कालम सं० 2	कालम सं० 3
(1)	(2)	(4)
आयकर अधिकारी का पद नाम	अनुसूची के खाना 3 में वर्णित कार्यों को छोड़कर उपहारकर अधिकारी के शेष सारे कार्य।	1958 के उपहारकर अधिनियम के अध्याय 7 के अनुसार उपहारकर अधिकारी के सारे कार्य। इसमें 1958 के उपहारकर अधिनियम के अन्य अध्यायों की किसी धारा के अनुसार पारित आदेश के फलस्वरूप प्रदेशकर सूद, शास्ति, जुर्माना या और किसी भी राशि के लिए उक्त अधिनियम, की धारा-31 के अनुसार मांग की नोटिस देना भी इसके अन्तर्गत आता है।
आयकर मण्डल, कन्नूर।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, कन्नूर।	ऊपर, खाना 2 में वर्णित कार्य।	---
आयकर अधिकारी, बी०-वार्ड, कन्नूर।	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, कन्नूर।	---	---
आयकर अधिकारी, वसुली, आयकर मण्डल, कन्नूर।	---	ऊपर, खाना 3 में वर्णित कार्य।
आयकर मण्डल, पालघाट।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड पालघाट।	ऊपर, खाना 2 में वर्णित कार्य।	---
आयकर अधिकारी बी-वार्ड, पालघाट।	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड पालघाट।	---	ऊपर, खाना 3 में वर्णित कार्य।
आयकर मण्डल, ट्रिच्चूर।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड ट्रिच्चूर।	ऊपर, खाना 2 में वर्णित कार्य।	---
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड ट्रिच्चूर।	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, ट्रिच्चूर।	---	---
आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, ट्रिच्चूर।	---	ऊपर, खाना 3 में वर्णित कार्य।
आयकर अधिकारी, ई-वार्ड, ट्रिच्चूर।	---	---
आयकर मण्डल, आलुवाय।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, आलुवाय	ऊपर, खाना 2 में वर्णित कार्य।	ऊपर, खाना 3 में वर्णित कार्य।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, आलुवाय	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, आलुवाय	---	---
आयकर मण्डल, एरणकुलम।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, एरणकुलम।	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य।	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, एरणकुलम।	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड एरणकुलम।	---	---

(1)	(2)	(3)
कंपनीस सरकिल, एरणाकुलम ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, कंपनीस सरकिल, एरणाकुलम ।	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, कंपनीस सरकिल, एरणाकुलम ।	---	---
सैन्ट्रल सरकिल, एरणाकुलम ।		
आयकर अधिकारी, सैन्ट्रल सरकिल, एरणाकुलम ।	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	ऊपर, खाना 3 में वर्णित कार्य ।
स्पेशल सरकिल, एरणाकुलम ।		
आयकर अधिकारी, स्पेशल सरकिल, एरणाकुलम ।	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
सालरी सरकिल, एरणाकुलम ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, सालरी सरकिल, एरणाकुलम ।	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	ऊपर, खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, सालरी सरकिल, एरणाकुलम ।	---	---
आयकर सरकिल मट्टान्चेरी ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, मट्टान्चेरी ।	ऊपर, खाना 2 में वर्णित कार्य ।	---
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, मट्टान्चेरी ।	---	---
आयकर अधिकारी, वसूली, आयकर सरकिल, मट्टान्चेरी ।	---	ऊपर, खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर सरकिल, कोट्टयम ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, कोट्टयम ।	ऊपर, खाना 2 में वर्णित कार्य ।	---
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, कोट्टयम ।	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, कोट्टयम ।	---	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, कोट्टयम ।	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	---
आयकर अधिकारी, ई-वार्ड, कोट्टयम ।	---	---
आयकर सरकिल, आलप्पी ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, आलप्पी ।	ऊपर, खाना 2 में वर्णित कार्य ।	---
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, आलप्पी ।	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, आलप्पी ।	---	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर सरकिल, तिरुवल्ला ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, तिरुवल्ला ।	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, तिरुवल्ला ।	---	---

(1)	(2)	(3)
आयकर सरकिल, कोल्लम् ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, कोल्लम् ।	ऊपर, खाना 2 में वर्णित कार्य ।	---
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, कोल्लम् ।	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, कोल्लम् ।	---	ऊपर, खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर सरकिल, तिरुवनन्तपुरम् ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, तिरु- वनन्तपुरम् ।	ऊपर, खाना 2 में वर्णित कार्य ।	---
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, तिरु- वनन्तपुरम् ।	---	---
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, तिरु- वनन्तपुरम् ।	---	---
आयकर अधिकारी, वसुली, आयकर आयकर सरकिल, तिरुवनन्तपुरम् ।	---	ऊपर, खाना 3 में वर्णित कार्य ।
सालरी सरकिल, तिरुवनन्तपुरम् ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, सालरी, सरकिल, तिरुवनन्तपुरम् ।	ऊपर, खाना 2 में वर्णित कार्य ।	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, सालरी सरकिल, तिरुवनन्तपुरम् ।	ऊपर, खाना 2 में वर्णित कार्य ।	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।

एस० टी० तिरुमलाचारी,
धनकर आयुक्त
केरल, एरणाकुलम् ।

उपहार कर आयुक्त का कार्यालय
उपहार कर अधिनियम 1958 की धारा 7 के अधीन आदेश
(आदेश सं० 4/73-74)

सी० सं० 1(9) जी० एल०/73-74—इस कार्यालय में समय-समय पर सूचित पुरानी सूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए केरल का उपहार कर आयुक्त मैं, निदेश करता हूँ कि निम्नलिखित आयकर अधिकारी 1973 अगस्त, की पहली तारीख (पूर्वाह्न) से निम्नलिखित अनुसूची के खाना 2 या 3 (या दोनों) में बताये हुए कार्य का पालन करेंगे । उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, आय, आयश्रेणी, मामले या मामलों की श्रेणी आदि इस कार्यालय के अधिसूचना सी० सं० 1(9) (बी) जी० एल०/73-74 (आदेश सं० 1/73-74)—दिनांक 12 जुलाई, 1973 में दी गई है ।

कालम सं० 1	कालम सं० 2	कालम सं० 3
(1)	(2)	(3)
आयकर अधिकारी का पद नाम	अनुसूची के खाना 3 में वर्णित कार्य को छोड़कर उपहार कर अधिकारी के शेष सारे कार्य ।	1958 के उपहार कर अधिनियम के अध्याय 7 के अनुसार उपहार कर अधिकारी के सारे कार्य । इसमें 1958 के उपहार कर अधिनियम के अन्य अध्यायों की किसी धारा के अनुसार पारित आदेश के फलस्वरूप प्रदेश कर, सूद, शास्ति, जुर्माना या और किसी भी राशि के लिए उक्त अधिनियम, की धारा 31 के

(1)	(2)	(3)
अनुसार मांग की नोटिस देना भी इसके अन्तर्गत आता है ।		
आयकर मण्डल, कन्नूर ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, कन्नूर	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	—
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, कन्नूर	"	—
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, कन्नूर	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	—
आयकर अधिकारी, वसुली, आयकर सरकिल, कन्नूर ।	—	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर सरकिल, पालघाट ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, पालघाट	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य ।	—
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, पालघाट	"	—
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, पालघाट	—	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर सरकिल, ट्रिच्चूर ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, ट्रिच्चूर	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	—
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, ट्रिच्चूर	"	—
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, ट्रिच्चूर	"	—
आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, ट्रिच्चूर	—	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, ई-वार्ड, ट्रिच्चूर	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	—
आयकर सरकिल, आलुवाय् ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, आलुवाय्	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, आलुवाय्	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, आलुवाय्	"	"
आयकर सरकिल, एरणाकुलम ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, एरणाकुलम	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	—
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, एरणाकुलम	"	—
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, एरणाकुलम	—	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
कंपनीस सरकिल, एरणाकुलम ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, कंपनी सरकिल, एरणाकुलम	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, कंपनी सरकिल, एरणाकुलम	"	"
सेन्ट्रल सरकिल, एरणाकुलम ।		
आयकर अधिकारी, सेन्ट्रल सरकिल, एरणाकुलम	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
स्पेशल सरकिल, एरणाकुलम ।		
आयकर अधिकारी, स्पेशल सरकिल, एरणाकुलम	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
सालरी सरकिल, एरणाकुलम ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, सालरी सरकिल, एरणाकुलम	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, सालरी सरकिल, एरणाकुलम	"	"
आयकर सरकिल, मट्टान्चेरी ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, मट्टान्चेरी	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	—

(1)	(2)	(3)
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, मट्टान्चेरी आयकर अधिकारी, वसूली आयकर सरकिल, मट्टान्चेरी	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य —	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य "
आयकर सरकिल, कोट्टयम		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, कोट्टयम	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	—
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, कोट्टयम	"	—
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, कोट्टयम	—	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, कोट्टयम	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	—
आयकर अधिकारी, ई-वार्ड, कोट्टयम	"	—
आयकर सरकिल, आलप्पी ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, आलप्पी	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	—
आयकर अधिकारी, बी० वार्ड, आलप्पी ।	—	—
आयकर अधिकारी, सी० वार्ड, आलप्पी ।	—	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर सरकिल, तिरुवल्ला ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, तिरुवल्ला	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, तिरुवल्ला	"	—
आयकर सरकिल, कोल्लम ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, कोल्लम	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	—
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, कोल्लम	"	—
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, कोल्लम	—	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर सरकिल, तिरुवनन्तपुरम ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	—
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम	"	—
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम	"	—
आयकर अधिकारी, वसूली, आयकर सरकिल, तिरुवनन्तपुरम	—	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
सालरी सरकिल, तिरुवनन्तपुरम ।		
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, सालरी सरकिल, तिरुवनन्तपुरम	ऊपर खाना 2 में वर्णित कार्य	ऊपर खाना 3 में वर्णित कार्य ।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, सालरी सरकिल, तिरुवनन्तपुरम	"	"

एस० टी० तिरुमलाचारी,
उपहार कर आयुक्त
केरल, कोच्चिन-16

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124(2) के अधीन आदेश
(आदेश सं० 5/73-74)

कोच्चिन-682015, दिनांक 12 जुलाई, 1973

सी० सं० 1(9) (बी) जी० एल०/73-74—इस कार्यालय में समय-समय पर सूचित पुरानी सूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए केरल का आयकर आयुक्त, मैं, निर्देश करता हूँ कि निम्नलिखित आयकर अधिकारी, 1973 अगस्त, की पहली तारीख (पूर्वाह्न) से निम्नलिखित अनुसूची के खाना 2, 3 या 4 में बताये कार्य का निर्वाह करेंगे । कालिकट सरकिल, से संबंधित,

कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, व्यक्तियों की श्रेणी, आय, आय श्रेणी, मामले या मामलों की श्रेणी आदि पर इस कार्यालय की अधिसूचना सी० सं० 1(9) (वी) जी० एल०/73-74 (आदेश सं० 1/73-74), दिनांक 12-7-1973 में दी गई है।

अनुसूची

आयकर अधिकारी का नाम (1)	पालन करने के कार्य (2)	पालन करने के कार्य (3)	पालन करने के कार्य (4)
आयकर मण्डल, कालिकाट।			
1. आयकर अधिकारी, प्रशासन।	1. सामान्य प्रशासन। 2. धारा 140 (अ) (3) के अधीन शास्ति-आरोपण संबंधी आयकर अधिकारी के सारे कार्य और शास्ति आदेश के अनुसार अधिनियम की धारा 156 के अनुसार मांग का नोटिस देना।	---	---
2. आयकर अधिकारी, निर्धारण (कंपनियों का)	---	आयकर अधिकारी, संग्रहण, आयकर अधिकारी, संग्रहण, (अतिरिक्त) और आयकर अधि- कारी, प्रशासन के प्रदत्त कार्यों को छोड़कर आयकर अधिकारी के शेष सारे कार्य।	---
3. आयकर अधिकारी, निर्धारण।	---	आयकर अधिकारी, संग्रहण, आयकर अधिकारी, संग्रहण, (अतिरिक्त) और आयकर अधिकारी, प्रशासन के प्रदत्त कार्यों को छोड़कर आयकर अधिकारी के शेष सारे कार्य।	---
4. आयकर अधिकारी, निर्धारण-2	---	वही	---
5. आयकर अधिकारी, निर्धारण-3	---	वही	---
6. आयकर अधिकारी निर्धारण-4	---	वही	---
7. आयकर अधिकारी, निर्धारण-5	---	वही	---
8. आयकर अधिकारी, निर्धारण-6	---	वही	---
9. आयकर अधिकारी, संग्रहण।	---	---	1961 के आयकर अधिनियम के अध्याय 17 के अनुसार संग्रहण तथा कर वसूली से संबंधित सारे कार्य (खण्ड 194, 195 और 197 के अधीन कार्य को छोड़कर) 1961 के आयकर अधिनियम के अध्याय 17 के किसी धारा के अनुसार पारित आवेश के फल- स्वरूप प्रवेश कर, सूद, शास्ति,

(1)	(2)	(3)	(4)
			जुमाना या और किसी भी राशि के लिए उक्त अधिनियम, की धारा 156 के अनुसार मांग का नोटिस देना भी इसके अन्तर्गत आता है ।
10. आयकर अधिकारी, संग्रहण (अतिरिक्त)	—	—	1961 के आयकर अधिनियम के अध्याय 17 के अनुसार संग्रहण तथा कर वसूली से सम्बन्धित सारे कार्य (खण्ड 194, 195 और 197 के अधीन कार्य को छोड़कर) 1961 के आयकर अधिनियम के अध्याय 17 के किसी धारा के अनुसार पारित आदेश के फल-स्वरूप प्रदेय कर, सूद, शास्ति, जुमाना या और किसी भी राशि के लिए उक्त अधिनियम की धारा 156 के अनुसार मांग की नोटिस देना भी इसके अन्तर्गत आता है ।

एस० टी० तिरुमलाचारी
आयकर आयुक्त
केरल, कोचीन 16 ।

धनकर अधिनियम, 1957 की खण्ड 8 के अधीन आदेश

आदेश सं० 6/73-74

कोचीन-682016, दिनांक 12 जुलाई, 1973

(सी० सं० 19) (बी) जी० एल०/73-74—इस कार्यालय में समय-समय पर सूचित पुरानी सूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए केरल का धनकर आयुक्त मैं, निर्देश करता हूँ कि निम्नलिखित आयकर अधिकारी, 1973 अगस्त की पहली तारीख (पूर्वाह्न) से निम्नलिखित अनुसूची के कोलम् 2, 3 या 4 में बताये हुए कर्तव्यों का निर्वहण करेंगे । कालिकट सरकिल से संबंधित, कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, व्यक्तियों की श्रेणी, आय, आय श्रेणी, मामले या मामलों की श्रेणी आदि पर इस कार्यालय की अधिसूचना सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/73-74 (आदेश सं० 1/73-74), दिनांक 12 जुलाई, 1973 में दी गई है ।

अनुसूची

कोलम सं० 1	कोलम सं० 2	कोलम सं० 3	कोलम सं० 4
आयकर अधिकारी का पद नाम	पालन करने के कार्य	पालन करने के कार्य	पालन करने के कार्य
आयकर मण्डल, कालीकट ।			
1. आयकर अधिकारी, प्रशासन ।	1. सामान्य प्रशासन । 2. धनकर अधिनियम के खण्ड 15(बी०) (3) के अधीन शास्ति आरोपण संबंधी धनकर अधिकारी के सारे कार्य और शास्ति आदेश के अनुसार अधिनियम की धारा 30 के अनुसार मांग की नोटिस देना ।	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
2. आयकर अधिकारी, निर्धारण (कंपनियों का)	—	आयकर अधिकारी, संग्रहण, आयकर अधिकारी संग्रहण, (अतिरिक्त) और आयकर अधिकारी, प्रशासन के प्रदत्त कार्यों को छोड़कर, धनकर अधिकारी के शेष सारे कार्य । पारित आदेश के अनुसार कर आदि संबंध में किसी भी राशि के लिए धनकर अधिनियम की धारा 30 के अनुसार मांग की नोटिस देना भी इसके अन्तर्गत आता है ।	—
3. आयकर अधिकारी, निर्धारण-1.	—	वही	—
4. आयकर अधिकारी, निर्धारण-2.	—	वही	—
5. आयकर अधिकारी, निर्धारण-3.	—	वही	—
6. आयकर अधिकारी, निर्धारण-4.	—	वही	—
7. आयकर अधिकारी, निर्धारण-5.	—	वही	—
8. आयकर अधिकारी, निर्धारण-6.	—	वही	—
9. आयकर अधिकारी, संग्रहण ।	—	—	धनकर अधिनियम 1957 के अध्याय 7 के अधीन, धनकर अधिकारी के सारे कार्य ।
10. आयकर अधिकारी, संग्रहण (अतिरिक्त) ।	—	—	वही

एस० टी० तिरुमलाचारी,
धनकर आयुक्त,
कोच्चिन 16-केरल

उपहार कर अधिनियम, 1958 की धारा 7 के अधीन आदेश

केरल, पी० बी० सं० 1758

आदेश सं० 7/73-74

कोच्चिन-682016, दिनांक 12 जुलाई, 1973

सी० सं० 1 (9) (बी) जी० एल०/73-74—इस कार्यालय में समय-समय पर सूचित पुरानी सूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए केरल का उपहार कर आयुक्त मैं, निर्देश करता हूँ कि निम्नलिखित आयकर अधिकारी, 1973 अगस्त, की पहली तारीख (पूर्वाह्न) से निम्नलिखित अनुसूची के कोलम 2, 3 या 4 में बताये हुए कर्तव्यों का पालन करेंगे । कालिकट, सरकिल से संबंधित उनके

कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, व्यक्तियों, की श्रेणी, आय, आय की श्रेणी, मामले या मामलों की श्रेणी आदि पर इस कार्यालय की अधिक सूचना सी० सं० 1(9) (बी) जी० एल०/73-74 (आदेश सं० 1/73-74), दिनांक 12 जुलाई, 1973 में दी गई है।

आयकर अधिकारी का पदनाम	पालन करने का कार्य	पालन करने के कार्य	पालन करने के कार्य
(1)	(2)	(3)	(4)
आयकर मण्डल, कालिकाट :			
1. आयकर अधिकारी, प्रशासन।	सामान्य प्रशासन	---	---
2. आयकर अधिकारी, निर्धारण (कंपनिमें का)	---	आयकर अधिकारी संग्रहण और आयकर अधिकारी संग्रहण (अतिरिक्त) के प्रदत्त कार्यों को छोड़कर उपहार कर अधिकारी के शेष सारे कार्य। पारित आदेश के अनुसार कर आदि के संबंध में किसी भी राशि के लिए उपहार कर अधिनियम, 1958 की धारा 31 के अनुसार मांग की नोटिस देना भी इसके अन्तर्गत आता है।	---
3. आयकर अधिकारी, निर्धारण-1	---	वही	---
4. आयकर अधिकारी, निर्धारण-2	---	आयकर अधिकारी संग्रहण और आयकर अधिकारी संग्रहण (अतिरिक्त) के प्रदत्त कार्यों को छोड़कर उपहार कर अधिकारी के शेष सारे कार्य। पारित आदेश के अनुसार कर आदि के संबंध में किसी भी राशि के लिए उपहार कर अधिनियम 1958 की धारा 31 के अनुसार मांग की नोटिस देना भी इसके अन्तर्गत आता है।	---
5. आयकर अधिकारी, निर्धारण-3.	---	वही	---
6. आयकर अधिकारी, निर्धारण-4.	---	वही	---
7. आयकर अधिकारी, निर्धारण-5.	---	वही	---
8. आयकर अधिकारी, निर्धारण-6.	---	वही	---
9. आयकर अधिकारी, संग्रहण।	---	---	उपहार कर अधिनियम 1958 के अध्याय 7 के अनुसार उपहार कर अधिकारी के सारे कार्य।
10. आयकर अधिकारी, संग्रहण अतिरिक्त)।	---	---	वही

(एस० टी० सिंहमलाचारी)

उपहार कर आयुक्त, कोरल, कोचीन-16

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 के अधीन आदेश

आदेश सं० 8/73-74

कोच्चीन-16, दिनांक 12 जुलाई, 1973

सी० सं० 1 (9) (बी) जी० एल०/73-74—आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 (2) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल का आयकर आयुक्त, मैं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), कालिकट, ट्रिचूर, एरणाकुलम और त्रिवेन्द्रम्, को अपने संबंध मण्डलों पर काम करने वाले आयकर अधिकारियों को पालन करने के कृतव्यों की विभाजन संबंधी सामान्य या विशेष आदेश निकालने का अधिकार देता हूँ।

2. यह आदेश पहली अगस्त, 1973 के पूर्वार्द्ध से प्रवृत्त होगी।

आदेश सं० 9/73-74

आयकर

सी० सं० 1 (9) (बी) जी० एल०/73-74—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 124 वीं धारा की उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त मैं, निर्देश करता हूँ कि निम्नलिखित आयकर अधिकारी, विदेश विभाग, एरणाकुलम/त्रिवेन्द्रम्, के आयकर अधिकारी भी माने जायेंगे। उन्हें सामान्यतः अन्य क्षेत्राधिकार के अलावा विशेष निर्दिष्ट क्षेत्राधिकार भी रहेगा।

आयकर अधिकारी का पद नाम	के नाम से ज्ञात होगा	क्षेत्राधिकार
(1)	(2)	(3)
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, एरणाकुलम	आयकर अधिकारी, विदेश विभाग, एरणाकुलम	जो लोग भारत के अधिवासी नहीं हैं और इसके पूर्व भारत में कहीं भी निर्धारिती नहीं हुए हैं और आयकर अधिनियम 1961 की 230 वीं धारा की उपधारा (1) के अनुसार प्रमाण पत्र के लिए आयकर अधिकारी, विदेश विभाग, एरणाकुलम को प्रार्थना पत्र भेजते हैं।
आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, त्रिवेन्द्रम्	आयकर अधिकारी, विदेश विभाग, त्रिवेन्द्रम्।	जो लोग भारत के अधिवासी नहीं हैं और इसके पूर्व भारत में कहीं भी निर्धारिती नहीं हुए हैं और आयकर अधिनियम, 1961 की 230 वीं धारा की उपधारा (1) के अनुसार प्रमाण पत्र के लिए, आयकर अधिकारी, विदेश विभाग, त्रिवेन्द्रम् को प्रार्थना पत्र भेजते हैं।

2. यह अधिसूचना 1973 अगस्त की पहली तारीख के पूर्वार्द्ध से लागू होगी।

एस० टी० तिरुमलाचारी
आयकर आयुक्त
केरल कोचीन-16

आयकर आयुक्त का कार्यालय, केरल

भारत सरकार

पी० बी० सं० 1758, एरणाकुलम स्रोत

कोच्चीन-682016, दिनांक 28 जुलाई 1973

शुद्धि-पत्र

सी० सं० 1(9)(बी०)जी० एल०/73-74—इस कार्यालय (आयकर) की अधिसूचना सी० सं० 1(9)(बी०)जी० एल०/73-74, (आदेश सं० 1/73-74), दिनांक 12 जुलाई, 1973, में निम्नलिखित संशोधन करती हैं :—

(1) उपर्युक्त अधिसूचना के क्रमांक 5(आलुवाय्) के पद संख्या 1(2) के कोलम् सं० 4 के नीचे विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी :—

फेरटिलेसर्स एन्ट केमिकल्स् ट्रावन्कोर लिमिटेड, उद्योग मण्डल, ट्रावन्कोर कोच्चीन केमिकल्स लिमिटेड, आलुवाय् और ट्रावन्कोर रेयोन्स् लिमिटेड, रयोनपुरम, पेरुम्बावूर के कर्मचारियों के सभी मामले ।

(2) उपर्युक्त अधिसूचना के क्रमांक 6(एरणाकुलम्), पदसंख्या 8 और 9 के सामने कोलम् 4 के नीचे विद्यमान निम्नलिखित प्रविष्टियां निकाल दी जायेंगी :—

“1961 के आयकर अधिनियम की धारा 124, 126 या 127 के अधीन आयकर सरकिल, आलुवाय् एरणाकुलम और मट्टान्चरी के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र से संबंध होने का विशेष उल्लेख जिनके विशेष में किया गया है उनको छोड़कर शेष सभी वेतन भोगी (महालेखाकार, केरल, के लेखा परीक्षा नियंत्रण के अधीन केन्द्रीय तथा राज्य सरकार के कर्मचारियों को छोड़ कर)

और निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जायेंगी :—

“1961 के आयकर अधिनियम की धारा 124, 126 या 127 के अधीन आयकर सरकिल, आलुवाय्, एरणाकुलम्, और आयकर सरकिल मट्टान्चरी, के क्षेत्राधिकार के अधीन वेल्सिंगटन आईलान्ड, के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर

अधिकारी के क्षेत्र से संबंध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है उनको छोड़कर शेष सभी वेतन भोगी ।”

(3) उपर्युक्त अधिसूचना के क्रमांक 7 (मट्टान्चरी) के कोलम् सं० 4 के नीचे विद्यमान प्रविष्टियों के बदले निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जायेंगी :—

(1) 1961 के आयकर अधिनियम की धारा 124, 126 या 127 की धारा के अधीन, कोच्चीन महानिगम के मट्टान्चरी प्रदेश, वेल्सिंगटन आईलान्ड और चेल्लानम पंचायत के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी के क्षेत्र से संबंध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है, उनको छोड़कर शेष सभी निर्धारित ।

(2) महालेखाकार, केरल, त्रिवेन्द्रम, के लेखा-परीक्षा नियंत्रण के अधीन केन्द्रीय तथा राज्य सरकार के कर्मचारियों और अन्य आयकर अधिकारी से संबंध होने का विशेष उल्लेख जिनके विषय में किया गया है उनको छोड़कर, कोच्चीन महानिगम के मट्टान्चरी प्रदेश तथा चेल्लानम पंचायत के अधीन काम करने या रहने वाले और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 192 के अनुसार कटौती करने योग्य सभी वेतन भोगी ।

(3) 1961 के आयकर अधिनियम, 124, 126 और 127 की धारा के अधीन सभी मामले जो विशेष उल्लेख किया गया है ।

(4) उपर्युक्त अधिसूचना में 'धारा 2(22)(ई०)' के स्थान पर 'धारा 2(32)' पढ़ा जाएगा ।

एस० टी० तिरुमलाचारी, आयकर

आयुक्त, केरल, कोच्चीन-16

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II

कलकत्ता, दिनांक 27 अगस्त 1973

निर्देश सं० ए० सी०-25/आर० II/कैल०/73-74—यतः, मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 15-सी० है, जो राजा संतोष रोड, अलीपुर कलकत्ता-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ ऐस्थोरेन्सेज नं० 5 गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स हरीशंकर वीरा प्रापर्टिज (प्रा०) लि०

धनबाद, बिहार ।

(अन्तरक)

2-(i) श्रीमती उत्तरा घोष

(ii) श्री इन्द्रानिल घोष

(अन्तरिती)

3. मेसर्स बार्ड० एंड कं० लि०

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नं० 15-सी० राजा संतोष रोड, अलीपुर, कलकत्ता-27 जिसमें दो मंजिला मकान इत्यादि हैं और जिसके जमीन का क्षेत्रफल 1 बीघा 2 कट्ठा 2 छटाक 10 वर्ग फीट है ।

एम० एन० तिवारी,

सहायक आयकर आयुक्त,

(निरीक्षण) अर्जन रेंज-II,

तारीख : 27-8-73

मोहर :

पी० 13, चौरंगी स्थावर, कलकत्ता

प्रलप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 अगस्त 1973

निर्देश सं० ए० सी०-26/आर०-II/कैल०/73-74—यतः,
मुझे, एम० एन० तिवारी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7
है, जो अशोक रोड, अलीपुर, कलकत्ता-27 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ ऐश्वोरेन्सेज नं० 5, गवर्न-
मेन्ट प्लेस, नार्थ एवेन्यू, कलकत्ता-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-73 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) श्री शिव प्रसाद बगडिया अविभक्त हिन्दू परिवार
के कर्ता

(ii) श्री संजय कुमार बगडिया (अन्तरक)

2. श्रीमती रात्रि देवी बगडिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 7 अशोक रोड अलीपुर कलकत्ता 27 (जिसमें इमारत
के अलावे 1 बीघा 10 कट्ठा 14 छटाक 15 वर्ग फीट जमीन है)
का अविभक्त अर्द्ध भाग।

एम० एन० तिवारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, पी० 13, चौरंगी स्ववायर

तारीख: 27-8-73

मोहर :

कलकत्ता

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

कानपुर, दिनांक 29 अगस्त 1973

निर्देश सं० 35(आगरा)/एक्यू०/73-74-यतः, मुझे बाई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा सूची में है जो गांव बसई परगना और जि० आगरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-8-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रबी कुमार मेहरा 20/80, शक्ती नगर, दिल्ली
(अन्तरक)

2. गेसम नार्दन इण्डिया होटल लि० आगरा द्वारा (अन्तरिती)
श्री डी० सी० चोपड़ा लैसन आफिसर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि गांव बसई परगना और जिला आगरा में स्थित है।

बाई० खोखर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 29-8-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 29 अगस्त 1973/1-9-1973

निर्देश सं० 37 (आगरा) 73-74 (अर्जन)/1137-यतः, मुझे, बाई खोखर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा सूची में है जो गांव बसई परगना और जि० आगरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
236GI/73—5

(1) श्री मदनलाल मेहरा 20/80, शक्ति नगर, दिल्ली (अन्तरक)

(2) मेसर्स नार्दन इंडिया होटल लि० आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि गांव बसई परगना और जिला आगरा में स्थित है।

बाई० खोखर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 29-8-73
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 24 अगस्त, 1973

निर्देश सं० एफ० नं० 30 (अर्जन)/73-74/1193—यतः, मुझे, बाई० खोखर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूची में दी है जो रकबा सोना अर्जुनपुर प० रामपुर जिला सहारनपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवबन्द में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री माम चन्द उर्फ धर्मवीर सिंह पुत्र चौ० जीवन सिंह निवासी साठौली दुनिचन्दपुर प० रामपुर (अन्तरक)

(2) श्री आदर्श गुड खंडसारी उद्योग बज्रये मैनेजर व आकोपायर

श्री नरेश कुमार पुत्र ला० एम० लाल निवासी बस्बा घरथावल परगना खास जिला मुजफ्फरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि और मकान बाक्या ग्राम रकबा सोना अर्जुनपुर प० रामपुर जिला सहारनपुर।

बाई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

तारीख 24-8-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय,

हैदराबाद, दिनांक 30 अगस्त 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 57/73-74—यतः मुझे
एस० बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-4-852
है, जो बरकतपुरा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 24-3-73 की पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर के
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मुजाता बाई धर्मपत्नी डाक्टर एम अन्ना रेड्डी
3, मोनटिएटा रोड, इगमोर, मद्रास—8

(1) डाक्टर गड्डामिडि गनपत गौड । (अन्तरक)

(2) श्रीमती जी सरोजनी गौड, सर्जरी, ओल्ड ग्रे स्टोन
नई ब्रिज एम० ओ० एन० यू० के०
डायरेक्टर आफ हैंड लूमस तथा टेकस्टाइल्स,
3-8-852 बरकतपुरा, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो
तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

जायदाद :—म० नं० 3-4-852, बरकतपुरा, हैदराबाद ।

एस० बालसुब्रमन्यम्
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-8-73
मोहर :

प्ररूप आई टी० एन० एस०

2 मेसर्स नर्दन इण्डिया होटल लि० आगरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(अन्तरिती)

की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज, कानपुर ।

कानपुर, दिनांक 29 अगस्त, 1973

निर्देश सं० 36(आगरा) (अर्जन)/73-74—यतः, मुझे वाई० खोखर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा सूची में है जो गांव बसई परगना और जिला आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री हीरा लाल मेहरा, 20/80, शक्ती नगर दिल्ली ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि गांव बसई, परगना और जिला आगरा में स्थित है ।

वाई० खोखर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

तारीख : 29-8-73

अर्जन रेंज कानपुर

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 अगस्त 1973

सं० आर० ए० सी० नं० 59/73-74—यतः, मुझे एस० बाल सुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10-5-31 है, जो मासब तालाब हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सोहबजादा नवाब हसनजाह बहादुर सुपुत्र स्वर्गीय आला हजरत हैदराबाद के निजाम 10-5-31, मासब तालाब, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती मुख्तार बेगम सुपुत्री स्व० अहमद अली खान, 10-5-31, मासब तालाब, हैदराबाद। (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभेग में सम्पत्ति है)।

4. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद :—10-5-31, मासब तालाब, हैदराबाद।

दिनांक : 1-9-1973

मोहर

एस० बाल सुब्रमन्यम्,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

चन्डीगढ़, दिनांक 30 अगस्त 1973

सं० ए० एस० आर०/73-74/ए० पी०-159/1183—
यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3421 मार्च 1973 में लिखा है। जो जी० टी० रोड़, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरतियों (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तरिन्द्र सिंह सुपुत्र महिन्द्र सिंह, बम्बई, द्वारा श्री जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री हुक्म सिंह, अटार्नी 2, जी० टी० रोड़, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री शाम सिंह सुपुत्र श्री गुरदीप सिंह बहादुर नगढ़, सुलतान विंड रोड़, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनकी अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3421 मार्च 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी

दिनांक : 30-8-73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेंज अमृतसर

रूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

कैम्प चन्डीगढ़, दिनांक 30 अगस्त 1973

सं० ए० एस० आर०/73-74/ए० पी०-160/1184—

यतः, मुद्दे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एक कोठी, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3284 मार्च 1973 में लिखा है, जो सरकुलर रोड़, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती ईश्वर देवी वाधवा पत्नी श्री दीना नाथ वधावा द्वारा श्री कैलाश नाथ वधावा तथा दीना नाथ वधावा, 4, सरकुलर रोड़, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री महावीर प्रसाद, सन्तोष कुमार तथा शिव कुमार 4, सरकुलर रोड़, अमृतसर। (अन्तरिति)

3. श्री जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवन् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी 4, सरकुलर रोड़ अमृतसर पर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3284 मार्च 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

दिनांक : 30-8-1973 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर : अर्जन रेंज अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

कैप चन्डीगढ़, दिनांक 30 अगस्त 1973

निदेश सं० ए० एस० आर०/73-74/ए०पी०-161/-
1185—यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं०
प्लॉट नं० 236 ईस्ट मोहन नगर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 24/1 मार्च 1973 में लिखा है, जो ईस्ट मोहन नगर,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कैलाश रानी पत्नी पन्ना लाल (अन्तरक)

चौक लछमण-सर,
अमृतसर।

(2) श्रीमती परमेश्वरी देवी विधवा

राम लाल, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति, के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में याथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 236 ईस्ट मोहन नगर अमृतसर में, जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 24/1 मार्च, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर
के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 30-8-1973

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर :

अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय,

कैप चन्डीगढ़।

दिनांक 30 अगस्त, 1973

निदेश सं० ए०एस०आर०/73-74/ए० पी० 162/1186—यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जमीन का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3255 मार्च, 1973 को लिखा गया है, जो शाम नगर, लारनस रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती बिमला पत्नी श्री बाबू राय,
भाईयां वाला, शिवाला रोड, (अन्तरक)
अमृतसर।

6—236GI/73

- (2) श्री शतीस कुमार भला सपुत्र श्री
चमन लाल, सुभाष निवास,
छहरटा अमृतसर (अन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है)

- (4) कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का प्लॉट जिसका नं० 64, लारनस रोड, शामनगर अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3255, मार्च 1973 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा गया।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 30-8-1973

अर्जन रेंज, अमृतसर।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कार्यालय अमृतसर
कैप चण्डीगढ़

दिनांक 30 अगस्त 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जे० यू० एल/73-74/ए० पी०
171/1195—यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० मकान नं० 15, दादा नगर, मिठापुर रोड़ जालन्धर जैसा
कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9050, मार्च 1973 में लिखा है। जो
15, दादा नगर, मिठापुर, रोड़ जालन्धर में स्थित है (और इससे
उपास्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च 1973 को पुर्वाचित
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुचित सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं।

अतः अब, धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः —

(1) श्री मुख्तान सिंह सपुत्र श्री उत्तम सिंह एन० ए० 415
संतोखपुरा, जालन्धर। (अन्तरक)

(2) राजकुमारी काम्बोज पत्नी श्री हंस राज 15 दादा
नगर, मिठापुर रोड़ जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। वह
व्यक्ति, जिसके अभियोग में अधोहस्ताक्षरी
जानता हो)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी० बी० नं० एच० 234 अब 15 दादा नगर,
मिठापुर रोड़, जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9050
मार्च 1973 को सब रजिस्ट्रार जालन्धर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 30-8-73

मोहर :

प्रहूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर

कैप चन्डीगढ़,।

अमृतसर दिनांक 30-8-73

निर्देश सं० ए० एस० आर०/73-74/ए० पी०-163/1187
—यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट की जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3619 मार्च 1973 है, जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1973 को पुराचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- (1) श्री बसन्त कुमार सुपुत्र श्री काहन चन्द (अन्तरक)
कटरा भाई सन्त सिंह अमृतसर
- (2) श्रीमती प्रेम शाम पत्नी डाक्टर राधे श्याम और नवीन कुमार, (अन्तरिती)
30 दी माल अमृतसर।

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति सम्पत्ति में (वह व्यक्ति, रुचि रखता हो। जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट की जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3619 मार्च, 1973 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 30-8-73
मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज (अमृतसर)

कैम्प बंडीगढ़, दिनांक 30 अगस्त 1973

निदेश सं० ए० एस० आर०/73-74/ए०पी०-165/1189-यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3447, मार्च 1973 में लिखा गया है, जो महावीर गली पुतलीधर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1973 को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विशवा नाथ सुपुत्र श्री शाम दास कटराबाग सिंह, खूह सुनहरा, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र कुमार, विनोद कुमार, परमेश्वर कुमार सुपुत्र श्री दीवान चन्व, लारनस रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन की जगह जो महावीर गली पुतलीधर, अमृतसर पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3447 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर मार्च 1973 में हितबद्ध है।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 30-8-73

मोहर:

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज का कार्यालय
अमृतसर

कैम्प चंडीगढ़, दिनांक 30 अगस्त 1973

निदेश सं० ए० एस० आर०/73-74/ए० पी०-166/1190-यतः, मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3460 मार्च 1973 में लिखा है, जो बाजार राम बाग, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर। मैं भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरचरन सिंह एण्ड सन्ज, एच० यू० एफ०, हाईड मार्कीट, जी० टी० रोड, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती रोमिला बग्गा सुपुत्री श्री गुरचरन सिंह, 9 रैस कोर्स रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में अधोहस्ताक्षरी
जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्ती नं० 1282-83/I-13 बाजार राम बाग अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3460 मार्च 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी

ताखरी : 30-8-1973 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्ररूप आई०टी०एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन कार्यालय रेंज,
अमृतसर

कैंप चण्डीगढ़, दिनांक 30 अगस्त 1973

निर्देश सं० ए०एस०आर०/73-74/ए०पी०-167/1191—
यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3618 मार्च 1973 में लिखा है, जो अमृतसर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1973 को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर को) और अन्तरिती अन्तरितियों के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री काहन चन्द सपुत्र रूप चन्द कटड़ा चढ़त सिंह, अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम शाम पत्नी डा० राधे शाम, श्री नवीन कुमार सपुत्र श्री राम प्रकाश, दुनीचन्द रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3618 मार्च 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 30-8-1973 तहयक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्ररूप आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन
रेंज, अमृतसर कैंप चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 30 अगस्त 1973

निर्देश सं०ए०एस०आर०/—73-74/ए०पी०-168/1193-
यतः मुझे जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०
1/2 भाग कोठी रेस कोर्स रोड अमृतसर पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 3258 मार्च, 1973 में लिखा है, जो रेस कोर्स रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन मार्च, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तेजवन्त सिंह सुपुत्र श्री आया सिंह 15 दी माल,
शिमला । (अन्तरक)

(2) श्री जगतार सिंह सुपुत्र श्री गुरचरन सिंह, रेस कोर्स
रोड, अमृतसर । (अन्तरिती)

(3) जगतार सिंह सुपुत्र श्री गुरचरन सिंह, रेस कोर्स रोड,
अमृतसर (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्द है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 भाग कोठी, रेस कोर्स रोड अमृतसर पर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 3258 मार्च 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर के कार्यालय में लिखा है ।

तारीख : 30-8-1973

मोहर :

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय अर्जन रेंज,
अमृतसर कैप चंडीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 30 अगस्त, 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/73-74/ए० पी-169/1174—

यतः मुझे जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 35-36/I-1 का आधा भाग हाल बाजार में जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3259 मार्च 1973 में लिखा है, जो हाल बाजार अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तेजवन्त सिंह सुपुत्र श्री आया सिंह 15, दी माल अमृतसर (अन्तरिक)

(2) सं० जगतार सिंह सुपुत्र श्री गुरचरण सिंह, रेस कोर्स रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) सं० जगतार सिंह सुपुत्र गुरचरण सिंह, रेस कोर्स रोड, अमृतसर (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 35-36/I-1 का आधा भाग, हाल बाजार में, जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3259, मार्च 1973 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर ।

तारीख : 30-8-73

मोहर :

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

कैम्प चण्डीगढ़

दिनांक 30 अगस्त 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जियूएल०/73-74/ए० पी०-
170/1194—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०
कोठी नं० 455-आर, माडल टाऊन, जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 9688 मार्च 1973 में लिखा है, जो माडल टाऊन,
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 19 मार्च 1973 को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर
बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही
शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
236 GI/73-7

(1) श्रीमती चम्पावती चड्ढा विधवा श्री सूरज प्रकाश
चड्ढा सपुत्र श्री सुखदयाल चड्ढा 145, 8 मरला कालोनी,
रामनगर सोनीपत (अन्तरक)

(2) (i) श्रीमती सुदेश चड्ढा विधवा किशन गोपाल चड्ढा
सपुत्र रूप लाल चड्ढा, 455-आर, माडल टाऊन,
जालन्धर और (ii) श्रीमती ऊषा खन्ना पत्नी श्री
मनोहर लाल, डब्ल्यू-आर-96, बस्ती शेख, जालन्धर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकारी होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 455-आर, माडल टाऊन, जालन्धर जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9688 मार्च 1973 को सब-रजिस्ट्रार,
जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30-8-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना]

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर कैप चन्डीगढ़,

दिनांक 30 अगस्त 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/73-74/ए०पी०-164/1188
—यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3589 मार्च, 1973 में लिखा है, जो 27, लारेन्स रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिये सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री हरचरन सिंह सपुत्र श्री मधर सिंह
बासी रोड मोहल्ला, तरनतारन । (अन्तरक)

(2) श्री हरचरन सिंह सपुत्र सौदागर सिंह (अन्तरिती)
27, लारेन्स रोड, अमृतसर ।]

(3) जैसा कि नम्बर 2 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और इसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति 27, लारेन्स रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3589 मार्च, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है ।

जी० पी० सिंह
समक्ष प्राधिकारी

तारीख : 30-8-73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेंज, अमृतसर ।

प्रहस्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर का
कार्यालय, कैंप चंडीगढ़

दिनांक 30 अगस्त 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जे० यू० एल/73-74/ए० पी-
172/1196—यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० प्लॉट नं० 245 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
9355 मार्च 1973 में लिखा है, जो लाजपत नगर, जालन्धर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19 मार्च 1973 को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने
के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पुर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं ।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री संतोख सिंह सपुत्र श्री नरंजन सिंह सपुत्र श्री गोपाल
सिंह, गांव सिधवां खुरद, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा रानी पत्नी श्री के० डी० शर्मा सपुत्र
श्री मुकन्द लाल शर्मा मैनेजर पंजाब नेशनल बैंक, 362, आदर्श
नगर, जालन्धर ।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पुर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 245 लाजपतनगर जालन्धर में, जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 9355 मार्च 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर के कार्यालय में लिखा है ।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, अमृतसर ।

तारीख : 30-8-73
मोहर :

प्रस्थ आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर का
कार्यालय, कैप चंडीगढ़

दिनांक 30 अगस्त 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर/जे० यू० एल/73-74/ए० पी-173/1197—यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 494 ग्रीन पार्क कालोनी, गरा रोड़, जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9563 मार्च 1973 है, जो ग्रीन पार्क कालोनी, गरा रोड़, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ए० से अन्तरण के लिए प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) तुलसी दास सपुत्र श्री भजुमल ऊर्क पंजु लाल सपुत्र

श्री लाल चंद, 496 ग्रीन पार्क कालोनी, गरा रोड़, जालन्धर।

(अन्तरक) #

(2) श्री रंजीत सरण शर्मा सपुत्र श्री पंडित मेग राज सपुत्र श्री गिरधारी लाल तहसील और पोस्ट आफिस अलावलपुर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत बक किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 494, ग्रीन पार्क कालोनी, गरा रोड़, जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9563 मार्च 1973 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 30-8-73

मोहर :

प्रत्यु आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर
का कार्यालय, कैप चंडीगढ़

दिनांक, 30 अगस्त 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जे० यू० एल/73-74/ए० पी-
174/1198—यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० प्लॉट नं० 268 लाजपत नगर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 9440 मार्च 1973 में लिखा है, जो लाजपत नगर,
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नसीब कौर पत्नी श्री अमर सिंह सपुत्र श्री

धान सिंह, लाजपत नगर, जालन्धर और श्रीमती प्रतीम कौर
पत्नी श्री इंंदर सिंह, लाजपत नगर जालन्धर। (अन्तरक)

(2) महेन्द्र पाल सिंह सपुत्र श्री इंंदर सिंह 268, लाजपत
नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्तकारी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत बक किये
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 268 लाजपत नगर जालन्धर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 9440 मार्च 1973 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर।

जी० पी० सिंह,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर।)

तारीख : 30-8-73

मोहर :

प्रथम आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर
कार्यालय, कैप चंडीगढ़।

दिनांक 30 अगस्त 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर/जे० यू० एल/73-74/ए० पी०-175/1199—यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 135 मार्च 1973 में लिखा है, जो ओकटेजन लाज, छोटा शिमला-2 में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिमला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1973 को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण अन्तरण के लिए प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पुर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मंगत राम सूद कर्ता म० 2 स्टोरज, 70-जी ब्लाक कनाट सर्कस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) मैसर्स चरणा दास मदन लाल, प्रापर्टी डीलर्स 19, दी भाल, शिमला (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत तब किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट 2833 वर्गगज ओपटेजन लाज, छोटा शिमला-2 पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 135 मार्च 1973 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 30-8-73

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया जाय।)

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर
का कार्यालय कैप चंडीगढ़

दिनांक 1 सितम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर/जे० यू० एल/73-74/ए० पो-
176/1200—यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०
प्लॉट है, जो 81.6 एकड़ स्कीम डेवलपमेंट ट्रस्ट
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मार्च को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जगजीत सिंह वकील पुत्र श्री नागीना सिंह सिबल
लाईन, जालन्धर। (अन्तरक)

(1) श्री बलवंत सिंह पुत्र श्री रतन सिंह लोकोमोटिव
ड्राइवर महिला बहादुरपुर, शंकर रोड, नकोदर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति
में सम्पर्क रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे
जानता है कि मैं अधोहस्ताक्षरी
वह सम्पत्ति में हितवर्त है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्त किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत बक किए जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट जो 81.6 एकड़ डेवलपमेंट स्कीम इम्पलूमेंट ट्रस्ट,
जालन्धर जो रजिस्टर्ड डीज नं० 9035 है मार्च 1973 को सब
रजिस्ट्रार जालन्धर ने की।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 1-9-73

मोहर:]

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण कार्यालय

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 सितम्बर 1973.

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जुलाई/73-74/ए० पी०-177/1201—यतः, मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 45 और 46 रजिस्ट्रार डीड नं० 8904 है जो कमल पार्क निकट अमन पार्क जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मार्च को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री शाम कुमार पुत्र श्री सत पाल मुख्तियारेआम श्री विशन दास पुत्र श्री अमर चन्द अड्डा होशियर पुर जालन्धर। (अन्तरक)

(2) श्री राम लाल पुत्र श्री लामू राम जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति से सम्पर्क रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करती हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 45 और 46 कमल पार्क निकट अमन पार्क टांडा रोड़ जालन्धर जिस का रजिस्ट्रार डीड नं० 8904 मार्च 1973 में तहसीलदार जालन्धर ने किया।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक : 1-9-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

घ(1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण कार्यालय

अर्जन रेंज अमृतसर

कैप चण्डीगढ़, दिनांक 1 सितम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/के०एन०एल०/73-74/ए० पी० 178/1202—यतः, मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 115-सी० है, जो जी० टी० रोड करनाल में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मार्च को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री क० राम प्यारा भूतपूर्व एम० एल० ए० माडल टाउन करनाल।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरसरन दास पुत्र श्री तीर्थ राम माडल टाउन करनाल।

8—236 GI/73

श्री शाम सुन्दर पुत्र श्री आसा राम करनाल, श्रीमती भागवन्ती पत्नी श्री विशन दास करनाल श्रीमती राम प्यारा पत्नी श्री आसा नन्द करनाल C/O मै० बम्बे डाईन जी० टी० रोड करनाल।

(अन्तरिती)

(3)

जैसे के 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4)

सम्पर्क रखता हो।

कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति से (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 145-सी० जी० टी० रोड, करनाल जिसका रजिस्ट्ररडीड नं० 4848 है जो मार्च 1973 को तहसीलदार करनाल ने किया।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर।

दिनांक : 1-9-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269

घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
कार्यालय अमृतसर

कैप चण्डीगढ़, दिनांक 3 सितम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/73-74/ए०पी-179/1203—
यतः, मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० 3450, मार्च 1973 में लिखा है, जो आर० बी० प्रकाश चन्द रोड़, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1973 को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महिन्द्र चन्द, नरिन्द्र चन्द सुपुत्र रायसाहब लाभ चन्द, श्री प्रकाश चन्द, लाल चन्द, खुशाल चन्द वासी र० बी० प्रकाश चंद रोड़ अमृतसर। (अन्तरक)

(2) मैसर्स सजदेह एण्ड कम्पनी, अमृतसर छावनी मार्फत श्री विनोद कुमार कथूरिया।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट रायबहादुर प्रकाश चन्द रोड़, अमृतसर पर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3450 मार्च 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

तारीख : 3-9-1973

मोहर :

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कार्यालय अमृतसर

कैप चण्डीगढ़, दिनांक 3 सितम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/73-74/ए०पी०-180/1204
—यतः, मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5 दुकानें, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 26 मार्च, 1973 में लिखा है जो जी० टी० रोड़, अमृतसर में स्थित है और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1973 को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, या छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती राज करणी आहुजा पत्नी श्री मदन लाल आहुजा मार्फत श्री काहन चन्द, कृष्ण गली, नमक मण्डी, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री आनन्द पाल सिंह सपुत्र श्री बकशीश सिंह राम तीर्थ रोड़, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) सम्पत्ति के सब किराएदारान।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 दुकानें नम्बर 1745 से 1749, जी० टी० रोड़, अमृतसर पर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 26, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 3-9-1973
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कार्यालय,
अमृतसर, कैम्प चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 सितम्बर 1973

निर्देश सं० ए०एस०आर०/पी०एल०आर०/73-74/ए० पी०-184/1205-यतः, मुझे, जी०पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4468, मार्च, 1973 में लिखा है। जो नूरमहल तहसील फिल्लौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पं० निरंजन दास सपुत्र पं० गिरधारी लाल सपुत्र पं० काका मल, वासी नूरमहल तहसील, फिल्लौर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती जीत कौर पत्नी हरभजन सिंह सुपुत्र श्री राम रक्खा गांव शादीपुर, तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति, के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नूरमहल तहसील फिल्लौर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4468 मार्च, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

दिनांक : 3-9-1973

अर्जन रेंज अमृतसर

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज, अमृतसर, कैप चण्डीगढ़।

तारीख 3 सितम्बर 1973

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जे०यू०एल०/73-74/ए०पी०-185/
1206:—यतः मुझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० रानी दी कोठी, कूल रोड़, जालन्धर पर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 9546 मार्च, 1973 में लिखा है, जो कूल रोड़, जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19 मार्च, 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभि-
लिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कंवर बिस्वाजीत सिंह मुतब्बना पुत्र के० रानी
सुरजीत कौर विधवा श्री पृथ्वी जीत सिंह, कोठीनं० 86, सेक्टर-
18, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश महाजन सपुत्र श्री गंगा मल, रानी दी
कोठी, कूल रोड़, नजदीक रेलवे स्टेशन, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद् है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रानी दी कोठी कूल रोड़, जालन्धर पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 9546 मार्च, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख 3-9-1973

अर्जन रेंज, अमृतसर।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269ध(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
 अर्जन रेंज, अमृतसर कैप चण्डीगढ़
 दिनांक 3 सितम्बर 1973

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जि०यू०एल०/73-74/ए०पी०-186/1207:—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3 पक्का दुमंजिला दुकानें बाहर माई हीरां गेट, बिक्रमपुरा, सरकुलर रोड, जालन्धर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9266 मार्च, 1973 में लिखा है, जो माई हीरां गेट, बिक्रमपुरा; सरकुलर रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरकों (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

(1) श्री राज किशन पुरी सपुत्र श्री जोसी राम पुरी, मौहला पुरीयां, जालन्धर। (अन्तरक)

(2) श्री भरतार चन्द कपूर सपुत्र श्री मंगल दास सपुत्र श्री घसीटा राम, जालन्धर। मार्फत रायल बुक डिपो, माई हीरां गेट, जालन्धर।

श्री राज कुमार सपुत्र श्री भरतार चन्द कपूर आफ मोगा, अब जालन्धर। मार्फत रायल बुक डिपो, माई हीरां गेट, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) श्री मदन लाल मार्फत स्वराज किताब घर, माई हीरां गेट, जालन्धर, श्री हरकिशन लाल मार्फत मैसर्ज कोहिनूर बुक डिपो, माई हीरां गेट, जालन्धर, श्री बनारसी लाल मार्फत मैसर्ज प्रदीप बुक डिपो, माई हीरां गेट, जालन्धर, तथा मैसर्ज एस० चन्द एन्ड कम्पनी, माई हीरां गेट, जालन्धर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3, दुमंजिला दुकानें बाहर माई हीरां गेट, बिक्रमपुरा, सरकुलर रोड, जालन्धर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9266 मार्च, 1973 को सब-रजिस्ट्रार जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर।

ता० 3-9-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायश्चर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज अमृतसर, कैप चण्डीगढ़

दिनांक 3 सितम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जेयू एल०/73-74/ए० पी०-187
1208:—यतः, मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 9297 मार्च, 1973 में लिखा है, जो नकोदर रोड़
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19 मार्च, 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचाने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बारू मल सपुत्र श्री गंगा राम, देसराज सपुत्र ठाकुर
दास, नगीन चन्द सपुत्र श्री टेक चन्द, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री रतन चन्द, जय ब्याल, करतार चन्द, मदन गोपाल,
बृजनाथ, परपोतम लाल सपुत्र श्री चेत राम सपुत्र श्री संसारी
मल, मार्फत मैसर्ज संसारी मल चेताराम, मंडी फैटन गंज,
जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नम्बर 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्तकारी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी बिल्डिंग नकोदर रोड़, जालन्धर पर, जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 9297 मार्च, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।)

तारीख 3-9-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर, कैप चण्डीगढ़

दिनांक 3 सितम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/एन० के० डी०/73-74/ए० पी०-188/1209:—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक बिल्डिंग जो कि नकोदर, नजदीक फीमान इण्डस्ट्रीस जैसी कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2989, मार्च, 1973 में लिखा है, जो (नजदीक फीमान इण्डस्ट्री नकोदर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरबचन सिंह सपुत्र श्री लक्ष्मण दास नकोदर (अन्तरक)

(2) श्री टेक चन्द सपुत्र श्री भगत राम जैन, नकोदर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।)

(4) कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो नकोदर नजदीक फीमान इण्डस्ट्रीस पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2989 मार्च, 1973 रजिस्ट्री सहायक नकोदर में लिखा गया।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 3-9-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय
अर्जन रेंज, अमृतसर कैंप, चण्डीगढ़ ।

दिनांक 3 सितम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जे० यू० एल०/73-74/ए० पी०-189/
1210:—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० मकान जो कि रंजीत नगर, जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 8972 मार्च, 1973 को लिखा गया है, जो रंजीत
नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च, 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
235GI/73—9

(1) श्री हरदेव सिंह सपुत्र श्री साधु सिंह गांव भौरियां,
मार्फत अजीत वैलट फैक्टरी अर्जन नगर जलेपर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदास सपुत्र श्री भगत सिंह, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 52 जो कि रंजीत नगर जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 8972 मार्च, 1973, रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी
जालन्धर में लिखा गया है ।

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-9-1973 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर कैप चण्डीगढ़

अमृतसर, दिनांक 3 सितम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जे० यू० एल०/73-74/ए० पी०-191/1212:—यतः मुझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 16, 17, 18 दुमजिला जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9604 मार्च, 1973 में लिखा है, जो लक्ष्मी माफिट, नेहरू गार्डन रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) ओन यूअर हाऊस प्राईवेट लिमिटेड द्वारा श्री सुशील अन्सील भागीदार मैसर्स अन्सील एण्ड सहगल प्रार्टीज एण्ड एसो-सियेटेड, जालन्धर। (अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह सपुत्र श्री भगत सिंह गांव हेलरान तहसील, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 16, 17 तथा 18 (दुमजिला) लक्ष्मी माफिट जालन्धर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9604 मार्च, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 3-9-1973।

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर, कैप चण्डीगढ़

अमृतसर, दिनांक 3 सितम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जे० यू० एल०/73-74/ए० पी०-
192/1213—यतः मुझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी
सं० दुकान जो कि नं० डब्ल्यू० ए० 123/5 रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 9246 मार्च, 1973 में लिखा गया है, जो बाजार शेखा,
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च, 1973 को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अंतरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जगत नरायण मेहता सपुत्र श्री दरबारी लाल
शुसीला देवी पत्नी श्री जगत नरायण, पका बाग, जालन्धर ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदा रानी सुपुत्री श्री हंस राज मारफत
मैसर्स पापुलर गारमैन्ट्स स्टोर्स, बजार शेखा, जालन्धर ।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि
रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० डब्ल्यू ए०/123/5 बाजार शेखा जालन्धर जैसा
कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9246 मार्च, 1973 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जालन्धर ।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 3-9-1971

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कैप चण्डीगढ़।

दिनांक 3 सितम्बर 1973

निदेश सं० ए० एस० आर०/73-74/ए० पी०-181/1214:—

यतः मुझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6 दुकानें, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 92 अप्रैल, 1973 में लिखा है, जो जी० टी० रोड़, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1973 को पूर्वांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वांचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राज करणी आहुजा पत्नी मदन लाल आहुजा मार्फत श्री काहन चन्द, कृष्णा गली, नमक मंडी, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश कौर पन्नी श्री बकशीश सिंह राम तीर्थ रोड़ अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 पर है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अग्रोहस्ताक्षरी जानता है।

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अग्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 दुकानें नं० 1750 से 1755 जी० टी० रोड़
अमृतसर पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 92 अप्रैल 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख 3-9-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269

घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर, कैम्प चन्डीगढ़

दिनांक 3 सितम्बर 1973

निर्देश सं० ए०एस०आर०/73-74/ए०पी०-182/1215—
यतः, मुझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8 दुकानें, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 146 अप्रैल 1973 में लिखा है। जो जी० टी० रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1973 को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजकरणी अहूजा पत्नी मदन लाल अहूजा माफत श्री काहन चन्द्र, कृष्णा गली, नमक मण्डी, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री बकशीश सिंह सुपुत्र श्री बरकत सिंह रामतीर्थ रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जायदाद के सभी किरायदारान। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में चि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 दुकानें नम्बर 1738 से 1744 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 146 अप्रैल 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-9-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कैम्प चन्डीगढ़

दिनांक 3 सितम्बर, 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/पी० एल० आर०/73-74/ए० पी०-183/1216—यतः मुखे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 61 अप्रैल 1973 में लिखा है, जो नूरमहल तहसील फिल्लौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908) 1908 का 16 के अधीन अप्रैल 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री निरंजन दास सुपुत्र पं० गिरधारी लाल सुपुत्र पं० काका मल, बासी नूरमहल, तहसील फिल्लौर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरभजन सिंह सुपुत्र श्री राम रक्खा गांव शादीपुर तहसील फिल्लौर।

(3) श्री हरभजन सिंह सुपुत्र श्री राम रक्खा गांव शादीपुर तहसील फिल्लौर।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नूरमहल तहसील फिल्लौर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 61 अप्रैल 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज अमृतसर)।

तारीख : 3-9-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, अमृतसर, कैप चण्डीगढ़

अमृतसर, दिनांक 3 सितम्बर, 1973

निदेश सं० ए० एस० आर०/जे० यू० एल०/73-74/ए० पी०-190/1211—यतः मुझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० रजिस्टर्ड मार्च, 1973 के महीने में लिखा गया है, जो नूर महल, तहसील किलौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, किलौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम प्रताप सुपुत्र श्री निरंजन दास, नूरमहल, (अन्तरक)

(2) श्री सरणोम सिंह, बलदेव सिंह, जरनैल सिंह, सुपुत्र श्री ज्वाला सिंह, गांव और तहसील कुकर पिंड, नजदीक रामा मंडी, जालन्धर शहर। (अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति, के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियतवक किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इसे ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद गुदाम नूरमहल तहसील किलौर पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०—रजिस्टर्ड मार्च, 1973 में लिखा गया।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 3-9-1973।

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद-1

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर, 1973

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1-30/1-1/73-74—यतः, मुझे जे० कथुरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० पी० स्कीम न० 3, एफ० बी० न० 274/ए०/1/1 है, जो शेखपुर खानपुर, तालुक सिटी डिस्ट्रिक्ट, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री महेन्द्र कुमार शान्ति लाल लालभाई पोल, अहमदाबाद।
(अन्तरक)

2. (i) श्री विनूभाई लवजीभाई बाविशी

(ii) श्रीमती राजिनी महेन्द्रभाई पत्नी श्री शान्ति लाल

(iii) श्रीमती शकरी चन्दूलाल पत्नी श्री मगन लाल

(iv) श्री बृजलाल गोरधन दास गामो

—सारे भागीदार जसू बिल्डर्ज अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निम्न किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शेखपुर खानपुर तालुका सिटी डिस्ट्रिक्ट अहमदाबाद, टी० पी० स्कीम न० 3, फायनल प्लॉट न० 274/ए०/1/1,
495 वर्ग गज का 1/3 भाग (खाली जमीन)

जे० कथुरिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 3-9-73

मोहर :

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना
सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) का कार्यालय भारत सरकार
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1973

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-31/1-1/73-74—यतः,
मुझे जे० कथुरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० पी० स्कीम
नं० 3, एफ०सी० नं० 274/ए०/1/1 है, जो शेखपुर खानपुर, तालुका
सिटी डिस्ट्रिक्ट अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन को ————पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-
कृत धिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए
हैं।

अतः अब, धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री फकीर चन्द पोपट लाल नागजी, अहमदाबाद
(अन्तरक)

2. (1) श्री विनुभाई लबजीभाई
236GI/73—10

(2) श्रीमती रागिनी महेन्द्रभाई पत्नी
श्री शान्तिलाल

(3) श्रीमती शकरी चन्दुलाल पत्नी
श्री मगन लाल

(4) श्री बृजलाल गोरधन दास गामी
—सारे भागीदार असू बिस्डर्ज, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शेखपुर खानपुर तालुका सिटी डिस्ट्रिक्ट अहमदाबाद, टी० पी०
स्कीम नं० 3, फाईनल प्लॉट नं० 274/ए०/1/1, 495 वर्ग गज
का 1/3 भाग (खुली जमीन)।

जे० कथुरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 3-9-73
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1973

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1-32/1-1/73-74—यतः,
मुझे जे० कथुरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० पी०
स्कीम नं० 3, एफ० पी० नं० 274/ए०/1/1 है, जो शेख पुर खानपुर
तालुका सिटी डिस्ट्रिक्ट अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, ———में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ———को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शान्ति लाल मणि लाल, अहमदाबाद (अन्तरक)
2. (1) श्री विनुभाई लवजी भाई
(2) श्रीमती रागिनी महेन्द्रभाई पत्नी श्री
शान्तिलाल

(3) श्रीमती शकरी चन्दुलाल पत्नी
श्री मगन लाल

(4) श्री बृज लाल गोरधन दास गामी
—सारे भागीदार जसू बिल्डर्स, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो
तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शेखपुर खानपुर तालुका सिटी डिस्ट्रिक्ट अहमदाबाद, टी० पी०
स्कीम नं० 3, फायनल प्लॉट नं० 274/ए०/1/1, 495 वर्ग गज
का 1/3 भाग (खुली जमीन)

जे० कथुरिया
सक्षम प्राधिकारी,
तारीख : 3-9-73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 60/73-74—यतः, मुझे, एस० बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4-5-176 है, जो सुबतान बाजार, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जवाहर लाल जैन द्वारा मेसर्स जवाहर बन्धु, सुलतान बाजार, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती राधा बाई धर्मपत्नी सुखदेव मोदानी, 4-5-176 सुलतान बाजार हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) है अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद—नं० 4-5-176, सुलतान बाजार हैदराबाद।

एस० बालसुब्रमन्यम्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख 1-9-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण- - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

हैदराबाद, दिनांक 1 सितम्बर, 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 55/73-74—यतः, मुझे एस० बालसुब्रमन्यम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 16-3-993/1 है, जो चंचल गूड़ा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० ए० अजीज, डिप्टी ज्युरेक्टर, मेडिकल एन्ड हेल्थ, कार्यालय, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती सुरैया मोहनुद्दीन, म० नं० 16-3-993/1, चंचल गूड़ा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद—म० नं० 16-3-993/1, चंचल गूड़ा, हैदराबाद।

एस० बालसुब्रमन्यम्
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-9-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 1 सितम्बर 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 58/73-74—यतः, मुझे, एस० बालसुब्रमन्यम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1-1-770/A है, जो नया बकाराम, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जी० सिताराम्या सुपुत्र रामलिंगय्या, 15-2428, सिदिबर बाजार, हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) 1. श्री वी० बाल वीरय्या सुपुत्र राजय्या
2. श्री सी० वेंकटम्मा धर्मपत्नी रामय्या 3. श्री सी० रमेश सुपुत्र रामय्या निवासी अनन्त्राम गांव, नरसापुर तालुक मेदक जिल्हा । (अन्तरिती)
- (3) 1. ए० तिरुमलराव नाइडू 2. जयन्ती वेंकटाचलम्
3. जी० मोहनराव, सभी निवासी 1-1-770/A, नया बकाराम, हैदराबाद । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद :—म० नं० 1-1-770/A, नया बकाराम, हैदराबाद ।

एस० बालसुब्रमन्यम्

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 1-9-73

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज, हैदराबाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

हैदराबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 56/73-74—यतः, मुझे एस० बालसुब्रमन्यम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-4-850 है, जो बरकतपूरा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-4-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) श्री नीलकण्ठम् बालकिश्टय्या सुपुत्र रामप्पा
- (ii) श्री एन० विनोदकुमार, सुपुत्र श्री एन० बालकिश्टय्या,

(iii) श्री एन० अशोक कुमार सुपुत्र श्री एन० बालकिश्टय्या, निवासी, सुलतान बाजार, हैदराबाद। (अन्तरक)

2 (i) श्री बासेटी नारायणा,

(ii) श्री बासेटी विश्वनाथम्

(iii) श्री गंडे राजय्या, सभी निवासी 15-8-436, फीलखाना, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद—सं० नं० 3-4-850, बरकतपूरा, हैदराबाद।

एस० बालसुब्रमन्यम्,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 1-9-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय आयकर सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
एक्सयूजीशन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 3 सितम्बर 1973

निर्देश सं० टी० आर० 554/सी०-153/कल०-1/72-73--
यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
203 है, जो महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार ऑफ, एसोरेन्सेज 5,
सरकारी भवन (आर०) कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-3-73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती पेपादेवी रामपुरिया (अन्तरक)
2. श्रीमती गौरजा देवी झाकर (अन्तरिती)];

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20 क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुछ चार और कुछ पांच मंजिली इंटों का बना भवन, बिला
लगान 6 कठान व 1/2 छट्टाक भूमि सहित भवन नं० 203,
महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता ब्लाक नं० II होलडींग नं० 336,
कलकत्ता के उत्तरी खंड में अविभाजित 1/4 भाग—

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

तारीख : 3-9-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
एक्यूजीशन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1973

निर्देश सं० टी० आर०-393/सी०-71/कल-1/72-73—
यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० 203 है, जो महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एसोरेन्सेज, 5 राजकीय
भवन (उत्तर) कलकत्ता भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 9-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यावाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं ।

अतः अब धारा 269 ग के अनुसरण में मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती पेपा देवी रामपुरिया

(अन्तरक)

2. श्रीमती गोरजा देवी जावर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में
किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुछ चार और कुछ पांच मंजिली इंदों का बना मकान,
बिला लगान के 6 कठान व 1/2 छट्टाकज भूमि सहित भवन
नं० 203, महात्मा गांधी रोड, ब्लॉक नं० II होल्डिंग नं० 338
कलकत्ता के उत्तरी खंड में, 1/2 भाग (अविभाजित) ।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3

पी०-13, चौरंगी स्ववायद,

कलकत्ता ।

तारीख : 1-9-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1973

निर्देश सं० ए० सी०-7/आर०-IV/कैल/73-74—यतः, मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 है, जो सी० आई० टी० स्कीम VI-एम० कलकत्ता-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार ऑफ़ ऐस्योरेसेज नं० 5 गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) सरदार गुरबचन सिंह,
- (ii) सरदार मुख्तियार सिंह,

- (iii) श्रीमति दीप कौर,
- (iv) श्रीमति कृपाल कौर,
- (v) श्री बबलू सिंह,
- (vi) श्री मति शखवंत कौर (अन्तरक)

2. (i) श्रीमति कनक प्रभा मजूमदार
- (i) श्रीमति प्रतिभा रानी मजूमदार, (अन्तरिती)
3. (i) श्रीमति बचन कौर,
- (ii) श्री सलाखन सिंह
- (iii) श्री प्रितपाल सिंह,
- (iv) श्री यशपाल सिंह,
- (v) श्री गुरपाल सिंह।

वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जान्य है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी० आई० टी० स्कीम VI-एम० कलकत्ता-54 के प्लॉट नं० 8 में 4 कट्टा 15 वर्ग फीट जमीन और उस पर बने अंशतः दो मंजिला और अंशतः तीन मंजिला मकान का अर्द्धभाग।

एम० एन० तिवारी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पी० 13, चौरंगी स्क्वायर कलकत्ता-1।

तारीख : 1 सितम्बर 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(ii) श्री गोपाल दास गुजराती (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

2. (i) श्रीमति बीना सरकार

(ii) श्री सुरंजन सरकार

भारत सरकार

(iii) श्री चित्तरंजन सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय,

(iv) श्री मनोरंजन सरकार (अन्तरिती)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 सितम्बर 1973

को यह सूचना जारी कर के, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

निर्देश सं० ए० सी० 27/आर०-II/कैल०, 73-74—यतः,
मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 134/2 है, जो
सर्देन एवेन्यू थाना टालीगंज कलकत्ता में स्थित है (और इससे उभावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार अलीपुर सदर जिला 24 परगना में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 23-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 कट्टा 8 छटांक 16 वर्गफीट जमीन जो नं० 134/2 सर्देन
एवेन्यू थाना टालीगंज कलकत्ता में स्थित है।

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II पी०-13, चौरंगी स्क्वायर कलकत्ता।

तारीख : 3 सितम्बर 1973।

मोहर :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्रीमति मोती बहू

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, कानपुर।

कानपुर, दिनांक 22 अगस्त, 1973

निर्देश सं० 1 (अर्जन) 73-74/367/1118—यतः, मुझे, आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूची में है, जो गाजियाबाद, जि० मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, गाजियाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आनन्द प्रकाश चौधरी पुत्रगण आर० एस० बनारसी दास, नि० बनारसी स्टेट, कोठी नं० 5, सिविल लाइन, दिल्ली-6।
(अन्तरक)

2. अशोक सहवारी गृह निर्माण समिति के गाजियाबाद द्वारा सचिव धर्मपाल पुत्रगण रामेश्वरदास, नि० 30 फीज बाजार, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगह का क्षेत्र, प्रहलाद गढ़ी, परगना लौनी, तहसील गाजियाबाद, 5 बीघा, 5 बिघवा और 10 विसवानसी।

खसरा नं०	रकबा
587/4	—10—6
531	—11—13
532	—17—11—
533	1—14—0
534	1—8—0
536	—10—0

आई० खोखर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 22-8-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, कानपुर।

कानपुर, दिनांक 17 अगस्त, 1973

निर्देश सं० एफ० नं० 11 (अर्जन) 73-74/356/1119—यतः,
मुझे, बाई० खोखर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा सूची में है जो
डासना, गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गाजियाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 28-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण
हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रोशन, मेहर चन्द और बाबूराम पुत्रगण चंदन सिंह
म० नं० सदर पुर, परगना, डासना, तहसील गाजियाबाद (अन्तरक)
2. अशोक सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, गाजियाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्र

कृषि भूमि स्थित है गांव डासना, तहसील गाजियाबाद, चक्र
नं० 403।

खसरा नं०	बीघा	बिसवा	विशवानसी
2900	1	18	—
2904	—	7	—
2905	—	13	—
2906	1	5	—
योग	4	3	पुखता

बाई० खोखर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 17-8-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 अगस्त, 1973

निर्देश सं० 1 (अर्जन) 73-74/360/1120—यतः, मुझे, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूची में है, जो त० गाजियाबाद, जि० मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)- और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अब्दुल सलीम पुत्र नसीरुद्दीन, नि० कुल्लूगढ़ी, मगराव डा० डासना तहसील, गाजियाबाद जिला मेरठ । (अन्तरक)

2. अशोक सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा सेठ रामेश्वरदास, निवासी 30, कैज बाजार, दिल्ली । (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि गांव डासना परगना, डासना, तहसील गाजियाबाद, जिला मेरठ में स्थित है ।

चैक नं०	खसरा नं०	क्षेत्र		
		बीघा	बिशवा	बिशवानसी
141	3031	—	19	6
	3035	—	4	15
	3039	1	15	12
	3033	1	2	—
	3034	2	15	—
	3025	—	4	—
	3030	—	10	—
	3028	—	76	4
		7	6	17
	3007	1	16	—
	3010	1	10	—
	3011	—	15	—
	3049	6	2	—
		10	3	137/531

भाग

500 वर्गगज पर (आधा भाग) एक मजिल घर, कुल्लूगढ़ी परगना डासना, तहसील गाजियाबाद जिला मेरठ पर स्थित है ।
तारीख : 20-8-1973

मोहर :

वाई० खोखर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अजुन रेंज, कानपुर।

कानपुर, दिनांक 22 अगस्त, 1973

निर्देश सं० एफ० नं० 15 (अर्जन)/73-74/1121—यतः,
मुझे आई० खोजर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूची में दी गई है,
जो ग्राम लोनी, परगना लोनी, तहसील, गाजियाबाद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-8-73 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के
लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मेसर्स मितल एण्ड फाइनन्स क० प्रा० लिमिटेड, 1/21

आसफ अली रोड, नई दिल्ली द्वारा बिद्या भूषण मितल (मैनेजिंग
डायरेक्टर)। (अन्तरक)

2. मेसर्स विश्वकर्मा गृह निर्माण सहकारी समिति लि०,
गाजियाबाद, मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
को सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, वाक्या ग्राम लोनी, परगना लोनी, तहसील गाजिया-
बाद।

खसरा नं० 1553 : 2 बीघा, 17 बिस्वा

खसरा नं० 1674 : 5 बीघा, 5 बिस्वा :

खसरा नं० 1675 : 5 बीघा : 14 बिस्वा

तारीख : 22-8-1973

मोहर :

आई० खोजर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, कानपुर।

कानपुर, दिनांक 17 अगस्त, 1973

निर्देश सं० 1 (अर्जन)/73-74/361/1122—यतः, मुझे बाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूची में है, जो गाजियाबाद, जि० मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री अबदुल हकीम पुत्र गण शाहजादा, निवासी इन्दर गढ़ी, परगना व डा० डसना, तहसील गाजियाबाद, जिला मेरठ।
(अन्तरक)

2. श्री कमरुद्दीन पुत्र मोहम्मद शकी नि० गली नली वाली, मं० नं० 4089, जामा मस्जिद, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, 6 बीघा, 18 बिस्वा, 18 बिस्वासी, वाक्या ग्राम व परगना डसना, तहसील, गाजियाबाद।

खसरा नं०	क्षेत्रफल		
	बीघा	बिस्वा	बिस्वासी
518	1	13	—
519	1	17	8
522	—	3	19
652	—	11	17
653	—	1	—
654	1	7	—
655	—	13	18
658	—	4	6
657	—	6	10
कुल	6	18	18

पुखता

बाई खोखर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 20-8-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 17-8-1973

निर्देश सं० 364/72-73—यतः, मुझे के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सेन्तारपट्टी गाँव, सेलम जिला, है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गंगवल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० कन्तसामी, सुब्बु रेड्डीयार का पुत्र ।
(अन्तरक)

2. श्री एम० वी० रामुटु सेट्टीयार वेन्कटाचालम सेट्टीयार (अन्तरिती)
का पुत्र ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्थताधारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम जिले में सेन्तारपट्टी गाँव के सर्वे सं० 52 में 1807 स्क्वयर फीट और 1639 स्क्वयर फीट के दो महान ।

के० वी० राजन
सक्षम प्राधिकारी

दिनांक 17-8-73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेंज मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 17 अगस्त 1973

निर्देश सं० 348/72-73—यतः, मुझे के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० सं० 58/1 और टी० सं० 60/4 है, जो पेरमन्दम पालयम गांव में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोहनूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात् :—
236 GI/73-12

(1) श्री कालियप्पन, रामसामि घांटर का पुत्र।

(अन्तरक)

(2) श्री स० करप्पप्पन, चेल्लप्प घांटर का पुत्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा,।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टी० सं० सं० 58/1 में काली भूमि 6.50 एकड़ में आधा भाग।

टी० सं० सं० 60/4 में काली भूमि 17 सेन्ट्स में 1/16 भाग।
यह भूमि पेरमन्दम पालयम गांव में है।

के० वी० राजन

सक्षम प्राधिकारी

दिनांक : 17-8-73

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज-I, मद्रास

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा]
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 17 अगस्त 1973

निर्देश सं० 347/72-73—यतः, मुझे, के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० सं० 58/1 और टी० सं० 60/4, है, जो पेरमन्दम पालयम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोहनूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16, के अधीन 12-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कलियन्नन और गार्डियन के द्वारा पलनिसामी (मैनर) (अन्तरिक)

(2) के० सिवलिंगम, गार्डियन सेल्लम्माल के द्वारा के० सबापति, के० लोगनातन और के० चन्द्रसेकरन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टी० सं० 58/1 में भूमि 6.50 एकड़ में आधा भाग।

टी० सं० 60/4 में काली भूमि 17 सेन्ट्स में 1/16 भाग। यह भूमि पेरमन्दम पालयम गांव में है।

के० वी० राजन
सक्षम प्राधिकारी

दिनांक 17-8-73

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहनूर :

अर्जन रेंज-I, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज कानपुर

दिनांक 27-8-1973

निर्देश सं० एफ० नं० 11 (ए० सी० क्यू०)
(कानपुर)/73-74— यतः, मुझे बाई० खोखर आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 16/81 है जो
सिविल लाइन, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 6-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या धन-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं ।

अतः एवं, धारा 269 ग के अनुसरण में मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री आनंदी प्रसाद गुप्ता हा० नं० 37/33 गलिस बाजार,
कानपुर । (अन्तरक)

2. मेसर्स स्वदेशी काटन मिल्स क० लिमिटेड, कानपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी एक व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापारिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/8 भाग मकान नं० 16/81 विसिल लाइन, कानपुर ।

बाई० खोखर

सक्षम प्राधिकारी

दिनांक 17-8-1973 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेंज, कानपुर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, कानपुर।

कानपुर, दिनांक 17 अगस्त, 1973

निर्देश सं० 1 (अर्जन) मेरठ/73-74/1033—यतः, मुझे, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूची में है जो हसनपुर, कदीम जिला मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री जोगेन्द्र पाल खत्री 78 ए०, महमूद नगर, लिसाड़ी रोड, मेरठ।।

शम्भू, पुत्र रिसालसिंह, ग्राम हसनपुर, कदीम, जिला मेरठ (अन्तरक)

2. श्री जय प्रकाश पुत्र गोबुलचन्द, हसनपुर कदीम, जिला मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 160, भूमि 8 बीघा, 4 बिस्वा, 18 दिरवांसी, ग्राम हसनपुर कदीम, जिला मेरठ।

वाई० खोखर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), कार्यालय
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 17-8-73।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 अगस्त 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 53/73-74—यतः मुझे एस० बाल सुब्रमन्यम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-5-800 है, जो हैदरगुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अम्व बिन सलाह, 22-8-32 चत्ता बजार, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) (i) पी० मानाक बाई धर्मपत्नी पी० नरसिंहाय
(ii) पी० नरसिंहाय सुपुत्र पी० नरसिंहाय
(iii) पी० शंकरराय तथा कु० पी० शकुन्तला अवयस्क पी०-नरसिंहाय आधिकारी गुस्तेदार, निम्नमाबाद

3. श्री/श्रीमती/कुमारी (अन्तरिती)
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचित

जायबाद:—म० नं० 3-5-800, हैदरगुड़ा, हैदराबाद।

एस० बाल सुब्रमन्यम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-8-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जुन रज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 अगस्त 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 54/73-74—यतः मुझे एस० बाल सुब्रह्मन्यम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5-4-437 है, जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से धारित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री किशोर काशीनकर, लेक्चरर 5-4-435, नामपल्ली स्टेशन रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री सदाशिव संवराकर सुपन्न वेधटराव सावरपर 5-4-437, नामपल्ली स्टेशन रोड, हैदराबाद (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके बारे में घोहस्ता री जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है, कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद:—सं० नं० 5-4-437, नामपल्ली स्टेशन रोड, हैदराबाद

एस० बालसुब्रह्मन्यम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख: 30-8-73

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 3 सितम्बर 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 61/73-74—यतः, मुझे, एस० बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 113 तथा 113 ए० (नया नं० 1-7-265 व 274) है, जो सरोजिनीदेवी रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती खोरशद जे० बंगाली, धर्मपत्नी श्री जाल बंगाली क्षोरास्ट्रियन, बरफ बंगला, बालमराय, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. मेसर्स श्री रमा बुक डिपो, मार्केट स्ट्रीट, सिकन्दराबाद

म्यानेजिंग भागीदार, श्री पी० शीवराजय्या सुपुत्र पी० शंकरय्या, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

+ 3. कई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास भिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद—पिछला भाग मकान नं० 113 तथा 113 ए० जो सरोजिनीदेवी रोड, सिकन्दराबाद में है, जिसका खुला जगा 1369.5 चौ० मीटर्स तथा नौकरों के घरे हैं।

एस० बालासुब्रमन्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 3-9-73

मोहर :

+ (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 3 सितम्बर 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 62/73-74—यतः, मुझे एस० बालसुब्रमन्यम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9/226, 9/227 और 9/465 है, जो गिरमाजीपेट, बरंगल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. (1) श्री बी० जयप्रकाश, (2) बी० सुधाकर, (3) बी० चन्द्र मोहन, (4) बी० शरत, (5) बी० वेंकटरसम्मा,

(6) स्वामम्मा, और (7) बी० सुजाता सभी अवयस्क, पालक माता बी० वेंकटरसम्मा, 5, गिरमाजीपेट, बरंगल। (अन्तरक)

2. (1) श्री बी० वेंकटाद्री, (2) बी० जयनारायना, (3) बी० सुरली, (4) बी० मनोहर, (5) बी० सुरेश, सभी अवयस्क, पिता बी० वेंकटाद्री, 1, गिरमाजीपेट, बरंगल। (अन्तरिती)

+ 3. अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

+ 4. अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद :—9/226, 9/227, 9/465, गिरमाजीपेट, बरंगल।

एस० बालसुब्रमन्यम्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-9-73

मोहर :

+ (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 सितम्बर, 1973

निर्देश सं० आर०ए०सी० नं० 63/73-74—यतः, मुझे, एस० बाल सुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5-8-625 है, जो आबीद रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मैंने द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(i) श्रीमती हनीफा बी धर्मपत्नी अब्दुल हमीद, 5-9-700, गनफौडरी, हैदराबाद।

(ii) श्री मोहम्मद आयूब, सुपुत्र अब्दुल हमीद, 5-9-700, गनफौडरी, हैदराबाद।

(iii) मोहम्मद यूनूस सुपुत्र अब्दुल हमीद, निवासी कुवेत, मिडिल स्टेट।

236GI/73-13

(1) मोहम्मद यूसुफ सुपुत्र अब्दुल हमीद, निवासी कुवेत, मिडिल स्टेट। (अन्तरक)

2. (i) श्री सामुद्राला सिवकुमार सुपुत्र चन्द्रय्या, फीलखाना, मार्फत सराफ बैपारी, सिद्ध्यम्बर बाजार, हैदराबाद।

(ii) उप्पल मधुसूधना राव भागीदार मेसर्स अशोका रेस्टो-रेंट, आबीद रोड, हैदराबाद।

(iii) राधेश्याम सुपुत्र मिसरीलाल अगरवाल, भागीदार मेसर्स अशोका रेस्टोरेण्ट, आबीद रोड, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जाहदाद—म० नं० 5-8-625, आबीद रोड, हैदराबाद।

एस० बाल सुब्रमन्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 3-9-73

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं० 37

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1973 को निर्धारित आयु सीमाओं के अंतर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रजनन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं मद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23×10 सें० मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रजनन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ़ कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर सादे कागज़ पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल ऑर्डर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 15 अक्टूबर, 1973 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार,

लकादिव, मिनिक्वाय एवं अमिनदिव द्वीपसमूहों में रहने वाले आवेदकों के लिए 30 अक्टूबर, 1973) है। खजाना रसीदों का स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 8, 11 और 12 के पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 1 से 7, 9 और 10 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है।

क्रम-संख्या 5 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है किन्तु यदि अनुसूचित जातिय अनुसूचित आदिम जातियों का उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलता है तो उसे अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 7 और 10 के पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और उनके लिए केवल वे ही आवेदन करें।

1. विस्फोटक पदार्थों का एक निदेशक ग्रेड I, अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला, पाराण, पूना। वेतन :—रु० 2000-100-2500। आयु :—वरीयतः 55 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) संबद्ध विज्ञान अर्थात् विस्फोटक पदार्थ/रासायन विज्ञान के क्षेत्र में उच्च शैक्षिक योग्यता। (ii) विस्फोटक पदार्थों [जिनमें राकेटों तथा निर्देशित प्रक्षेपास्त्रों के प्रणोदक (PROPELLANTS) अग्निकांड (PYROTECHNICS), रासायनिक युद्ध की सामग्री आदि सम्मिलित हैं] के क्षेत्र में अभिकल्पन, विकास और अनुसंधान कार्य में उत्कृष्ट योगदान तथा क्षेत्रगत निदेशन कार्य का पर्याप्त अनुभव, जो प्रकाशित कृतित्व द्वारा प्रमाणित हों। (iii) विस्फोटक पदार्थों के क्षेत्र में विकास कार्य को प्रायोगिक संयंत्र स्तर (PILOT PLANT SCALE) तक पहुंचाने का अनुभव। (iv) वैज्ञानिक एवं प्राविधिक संस्थाओं तथा अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठानों से संबद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर अपेक्षित प्रशासनिक अनुभव एवं किसी बृहत् अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के संचालन की क्षमता।

3. एक प्रलेखन अधिकारी (अनुसंधान एवं नीति प्रभाग), गृह मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रु०-35-950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सामाजिक विज्ञान के किसी विषय, वरीयतः राजनीति या समाजशास्त्र, में द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था से प्रलेखन/या पुस्तकालय विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) किसी प्रतिष्ठित पुस्तकालय या संस्था में सामाजिक विज्ञान के किसी विषय, वरीयतः राजनीतिविज्ञान या समाजशास्त्र, से संबद्ध प्रलेखन में लगभग 3 वर्ष का व्यावहारिक अथवा अनुसंधान का अनुभव।

3. एक क्षेत्रीय गृह अर्थशास्त्र, कृषि विज्ञान। वेतन:—
रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950।
आयु-सीमा:—40 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गृह विज्ञान या गृह अर्थशास्त्र या घरेलू विज्ञान में डिग्री। (ii) गृह विज्ञान कलेजों अथवा ग्राम सेविकाओं को प्रशिक्षण देने वाले गृह विज्ञान केन्द्रों में गृहविज्ञान के अध्यापन का 3 वर्ष का अनुभव। (iii) भारत की ग्रामीण अवस्था की जानकारी।

4. एक संगरोध अधिकारी, पशु संगरोध और प्रमाणीकरण सेवा केन्द्र, मद्रास, कृषि मंत्रालय। वेतन:—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु-सीमा:—35 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से पशुरोगविज्ञान में “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी नैदानिक प्रयोगशाला में जैव पदार्थ/रोगविज्ञान संबंधी नमूनों की देखभाल का लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

5. एक आख्याता (कनिष्ठ वेतनमान), अंडमान एवं निकोबार प्रशासन। वेतन:—रु० 300-25-600। आयु-सीमा:—30 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की (कम से कम 50% अंकों सहित) “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

6. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड I, गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन:—रु० 700-50-1250। आयु:—वरीयत: 40 वर्ष के कम। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) लगभग चार वर्ष का अनुसंधान का अनुभव।

7. एक प्राविधिक अधिकारी, रोजगार तथा प्रशिक्षण रुढ़-निवेशालय श्रम और रोजगार विभाग, श्रम और पुनर्वासि मंत्रालय। वेतन:—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु-सीमा:—40 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रानिकी/दूर-संचार/इलेक्ट्रानिकी में विशेषज्ञता सहित वैद्युत् इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) स्नातक डिग्री प्राप्त करने के बाद इलेक्ट्रानिकी में लगभग एक वर्ष का अनुभव।

8. दो सहायक वद्युत् और यांत्रिक अधिकारी, सिविल विमानन विभाग, पर्यटन और सिविल विमानन। वेतन:—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु-सीमा:—35 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैद्युत् या यांत्रिक इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी विख्यात आटोमोबील मरम्मत कर्मशाला में तथा यांत्रिक उपस्कर जैसे सभी प्रकार की

गाड़ियाँ, क्रेश फायर टैंडर, मोबाइल फूलड लाइट्स आदि का संचालन, अनुरक्षण, मरम्मत एवं परीक्षण का लगभग तीन वर्ष का अनुभव। (iii) वद्युत् मशीनरी तथा उपस्कर के अभिकल्पन, संस्थापन, संचालन, अनुरक्षण मरम्मत तथा परीक्षण की जानकारी।

9. चार कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, वैमानिक विकास प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसंधान और विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन:—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु:—वरीयत: 30 वर्ष से कम। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) वर्ग i, ii तथा iii के लिए (3 पद) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैद्युत् इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। वर्ग iv के लिए (एक पद) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक/वैमानिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

10. एक उपनिदेशक (निर्यात प्रवर्द्धन), लघु उद्योग संगठन, औद्योगिक विकास मंत्रालय। वेतन:—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा:—45 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से व्यवसाय प्रशासन/निर्यात प्रवर्द्धन में विशेषज्ञता सहित अर्थशास्त्र या वाणिज्य में “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) निर्यात प्रवर्द्धन के क्षेत्र में सरकार के अधीन अथवा किसी विख्यात औद्योगिक व्यावसायिक प्रतिष्ठान में दायित्वपूर्ण हैसियत से लगभग सात वर्ष का अनुभव।

11. एक उप निदेशक (निरक्षण), शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय (समाज कल्याण विभाग)। वेतन:—रु० 590-30-830-35-900। आयु-सीमा:—40 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था से सामाजिक कार्य या समाज कल्याण प्रशासन में स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) किसी सरकारी या प्रतिष्ठित सार्वजनिक संस्था में सामाजिक कार्य का लगभग 5 वर्ष का अनुभव। (iv) हिन्दी का प्रगाढ़ ज्ञान।

12. एक अधीक्षक (मुद्रण) (पत्र पत्रिका), विधि, स्थाय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (विधायी विभाग)। वेतन:—रु० 620-30-830। आयु-सीमा:—40 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त प्राविधिक संस्था से मुद्रण तथा समवर्गी व्यवसायों में डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार मुद्रणालयों या किसी सुप्रतिष्ठित मुद्रण गृह/मुद्रणालय में पयविक्षक के पद पर लगभग 5 वर्ष का मुद्रण का अनुभव। (iii) हिन्दी में प्रवीणता।

डी० आर० कोहली,
सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 27th August 1973

No. A32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Pruthi, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the service for a period of 3 months with effect from 2-7-73 to 1-10-73 (both days inclusive) or till Shri K. V. Ramakrishnan reverts from the post of Controller of Examinations whichever is earlier.

The 30th August 1973

No. A32013/1/73-Admn.I.—Shri B. R. Verma, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vide this office Notification No. A32013/1/73-Admn.I dated 26th July, 1973, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 28th July, 1973.

2. On his reversion, Shri B. R. Verma, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 28th July, 1973.

M. R. BHARGWAT
Under Secretary,
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. REFORMS)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 30th August 1973

No. PF/J-80/73-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Jagannath Chatterjee, an officer of West Bengal Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation Calcutta Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1st August, 1973 until further orders.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer
for Deputy Inspector General
of Police
Special Police Establishment

New Delhi, the 31st August 1973

No. PF/J-44/66-AD V.—Shri Johan Lobo, I.P.S. Officer of Maharashtra State on deputation to C.B.I., relinquished charge of the office of D.I.G., C.B.I., Head Office New Delhi on the forenoon of 10-8-1973.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (R)
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 25th August 1973

No. 25/1/73-RG(Ad.I).—The President is pleased to replace the services of Shri S. M. Nayak, Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Gujarat at the disposal of the Government of Gujarat with effect from the afternoon of the 17th July, 1973.

The 31st August 1973

No. 25/21/73-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri Shiv Lal Bahl, Section Officer in the Himachal Pradesh Secretariat, as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Himachal Pradesh with effect from the forenoon of the 10th July, 1973 in a temporary capacity until further orders.

2. His headquarters will be at Simla.

R. B. CHARI
Deputy Registrar General, India and
ex-officio Deputy Secretary to the Govt. of
India in the Ministry of Home Affairs

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 17th August 1973

No. E-29018(2)/5/73-Adm.I.—This office notification of even number dated 6-6-1973 in respect of Shri C. D. Kukreti, regarding relinquishment of charge of the post of Assistant Commandant No. 4 Battalion, Central Industrial Security Force with Headquarters at Durgam-1-5-1973 (Forenoon) and assumption of the charge of the post of Deputy Superintendent of Police, Central Industrial Security Force with Headquarters at Durgapur, with effect from the same date is hereby cancelled.

The 18th August 1973

No. E-29018(2)/5/73-Ad.I.—Shri K. K. Kaul Assistant Commandant No. 8 Battalion, Central Industrial Security Force, Gorakhpur relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 1st July, 1973 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 14 Battalion, Central Industrial Security Force, Gorakhpur with effect from the Forenoon of 1st July, 1973.

The 28th August 1973

No. E-38013(3)/19/73-Ad.I.—Shri R. K. Dixit Assistant Commandant No. 16th Battalion Central Industrial Security Force, Panna relinquished the charge of the post with effect from the Forenoon of 12-4-1973 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 13 Battalion Central Industrial Security Force with Headquarters at Panna with effect from the same date.

2. On transfer to Bokaro, Shri R. K. Dixit relinquished the charge of the post of Assistant Commandant No. 13 Battalion Central Industrial Security Force, Panna with effect from the afternoon of 8th July, 1973 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 5th Battalion Central Industrial Security Force, with Headquarters at Bokaro Steel City with effect from the forenoon of 18th July, 1973.

The 30th August 1973

No. E-38013(3)/19/73-Ad.I.—On transfer to Jharia, Shri Vinay Khullar Relinquished the charge of the post of the Assistant Commandant No. 5th Battalion Central Industrial Security Force, Bokaro Steel City with effect from the forenoon of 3rd July, 1973 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 19 Battalion, Central Industrial Security Force, Jharia with effect from the forenoon of 10th July, 1973.

No. E-38013(3)/28/73-Ad.I.—Shri Anthony Paulose, Assistant Commandant No. 21st Battalion, Central Industrial Security Force, Dewas relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 26th April, 1973 and assumed the charge of the post of Deputy Superintendent of Police (Intelligence Wing), Central Industrial Security Force with Headquarters at Dewas with effect from the same date.

L. S. BISHT
Inspector General
DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE
POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 29th August 1973

No. O II-894/73-Ests.—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. (Mrs) B. Satyaveni as Junior Medical Officer in CRP Force on an *ad hoc* basis w.e.f. the forenoon of the 22nd June, 1973 on *ad hoc* basis orders. She has been posted to Group Centre, CRP Force, New Delhi and has assumed charge of the post there w.e.f. the aforesaid date.

S. N. MATHUR
Assistant Director (Adm.)

DIRECTORATE OF CO-ORDINATION
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 31st August 1973

No. A 38/3/71-Wireless.—The appointment of Shri M. A. Kini as Extra Assistant Director (Store) on ad-hoc basis is extended for a further period of seven months upto 30-9-73 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A 38/3/71-Wireless.—The appointment of Shri M. N. Tikku as Extra Assistant Director (Maintenance) on ad-hoc basis is extended for a further period of seven months upto 30-9-73 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

C. P. JOSHI
Director Police Telecommunications

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER AND AUDITOR
GENERAL

New Delhi, the 28th August 1973

No. 760-CAT/34-73.—The Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to appoint Shri S. P. Gumber, a Section Officer (Commercial) of the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi, to officiate as Audit Officer (Commercial) and post him as such in the office of the Chief Auditor, Commercial, Bhopal under the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Bombay with effect from 11-7-73 (FN), until further orders.

S. D. BHATTACHARYA
Dy. Director
(Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 17th August 1973

No. Estt-A/VII/6-8/Vol-V/209.—The Accountant General, Kerala, is pleased to appoint the undermentioned officiating Accounts Officers of the Office of the Accountant General, Kerala in substantive capacity in the Accounts Officers Grade of Rs. 590-30 830-35-900 with effect from the dates noted against each.

1. Shri K. Gopalakrishnan Nair—1-3-1973.
2. Shri K. Subramonia Iyer (No. 1)—1-3-1973.
3. Shri Varghese Samuel—1-3-1973.
4. Smt. K. N. Leela—1-3-1973.
5. Shri P. Madhavan Nair—1-3-1973.
6. Shri G. Krishna Kurup—3-3-1973.

T. SETHUMADHAVAN
Dy. Accountant Genl.
(Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 22nd August, 1973

No. 68018(2)/71/A.N.-II.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1300-60-1600) of that service with effect from the dates shown against them until further orders, under 'Next Below Rule'.

Sl. No.	Name	Office/Deptt where Serving on deputation	Date of appointment
1.	Shri A.K. Ghosh .	Indian Agricultural Research Institute, New Delhi.	15-6-1973 (F.N.)
2.	Shri V. Radhakrishnan	Madras Atomic Power Project, Kalpakkam, Madras	23-6-73 (A.N.)

The 28th August, 1973

No. 40011(1)/73/A.N.—A—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned permanent Accountants as Accounts Officers in an officiating capacity with effect from the forenoon of the dates noted against each, until further orders.

Sl. No.	Name	Organisation in which serving	Date
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Shri P. L. Khatri	Controller of Defence Accounts, Patna	28-4-1973 (F.N.)
2.	Shri B. L. Dhawan	Controller of Defence Accounts, Patna	30-4-1973 (F.N.)
3.	Shri S. R. Ganguly	Controller of Defence Accounts, Patna	30-5-1973 (F.N.)
4.	Shri D. Gopalakrishnan	Controller of Defence Accounts, Patna	21-6-1973 (F.N.)
5.	Shri V. S. Prakasa Rao	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut	22-5-1973 (F.N.)
6.	Shri D. V. Behal	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	21-5-1973 (F.N.)
7.	Shri S. C. Bhattacharjee	Controller of Defence Accounts, Patna	21-5-1973 (F.N.)
	Shri V. Narayana Rao	Controller of Defence Accounts, Patna	5-6-1973 (F.N.)
9.	Shri K. P. Bhaskaran Nair	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.	22-5-1973 (F.N.)
10.	Shri Des Raj	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	13-7-1973 (F.N.)
11.	Shri T. S. Subramanyam	Controller of Defence Accounts (O.Rs) South, Madras.	25-6-1973 (F.N.)
12.	Shri B. K. Chakravarty	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	21-5-1973 (F.N.)
13.	Shri Munshi Ram Jain	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.	8-6-1973 (F.N.)

1	2	3	4
14. Shri P. V. Dange		Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.	15-6-1973 (F.N.)
15. Shri B. R. Vasudeva		Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.	15-6-1973 (F.N.)
16. Shri Veereswara Rao		Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	15-6-1973 (F.N.)
17. Shri M. G. Rama Verma		Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.	15-6-1973 (F.N.)
18. Shri Shadi Lal Verma		Controller of Defence Accounts, Jammu.	15-6-1973 (F.N.)
19. Shri T. R. Ganesan		Controller of Defence Accounts, Central Command Meerut.	6-7-1973 (F.N.)
20. Shri D. N. Dosh Pande		Controller of Defence Accounts (O.Rs) South, Madras.	15-6-1973 (F.N.)
21. Shri S. K. Dutta		Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	15-6-1973 (F.N.)
22. Shri Ram Prakash		Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut.	15-6-1973 (F.N.)
23. Shri B. C. Bose		Controller of Defence Accounts, Patna.	15-6-1973 (F.N.)
24. Shri R. K. Deb		Controller of Defence Accounts, Patna.	15-6-1973 (F.N.)
25. Shri Anup Singh Bhasin		Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	15-6-1973 (F.N.)
26. Shri S. P. Sharma		Controller of Defence Accounts (O.Rs) North, Meerut.	19-6-1973 (F.N.)
27. Shri O. D/Mello		Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	9-7-1973 (F.N.)
28. Shri V. R. Chari		Controller of Defence Accounts (O.R.s) South, Madras.	9-7-1973 (F.N.)
29. Shri R. N. Verma		Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	9-7-1973 (F.N.)
30. Shri P. S. Venkataraman		Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.	9-7-1973 (F.N.)
31. Shri N. K. Phanse		Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	9-7-1973 (F.N.)
32. Shri Amolak Raj		Controller of Defence Accounts, (O.Rs) North, Meerut.	9-7-1973 (F.N.)
33. Shri M. C. Lukose		Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	23-7-1973 (F.N.)

S. K. SUNDARAM,
Additional Controller General of Defence Accounts (A.N.)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
Calcutta, the 20th August 1973

No. 39/73/G.—Shri Timir Ranjan Dutta, Permt. Supdt., is appointed to officiate as Officer Supervisor until further orders, 7th May, 1973.

M. P. R. PILLAI
Asstt. Director General
Ordnance Factories

Calcutta, the 28th August 1973

No. 1/73/M.—On attaining the age of Superannuation (i.e. 58 years) the following Asstt. Surgeons Grade I, retired w.e.f. the date shown against each:—

1. Dr. S. N. Saxena, Permt. Asstt. Surgeon, Grade I, Gun Carriage Factory, Jabalpur. (15-2-73 (AN))
2. Dr. S. V. Darbhe, Permt. Asstt. Surgeon, Grade I, Ordnance Factory, Chanda. 5-5-73 (FN).

R. M. MAZUMDAR, Director General, Ordnance Fys.

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION
(DEPARTMENT OF LABOUR AND EMPLOYMENT)
COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION
Dhanbad, the 29th August 1973

No. Admn.13(129)71.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. G. N. Mishra, Jr Medical Officer, Central Hospital, Manendragarh relinquished charge on the afternoon of 24-8-71.

R. P. SINHA,
Coal Mines Welfare Commissioner,
Dhanbad.

DEPTT. OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &
DISPOSALS
(ADMN. BRANCH A-6)

New Delhi, the 28th August 1973

No. A-6/247(199)/59.—The President has been pleased to appoint Shri G. N. Gidwani, a permanent officer of

the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I and officiating in Gr. II of the service to officiate in Grade I of that service with effect from the forenoon of the 10th August, 1973 and until further orders.

Shri Gidwani relinquished charge of the post of Dy. Director of Inspection (Engg.) in the Madras Inspection Circle on the afternoon of 28-7-73 and assumed charge of the post of Director of Inspection in the Headquarters Office on the forenoon of 10-8-73.

The 29th August 1973

No. A-6/247(369)/62.—The President has been pleased to appoint Shri A. R. Halder, Insp. cting Officer, Textiles Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I to officiate as Deputy Director of Inspection in Textile Branch of Grade II of the Service with effect from the afternoon of the 28th July, '73, until further orders.

Shri Halder relinquished charge of the post of Insp. cting Officer (Tex) and assumed charge of the post of Dy. Director of Inspection (Tex) in the Calcutta Inspection Circle, Calcutta on the afternoon of the 28-7-73.

S. K. JOSHI
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 29th August 1973

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/241/54-Admn(G)/3548.—On his attaining the age of superannuation, Shri T. M. B. Nodurgad, permanent Joint Chief Controller (Non-CSS) relinquished charge of the post of Joint Chief Controller in the Office of the Chief Controller of Imports and Export (New Delhi, with effect from the forenoon of 27th July, 1973,

No. 6/598/60-Admn(G)/3571.—On attaining the age of superannuation, Shri J. Armstrong a permanent Section Officer of the C.S.S., relinquished charge of the post of Controller (CSS) in the office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi with effect from the afternoon of 21st July, 1973.

No. 6/422/53-Admn(G)/3583.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Sen, Controller of Imports & Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Calcutta, as officiating Dy. Chief Controller of Imports & Exports in that office, for the periods from 1-1-1973 to 31-1-1973 and from 2-2-1973 to 1-6-1973.

S. G. BOSE MULLICK,
Chief Controller of imports and exports

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER
Bombay-20, the 23rd August 1973

No. ESTI-2(604).—The Textile Commissioner is pleased to appoint Smt. R. H. Mehenti, Superintendent in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, as Assistant Director Grade II (N.T.) in the same office w.e.f. the 23rd April, 1973 to the 15th June, 1973.

No. ESTI-2(605).—The Textile Commissioner is pleased to appoint Smt. A. S. Killekar, Superintendent in the Office of the Textile Commissioner Bombay, as Assistant Director Grade II (N.T.) in the same office w.e.f. the 25th April, 1973 to the 8th June, 1973.

B. N. BASU, Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL & MINES
(DEPARTMENT OF STEEL)
IRON & STEEL CONTROL
Calcutta-20, the 18th August 1973

No. Admn. PF(168) (.).—On attaining the age of superannuation S/Snr B. N. Das and S. Gupta, Dy. Asstt. Iron & Steel Controllers, retired from service with effect from the afternoon of 31st July 1973.

MONI GHOSH
Asstt. Director (Administration)
for Iron & Steel Controller.

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES
Nagpur, the 24th August 1973

No. A19011(161)/72-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Gladys Kulkarni to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 4th August, 1973 until further orders.

The 1st September 1973

No. A19012(61)/73-Estt.A.—Shri Rm. Ramanathan, Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Assistant Mining Geologist, Indian Bureau of Mines on an ad-hoc basis with effect from the afternoon of 7th August, 1973.

No. A19011(145)/72-Estt.A.—On his resignation having been accepted by the Government, Shri Ujjal Bandyopadhyay, Assistant Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, has been relieved of his duties with effect from 18th June, 1973, afternoon.

A. K. RAGHAVACHARY,
Sr. Administrative Officer for Controller

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 16th July 1973

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, after Class 7—FIREWORKS, add the following, namely:

"Class 8—L.O.X. (Liquid Oxygen Explosives)"

The 26th July 1973

No. E-11(7).—In this Department's Notification No. E-11(7) dated the 11th July, 1969, Under Class 2—NITRATE MIXTURE, add the following after the entry "AQUADYNE", namely:

"AQUADYNE-II for carrying out trials at specified locations upto 31st March, 1974".

M. P. MUKHERJI,
Chief Controller of Explosives

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY
I.A.R.I.
(CHEMICAL ESTABLISHMENT)

New Delhi-12, the 17th August 1973

No. 17/1973.—Smt. Kokila Ramaswamy, Chemical Assistant Gr. I, Custom House Laboratory, Madras has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same laboratory with effect from the afternoon of 31st July, 1973 and until further order.

The 18th August 1973

No. 18/1973.—S/Shri U. S. Mukherjee and B. K. Saxena, Chemical Assistant Gr. I Government Oil & Alkaloid Works, Ghazipur have been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiners in the Custom House Laboratory, Calcutta with effect from the forenoon of July, 11th 1973 and 16th July, 1973 respectively and until further orders.

V. S. RAMANATHAN,
Chief Chemist, Central Revenues.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
New Delhi, the 29th August 1973

No. 29-69/73-CHS.I.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. A. L. Goyal as Junior Medical Officer in the Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of the 17th July, 1973 on an ad-hoc basis until further orders.

No. 29-71/73-CHS.I.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. S. D. Joshi as Junior Medical Officer in the Central Govt. Health Scheme, Nagpur with effect from the forenoon of the 18th August, 1973 on an ad-hoc basis until further orders.

The 30th August 1973

No. 7-118/73-CHS.II.—Consequent on the acceptance of her resignation, Dr. (Kumari) Anita Panda relinquished the charge of the post of Junior Medical Officer, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, on the forenoon of the 13th August, 1973.

No. 7-118/73-CHS.II.—Consequent on the acceptance of her resignation, Dr. (Kumari) Anita Panda relinquished the charge of the post of Junior Medical Officer, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, on the forenoon of the 13th August, 1973.

No. 29-75/73-CHSI.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. P. K. Bansal as Junior Medical Officer in the Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of the 16th July, 1973 on an *ad hoc* basis until further orders.

No. 29-66/73-CHSI.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. Raj Kumar Mittal as Junior Medical Officer in the Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of the 6th July, 1973 on an *ad hoc* basis until further orders.

The 31st August 1973

No. 29-61/73-CHSI.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. Bhal Singh Chhajed as Junior Medical Officer in the Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of the 16th July, 1973 on an *ad hoc* basis until further orders.

No. 29-77/73-CHSI.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. (Smt.) Bimla Kumar as Junior Medical Officer in the Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of the 28th July, 1973 on an *ad hoc* basis until further orders.

S. C. KUMAR,
Deputy Director, Administration (CHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE
DIRECTORATE OF EXTENSION
DIRECTORATE OF AGRICULTURAL AVIATION

New Delhi, the 29th August 1973

No. 1-21/73-Adm-I.—The undersigned is pleased to appoint Shri R. K. Chopra, Aircraft Mechanic in the Directorate of Agricultural Aviation, as Junior Aircraft Maintenance Engineer in the same Directorate in a temporary capacity on an *ad hoc* basis for a period of six months w.e.f. 1 Aug 73 (forenoon) or till such time as the candidate to be selected to this post by the UPSC becomes available, whichever is earlier.

S. P. SEN
Director of Agricultural Aviation

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi, the 20th August 1973

No. 5-9/72-Elstt.(I).—Shri Manohar Singh, S.A.S. Accountant of the office of the Director of Audit & Accounts P & T, Delhi will continue to officiate as Superintendent (Accounts) G.C.S. Class II (Gazetted) (Ministerial) in the scale of Rs. 450-25-575 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) beyond 30th June, 1973 upto 30th September, 1973.

N. K. DUTTA
Director of Administration

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 16th August 1973

No. PA/75(7)/73-R-IV.—In continuation of this Research Centre's Notification No. K/687/DRS/Estt.III/222 dated August 14, 1973, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri A. L. Krishnan, a permanent Storekeeper in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Stores Officer, in the same Research Centre, with effect from the forenoon of June 29, 1973, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 22nd August 1973

No. RRCII-1(89)/73-11379.—The Project Director, Reactor, Research Centre hereby appoints Shri PALLIAK-KARA KUNJUVARIED LAZAR KUTTY a permanent Stenographer of Bhabha Atomic Research Centre now working in Reactor Research Centre to officiate as Scientific Officer/Engineer Gr. SB (Translator) in the same Centre with effect from the forenoon of August 1, 1973 until further orders.

N. SWAMINATHAN
Sr. Administrative Officer

The 22nd August, 1973

No. A.32013/4/73-E.A.—The President is pleased to promote the following officers of the Civil Aviation Department to the grade of Deputy Director/Controller of Aerodromes, with effect from the dates noted against their names and until further orders:—

Sl. No.	Name	Date of promotion	Designation and station of posting
1.	Shri V. Sethuraman	14-8-73	Controller of Aerodromes, Delhi Airport, Palam.
2.	Shri H. S. Gulati	9-8-73	Controller of Aerodromes, Madras Airport, Madras.
3.	Shri S. Yadav	14-8-73	Deputy Director, Air Transport at Headquarters, on purely <i>ad hoc</i> basis.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

The 20th August 1973

No. A-19014/116/72-EH.—The President is pleased to permit Shri S. N. Kohli, Deputy Director, Aeronautical Inspection, to retire from Government service with effect from 14th August, 1973 (Afternoon) in terms of the provisions of R.R. 5b(k).

The 25th August 1973

No. A-19013/6/72-EH.—On attaining the age of superannuation, Shri A. V. Variak, Deputy Director General of Civil Aviation, in this Department retired from Government service with effect from 14-8-73 (A.N.)

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 18th August 1973

No. A.32013/5/71-EC.—The President is pleased to approve extension of *ad hoc* promotion of the under-mentioned Technical Officers in the Civil Aviation Department as Senior Technical Officer upto the 31st December, 1973 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier:—

Sl. No. and Name:

1. Shri P. L. Modgil.
2. Shri M. S. Krishnan.
3. Shri C. R. Narasingham.
4. Shri A. Narendra Nath.

2. The *ad hoc* promotion of the above mentioned officers was notified vide this office No. A.32013/5/71-EC, dated the 28th April, 1973.

The 1st September 1973

No. A.38012/1/73-EC.—The President has been pleased to permit Shri K. N. Gopalakrishnan Controller of Communication, Civil Aviation Department who is at present on deputation to International Civil Aviation Organisation to retire from the Government Service in terms of the provision of F.R. 56(k) with effect from the 16th August, 1973 Forenoon.

S. EKAMBARAM
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 28th August 1973

No. E(1)04159.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. S. Roy Burman, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 6th August, 1973 and until further orders.

Shri H. S. Roy Burman, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

C. G. BALASUBRAMANYAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS, WEST BENGAL

Calcutta, the 30th August 1973

No. 45.—Shri Manindra Naryan Basu, Superintendent of Central Excise Class II lately working as Superintendent (Prev.) in the office of the Deputy Collector of Central Excise and Customs, Siliguri retired from Govt. service with effect from the afternoon of 30th July, 1973.

No. 46.—On transfer, Shri Hemanta Kr. Das, Superintendent Class II lately working as Superintendent L.R. in the office of the Assistant Collector of Customs, Siliguri took over charge as Superintendent (Prev.) in the office of the Dy. Collector of Central Excise, Siliguri with effect from the afternoon of 30th July, 1973 vice Shri Manindra Naryan Basu, retired.

N. N. ROY CHOUDHURY
Collector of Central Excise and
Customs

CENTRAL WATER & POWER COMMISSION

(POWER WING)

New Delhi-22, the 29th August 1973

No. 1/45/73-Adm.III(PW).—The Chairman, C.W. & P.C. appoints Shri Murli Manohar Iyer as Indian Interpreter in the scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-830 in the C.W. & P.C. (PW) New Delhi with effect from the forenoon of 18th August, 1973 until further orders.

M. S. PATHAK
Under Secy.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES MAHARASHTRA

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Belmar Trading Company Private Limited*

Bombay, the 29th August 1973

No. 9802/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Belmar Trading Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Kedarnath Onkarmal and Company Private
Limited*

Bombay-2, the 29th August 1973

No. 3711/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kedarnath Onkarmal and Companies Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU
Asstt. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1950, and of
Group Engineers & Builders Private Limited*

Shillong-1, the 25th August 1973

No. 1258/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of Group Engineers & Builders Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

T. K. S. BISWAS
Registrar of Companies,
Assam, Tripura, Manipur and Nagaland
Shillong-1

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
New Industrial Syndicate Private Limited*

Calcutta, the 28th August 1973

No. 24085/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the New Industrial Syndicate Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Lock Joint India Limited*

Delhi, the 27th August 1973

No. 4383/8640.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Lock Joint India Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. K. JAIN
Asstt. Registrar of Companies
Delhi and Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Nellai Publishing House Limited*

Madras-6, the 30th August 1973

No. 1899/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Nellai Publishing House Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Y. SATYANARAYANA
Assistant Registrar of Companies

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 27th August 1973

No. F.48-Ad(AT)/73.—Shri N. N. Nayak, Officer-in-Charge, General and Miscellaneous Section, Collectorate, Kalahandi is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal Jabalpur Bench, Jabalpur in a temporary capacity with effect from 18-8-1973 (Forenoon) in the scale of Rs. 400-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-85-900 until further orders.

He will be on probation for two years with effect from the 18th August, 1973 forenoon.

HERNAM SHANKAR
President
Income-Tax Appellate Tribunal

BY THE COMMISSIONER OF INCOME TAX,
BOMBAY CITY I, BOMBAY

INCOME TAX ESTABLISHMENT GAZETTED
Bombay, the 30th August 1973

No. 792.—In exercise of the powers conferred by the sub-section (2) of the section 117 of the Act of 1961 (Act 43 of 1961) I, the section 117 of the Act of 1961 (Act 43 of 1961) I, Shri O.V. Kuruvilla, Commissioner of Income-tax, Bombay City-1, Bombay have appointed the undermentioned Inspectors of Income-tax to officiate as Income-tax Officers Class-II with effect from the date shown against their names and until further orders.

1. Shri B. A. Gangurde Inspector AV Ward, Bombay 30-5-1973. A/N.
2. Shri S. M. Shringarpure Inspector A-IV Ward, Bombay 29-5-73.F/N.
3. Shri R. K. Gupta. Inspector CII Ward, Bombay 28-5-73 A/N.
4. Shri L. N. Joy. Inspector BSD (West), Bombay 30-5-73 F/N.
5. Miss S. C. Chatrapati. Inspector C III Ward, B'bay 29-5-73. F/N.

2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad.V. dated 25-4-64 from the Govt. of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary be extended beyond the above period their confirmation and/or retention in the post will depend upon their successful completion of the probationary period.

3. Their appointments are made on a purely temporary and provisional basis and liable to termination at any time without notice.

O. V. KURUVILLA
Commissioner of Income-tax

INCOME TAX ESTABLISHMENT

Bombay, the 30th August 1973

No.795.—In exercise of the powers conferred by the sub-section (2) of the section 117 of the Act, of 1961 (Act 43 of 1961) I, Shri B. S. Nadkarni, Commissioner of Income-tax, Bombay City-II, Bombay have appointed the undermentioned Inspectors of Income-tax to officiate as Income-tax Officer, Class-II with effect from the date shown against their name and until further orders.

1. Shri V. K. Nambhothiri Inspector E-Ward, Bombay 29-5-73 (FN).
2. Shri K. A. Menon, Inspector, E-Ward, Bombay. 29-5-73(FN).

They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad.V dated 25-4-64 from the Govt. of India, Ministry of Finance, (Deptt. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary be extended beyond the above period. Their confirmation and/or retention in the post will depend upon successful completion of the probationary period.

Their appointment are made on a purely temporary and provisional basis and liable to termination at any time without notice.

B. S. NADKARNI
Commissioner of Income-tax

Bombay, the 17th August 1973

No. 796.—In exercise of the powers conferred by the sub-section(2) of the section 117 of the Act, of 1961 (Act 43 of 1961) I, Shri A.J. D'Souza, Commissioner of Income-tax, Bombay City-VI, Bombay have appointed the undermentioned Inspector of Income-tax to officiate as Income-tax Officer, Class-II with effect from the date shown against his name and until further orders.

Shri. T. R. Prasad. Inspector Com.Cir.III Bombay. 29-5-1973 (F.N.).

He will be on probation for a period of two years in terms of letter F.No. 22/3/64-Ad.V. dated 25-4-64 from the Govt. of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary be extended beyond the above period. His confirmation and/or retention in the successful completion of the probationary period.

His appointment is made on a purely temporary and provisional basis and liable to termination at any time without notice.

A. J. D'SOUZA
Commissioner of Income-tax

Cochin-682016, the 12th July 1973

Order No. 1/73-74

C. No. 1 (19) (B) G.L./73-74:—In exercise of the powers conferred on me under sub-sections (1) and (2) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all the previous notifications under this section issued in this behalf from time to time, I, the Commissioner of Income tax, Kerala, hereby direct that with effect from the forenoon of the 1st day of August, 1973, the Income tax Officers mentioned in column 3 attached to the Income tax Circles specified in Column 2 of the Schedule appended hereto shall have concurrent jurisdiction over the Circles to which they are attached, to exercise the functions of an Income-tax Officer to be specified in an order issued separately, in respect of the areas, persons, classes of income, cases or classes of cases mentioned in Column 4 of the said Schedule, relating to the respective Circles.

Schedule

Sl. No.	Name of Circle	Designation of the Income-tax Officer	Area of Jurisdiction
1	2	3	4
1.	Cannanore	(i) Income tax officer, A-Ward. (ii) Income-tax Officer, B-Ward. (iii) Income-tax Officer, C-Ward. (iv) Income-tax Officer, Collection.	I. All persons other than those assigned specifically to any other Income-tax Officers under Sec. 124, Sec. 126 or Sec. 127 of the Income-tax Act, 1961 within (i) the Revenue District of Cannanore, (ii) the Territory of Mahe forming part of the Union Territory of Pondicherry. II. All other cases specifically assigned u/s. 124, u/s. 126 and u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.
2.	Calicut	(i) Income-tax Officer, Administration. (ii) Income tax Officer, Assessment (Companies) (iii) Income-tax Officer, Assessment—I. (iv) Income-tax Officer, Assessment—II. (v) Income-tax Officer, Assessment—III. (vi) Income-tax Officer, Assessment—IV. (vii) Income-tax Officer, Assessment—V. (viii) Income-tax Officer, Assessment—VI. (ix) Income-tax Officer, Collection (x) Income-tax Officer, Collection (Additional).	I. All persons other than those assigned specifically to any other Income tax Officers under Sec. 124, u/s. 126 or u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961 within (i) the Revenue District of Kozhikode. (ii) Eranad Taluk and Tirur Taluk in Malappuram District. (iii) Union Territories of Laccadives, Minicoy and Aminidive Islands AND (iv) All cases of Companies within the territorial Jurisdiction of the Income-tax Circle, Cannanore. (iv) a. All Managing Agents and Directors holding substantial interest within the meaning of section 2 (22) (e) of the Income-tax Act, 1961, of the Companies falling within the areas mentioned above who are residents in Kerala. II. All other cases specifically assigned u/s. 124, u/s. 126 and u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.
3.	Palghat.	(i) Income-tax Officer, A-Ward. (ii) Income-tax Officer, B-Ward. (iii) Income-tax Officer, C-Ward.	I. All persons other than those assigned specifically to any other Income-tax Officers under sec. 124, u/s. 126 or u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961., within (i) the Revenue District of Palghat. AND (ii) the Revenue Taluks of Ponnani and Perinthalmanna in Malappuram Revenue District. II. All other cases specifically assigned u/s. 124, u/s. 126 and u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.
4.	Trichur	(i) Income-tax Officer, A-Ward. (ii) Income-tax Officer, B-Ward. (iii) Income-tax Officer, C-Ward. (iv) Income-tax Officer, D-Ward. (v) Income-tax Officer, E-Ward	I. All persons other than those assigned specifically to any other Income-tax Officers u/s. 124, u/s. 126 or u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961, within. (i) the Revenue District of Trichur. AND (ii) All cases of Companies within the territorial jurisdiction of the Income-tax Circle, Palghat. (ii) a. All Managing Agents and Directors holding substantial interest within the meaning of section 2(22) (e) of the Income-tax Act 1961, of the Companies falling within the areas mentioned above who are residents in Kerala.

1	2	3	4
			II. All other cases specifically assigned u/s. 124, u/s. 126 and u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.
5.	Alwaye.	(i) Income-tax Officer, A-Ward (ii) Income-tax Officer, B-Ward (iii) Income-tax Officer, C-Ward	I. All persons other than those assigned specifically to any other Income-tax Officers u/s. 124, u/s. 126 or u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961. within (i) the Revenue Taluks of Alwaye, Kunnathunad, Moovattupuzha, Kothamangalam, and North Parur in Ernakulam District., Thodupuzha and Devikulam in Idikki District AND Vaikom in Kottayam District. (ii) All cases of employees of Messrs. F. A.C.T. Ltd., Udyogamandal and Messrs. T.C.C. Ltd., Alwaye. II. All other cases specifically assigned u/s. 124, u/s. 126 and u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.
6.	Ernakulam.	(i) Income-tax Officer, A-Ward. (ii) Income-tax Officer, B-Ward. (iii) Income-tax Officer, C-Ward	I. All persons other than those assigned specifically assigned to any other Income-tax Officers u/s. 124, u/s. 126 or u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961. within, the Revenue District of Ernakulam (other than the areas allotted to the Income-tax Circle, Alwaye and Mattancherry). II. All other cases specifically assigned u/s. 124, u/s. 126 and u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.
		(iv) Income-tax Officer, A-Ward, Companies Circle.	I. (i) All cases of Companies within the territorial jurisdiction of the following Income-tax Circles, Allepey, Alwaye, Ernakulam, Kottayam, Mattancherry, AND Tiruvalla.
		(v) Income-tax Officer, B-Ward, Companies Circle	(ii) All Managing Agents and Directors holding substantial interest within the meaning of section 2 (22) (e) of the Income-tax Act, 1961, of the Companies falling within the areas mentioned above who are residents in Kerala.
			II. All other cases specifically assigned u/s. 124 u/s. 126 and u/s. 127 the Income-tax Act, 1961.
		(vi) Income-tax Officer, Central Circle.	All cases assigned or deemed to have been assigned under section 126 or 127 or both of the Income-tax Act, 1961.
		(vii) Income-tax Officer, Special Circle.	All cases assigned or deemed to have been assigned under section 126 or 127 or both of the Income-tax Act, 1961.
		(viii) Income-tax Officer, A-Ward, Salary Circle.	I. All salary earners (excluding Central and State Government employees under the audit control of the Accountant General, Kerala) other than those assigned to any other Income-tax Officers under section 124, Sec. 126 or Sec. 127 of the Income tax Act, 1961 within the jurisdiction of the Income-tax Circle., Alwaye, Ernakulam, and Mattancherry.
		(ix) Income-tax Officer, B-Ward, Salary Circle.	(ii) All the employees of the Income-tax Department in Kerala. (iii) All Estate Superintendents and Assistant Superintendents of Malayalam Plantations Ltd., Quilon, stationed in the State of Kerala and also the Executive Staff of the Wentworth and Mayfield Estates in Nilgiris, Madras State under the control of the Malayalam Plantations Ltd., Quilon.

1	2	3	4
			II. All other cases specifically assigned u/s. 124, u/s. 126 and u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.
7. Mattancherry	(i) Income-tax Officer, A-Ward. (ii) Income-tax Officer, B-Ward. (iii) Income-tax Officer, Collection		I. All persons other than those assigned specifically to any other Income-tax Officers u/s. 124, u/s. 126 or u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961, within (i) Mattancherry Municipal Town, (ii) Wellington Island, (iii) Fort Cochin. II. All other cases specifically assigned u/s. 124, u/s. 126 and u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.
8. Kottayam.	(i) Income-tax Officer, A-Ward. (ii) Income-tax Officer, B-Ward. (iii) Income-tax Officer, C-Ward (iv) Income-tax Officer, D-Ward (v) Income-tax Officer, E-Ward.		I. All persons other than those assigned specifically to any other Income-tax Officer u/s. 124, u/s. 126 or u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961, within (i) the Revenue District of Kottayam excluding Vaikom and Changanacherry Revenue Taluks AND (ii) the Revenue Taluks of Peerumade, Nedumkandem and Udumbanchola in Idikki District. II. All other cases specifically assigned u/s. 124, u/s. 126 and u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.
9. Alleppey	(i) Income-tax Officer, A-Ward. (ii) Income-tax Officer, B-Ward. (iii) Income-tax Officer, C-Ward.		I. All persons other than those assigned specifically to any other Income-tax Officers u/s. 124, u/s. 126 or u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961, within (i) the Revenue District of Alleppey excluding Tiruvalla, Mavelikkara and Chengannur Revenue Taluks AND (ii) The Revenue Taluk of Karunagappilly in Quilon District. II. All other cases specifically assigned u/s. 124, u/s. 126 and u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.
10. Tiruvalla	(i) Income-tax Officer, A-Ward. (ii) Income-tax Officer, B-Ward.		I. All persons other than those assigned specifically to any other Income-tax Officers u/s. 124, u/s. 126 or u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961, within (i) the Revenue Taluks of Tiruvalla, Mavelikkara and Chengannur in Alleppey District. (ii) the Revenue Taluk of Pathanamthitta in Quilon District AND (iii) the Revenue Taluk of Changanacherry in Kottayam District. II. All other cases specifically assigned u/s. 124, u/s. 126 and u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.
11. Quilon	(i) Income-tax Officer, A-Ward. (ii) Income-tax Officer, B-Ward. (iii) Income-tax Officer, C-Ward.		I. All persons other than those assigned specifically to any other Income-tax Officers u/s. 124, u/s. 126 or u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961, within the Revenue District of Quilon excluding Revenue Taluks of Pathanamthitta and Karunagapally. II. All other cases specifically assigned u/s. 124, u/s. 126 and u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.
12. Trivandrum.	(i) Income-tax Officer, A-Ward. (ii) Income-tax Officer, B-Ward. (iii) Income-tax Officer, C-Ward. (iv) Income-tax Officer, Collection.		I. All persons other than those assigned specifically to any other Income-tax Officers u/s. 124, u/s. 126 or u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961, within (i) the Revenue District of Trivandrum. (ii) All cases of Companies falling within the territorial jurisdiction of the Income-tax Circle Quilon. (ii) a. All Managing Agents and Directors holding substantial interest within the meaning of Sec. 2(22) (c) of the Income-tax Act, 1961 of the Companies falling within the areas mentioned above who are residents in Kerala. II. All other cases specifically assigned u/s. 124, u/s. 126 and u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.

1	2	3	4
		(v) Income-tax Officer, A-Ward, Salary Circle. (vi) Income-tax Officer, B-Ward, Salary Circle.	I. All Government servants (Central and State Government) under the audit control of the Accountant General, Kerala, and all salary earners other than those assigned to any other Income-tax Officers u/s. 124, u/s. 126 or u/s. 127 of the Income-tax Act, 1961, within the Territorial jurisdiction of Income-tax Circle, Trivandrum. II. All other cases specifically assigned under section 126 and under section 127 of the Income-tax Act, 1961.
			(S. T. TIRUMALACHARI Commissioner of Income-tax Kerala, Cochin-16

Office of the Commissioner of Incometax,

Cochin-682016, dated the 12th July, 1973

Order No. 2/73-74.

Order under Section 124(2) of the Incometax Act, 1961

C. No. 1(9) (B) G.L./73-74:—In supersession of all the previous orders issued in this behalf, I, the Commissioner of Incometax, Kerala, hereby direct that with effect from the fore-noon of the 1st day of August, 1973, the Incometax Officers mentioned below shall perform the functions mentioned in column 2 or 3 (or both) of the Schedule given below, in respect of the areas, persons, classes of persons, income, classes of income, cases or classes of cases mentioned in this office Notification C. No. 1 (9) (B) GL/73-74 (Order No. 1/73-74) dated 12-7-1973, relating to the respective circles:—

Col. No. 1	Col. No. 2	Col. No. 3
Designation of the Incometax Officer.	All functions of an Incometax Officer other than those mentioned in Col. 3 of the Schedule.	All functions relating to the Collection and Recovery of tax as detailed in Chapter XVII of the Incometax Act, 1961 (except functions under sec. 194, 195 and 197, 214 and 217) and issue of Notice of Demand u/s. 156 in respect of tax, interest, penalty, fine or any other sum payable in consequence of an order passed by him under any of the provisions of Chapter XVII of the Incometax Act.
<i>Incometax Circle, Cannanore.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Cannanore.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Do.
Incometax Officer, B-Ward, Cannanore.	Do.	Do.
Incometax Officer, C-Ward, Cannanore.	Do.	Do.
Incometax Officer, Collection, Incometax Circle, Cannanore.	Do.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Incometax Circle, Palghat.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Palghat.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Do.
Incometax Officer, B-Ward, Palghat.	Do.	Do.
Incometax Officer, C-Ward, Palghat.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above
<i>Incometax Circle, Trichur.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Trichur.	Functions mentioned in Col. No. 2 above	—
Incometax Officer, B-Ward, Trichur.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Trichur.	Do.	—
Incometax Officer, D-Ward, Trichur.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above
Incometax Officer, E-Ward, Trichur	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—

1	2	3
<i>Incometax Circle, Alwaye.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Alwaye.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Alwaye.	Do.	Do.
Incometax Officer, C-Ward, Alwaye.	Do.	Do.
<i>Incometax Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Ernakulam.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Ernakulam.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Companies Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Companies Circle, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Companies Circle, Ernakulam.	Do.	Do.
<i>Central Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, Central Circle, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Special Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, Special Circle, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Salary Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Salary Circle, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Salary Circle, Ernakulam.	Do.	Do.
<i>Incometax Circle, Mattancherry.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Mattancherry.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Mattancherry.	Do.	—
Incometax Officer, Collection, Incometax Circle, Mattancherry.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Incometax Circle, Kottayam.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Kottayam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Kottayam.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Kottayam.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, D-Ward, Kottayam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, E-Ward, Kottayam.	Do.	—
<i>Incometax Circle, Alleppey.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Alleppey.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Alleppey.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Alleppey.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.

1	2	3
<i>Incometax Circle, Tiruvalla.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Tiruvalla.	Functions mentioned in Col. No. 2 Above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Tiruvalla.	Do.	Do.
<i>Incometax Circle, Quilon.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Quilon.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Quilon.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Quilon.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Incometax Circle, Trivandrum.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Trivandrum.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Trivandrum.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Trivandrum.	Do.	—
Incometax Officer, Collection, Incometax Circle, Trivandrum.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Salary Circle, Trivandrum.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Salary Circle, Trivandrum.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Salary Circle, Trivandrum.	Do.	Do.

S. T. TIRUMALACHARI
Commissioner of Incometax

Office of the Commissioner of Wealth-Tax Kerala

Cochin-682016, the 12th July 1973

Order under Section 8 of the Wealth-Tax Act, 1957

Order No. 3/73-74.

C. No. 1(9) (B) G.L./73-74—In supersession of all the previous orders issued in this behalf, I, the Commissioner of Wealth-tax, Kerala, hereby direct that with effect from the fore-noon of the 1st day of August, 1973, the Incometax Officers mentioned below shall perform the functions mentioned in column 2 or 3 (or both) of the Schedule given below, in respect of the area, persons, classes of persons, income, classes of income, cases or classes of cases mentioned in this Office Notification C. No. 1(9) (B) G.L./73-74 (Order No. 1/73-74) dated 12-7-73 relating to the respective circles.

SCHEDULE

Col. No. 1	Col. No. 2	Col. No. 3
Designation of the Incometax Officer.	All functions of a Wealth-tax Officer other than those mentioned in Col. 3 of the Schedule.	All functions of a Wealth-tax Officer under Chapter VII of the Wealth-tax Act, 1957 including issued of notice of demand u/s. 30 of the Act in respect of tax, interest, penalty, fine or any other sum payable in consequence of any order passed under any provisions of the other Chapter of the Wealth-Tax Act, 1957.
<i>Incometax Circle, Cannanore.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Cannanore.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Cannanore.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Cannanore.	Do.	—
Incometax Officer, Collection, Incometax Circle, Cannanore.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Incometax Circle, Palghat.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Palghat.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—

1	2	3
Incometax Officer, B-Ward, Palghat.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Palghat.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Incometax Circle, Trichur.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Trichur.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Trichur.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Trichur.	Do.	—
Incometax Officer, D-Ward, Trichur.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, E-Ward, Trichur.	Do.	—
<i>Incometax Circle, Alwaye.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Alwaye.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Alwaye.	Do.	Do.
Incometax Officer, C-Ward, Alwaye.	Do.	Do.
<i>Incometax Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Ernakulam.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Ernakulam.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Companies Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Companies Circle, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Companies Circle, Ernakulam.	Do.	Do.
<i>Central Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, Central Circle, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Special Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, Special Circle, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Salary Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Salary Circle, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Salary Circle, Ernakulam.	Do.	Do.
<i>Incometax Circle, Mattancherry.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Mattancherry.	Functions mentioned in Col. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, I Mattancherry.	Do.	—
Incometax Officer, Collection, Incometax Circle, Mattancherry.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Incometax Circle, Kottayam.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Kottayam.	Functions mentioned in Col. 2 above.	
Incometax Officer, B-Ward, Kottayam.	Do.	

1	2	3
Incometax Officer, C-Ward, Kottayam.	—	Functions mentioned in Col. 1 & 3 above.
Incometax Officer, D-Ward, Kottayam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, E-Ward, Kottayam.	Do.	—
<i>Incometax Circle, Alleppey.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Alleppey.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Alleppey.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Alleppey.	—	Functions mentioned in Col. 3 above.
<i>Incometax Circle, Tiruvalla.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Tiruvalla.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Tiruvalla.	Do.	Do.
<i>Incometax Circle, Quilon.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Quilon.	Functions mentioned in Col. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Quilon.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Quilon.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Incometax Circle, Trivandrum.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Trivandrum.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Trivandrum.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Trivandrum.	Do.	—
Incometax Officer, Collection, Incometax Circle, Trivandrum.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Salary Circle, Trivandrum.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Salary Circle, Trivandrum.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Salary Circle, Trivandrum.	Do.	Do.

S. T. TIRUMALACHARI,
Commissioner of Wealth-tax,
Kerala, Cochin-16.

Office of the Commissioner of Gift-tax, Kerala
Cochin-682016, the 12th July, 1973
Order Under Section 7 of the Gift-Tax, Act, 1958

Order No. 4/73-74.
C. No. 1 (9) (B) G.L./73-74—In supersession of all the previous orders issued in this behalf, I, the Commissioner of Gift-tax, Kerala, hereby direct that with effect from the fore-noon of the 1st day of August, 1973, the Incometax Officers mentioned below shall perform the functions mentioned in Col. 2 or 3 (or both) of the Schedule given below, in respect of the area, persons, classes of persons, income, classes of income, cases or classes of cases mentioned in this office Notification C. No. 1(9)(B)GL/73-74 (order No. 1/73-74) dated 12-7-73 relating to the respective circles.

SCHEDULE

Col. No. 1	Col. No. 2	Col. No. 3
Designation of the Incometax Officer.	All function of a Gift-tax Officer other than those mentioned in Col. 3 of the Schedule.	All functions of a Gift-tax Officer under Chapter VII of the Gift-tax, Act, 1958 including issue of notice of demand under Sec. 31 of the Act in respect of tax, interest, penalty, fine or any other sum payable in consequence of any order passed under any provisions of the other Chapters of the Gift-tax 1958.

1	2	3
<i>Incometax Circle, Cannanore.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Cannanore.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Cannanore.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Cannanore.	Do.	—
Incometax Officer, Collection, Incometax Circle, Cannanore.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Incometax Circle, Palghat.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Palghat.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Palghat.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Palghat.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Incometax Circle, Trichur.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Trichur.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Trichur.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Trichur.	Do.	—
Incometax Officer, D-Ward, Trichur.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, E-Ward, Trichur.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
<i>Incometax Circle, Alwaye.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Alwaye.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Alwaye.	Do.	Do.
Incometax Officer, C-Ward, Alwaye.	Do.	Do.
<i>Incometax Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Ernakulam.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Ernakulam.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Companies Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Companies Circle, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Companies Circle, Ernakulam.	Do.	Do.
<i>Central Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, Central Circle, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Special Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, Special Circle, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Salary Circle, Ernakulam.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Salary Circle, Ernakulam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Salary Circle, Ernakulam.	Do.	Do.

1	2	3
<i>Incometax Circle, Mattancherry.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Mattancherry.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Mattancherry.	Do.	—
Incometax Officer, Collection, Incometax Circle, Mattancherry.	—	Functions mentioned in Col. No. 3. in above.
<i>Incometax Circle, Kottayam.</i>		
Incometax Officer, A-Ward Kottayam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Kottayam.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Kottayam.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, D-Ward, Kottayam.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, E-Ward. Kottayam.	Do.	—
<i>Incometax Circle, Alleppey.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Alleppey.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Alleppey.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Alleppey.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Incometax Circle, Tiruvalla.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Tiruvalla.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Tiruvalla.	Do.	Do.
<i>Incometax Circle, Quilon.</i>		
Incometax Officer, A-Ward Quilon.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Quilon.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Quilon.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Incometax Circle, Trivandrum.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Trivandrum.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	—
Incometax Officer, B-Ward, Trivandrum.	Do.	—
Incometax Officer, C-Ward, Trivandrum.	Do.	—
Incometax Officer, Collection, Incometax Circle, Trivandrum.	—	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
<i>Salary Circle, Trivandrum.</i>		
Incometax Officer, A-Ward, Salary Circle, Trivandrum.	Functions mentioned in Col. No. 2 above.	Functions mentioned in Col. No. 3 above.
Incometax Officer, B-Ward, Salary Circle, Trivandrum.	Do.	Do.

Office of the Commissioner of Incometax,

Kerala, Post Bag No, 1758

Cochin-682016, the 12th July 1973

Order No. 5/73-74

Order under Section 124 (2) of the Incometax Act, 1961

C. No. 1(9) (B) GL/73-74.—In supersession of the previous orders issued in this behalf, I, the Commissioner of Incometax, Kerala, hereby direct that with effect from the fore noon of the 1st day of August, 1973, the Incometax Officers mentioned below shall form the functions mentioned in column 2, 3 or 4 of the Schedule given below, in respect of the areas, persons, classes of persons, income, classes of income, cases or classes of cases mentioned in this Office Notification C. No. 1(9) (B) GL/73-74 (Order No. 1/73-74) dated 12-7-1973 relating to Calicut Circle.

SCHEDULE

Col. No. 1	Col. No. 2	Col. No. 3	Col. No. 4
Designation of the Incometax Officer	Functions to be performed	Functions to be performed	Functions to be performed
<i>Incometax Circle, Calicut.</i>			
(i) Incometax Officer, Administration.	I. General Administration	—	—
	II. All functions of an Incometax Officer for imposition of penalty u/s 140(A)(3) and issue of notice of demand u/s. 156 in respect of such penalty orders.		
(ii) Incometax Officer, Assessment (Companies)	—	All functions of an Incometax Officer other than those allotted to the Incometax Officer, Collection, Incometax Officer, Collection, (Addl.) and Incometax Officer, Administration.	—
(iii) Incometax Officer, Assessment-I.	—	Do.	—
(iv) Incometax Officer, Assessment-II.	—	Do.	—
(v) Incometax Officer, Assessment-III.	—	All functions of an Incometax Officer other than those allotted to the Incometax Officer, Collection, Incometax Officer, Collection (Addl.) and Incometax Officer (Administration).	—
(vi) Incometax Officer, Assessment-IV.	—	Do.	—
(vii) Incometax Officer, Assessment-V.	—	Do.	—
(viii) Incometax Officer, Assessment-VI.	—	Do.	—
(ix) Incometax Officer, Collection.	—	—	All functions relating to the Collection and Recovery of tax as detailed in Chapter XVII of the Incometax Act, 1961 except functions u/s. 194, 195 (2) and 197 and issue of notices of demand u/s. 156 in respect of tax, interest, penalty, fine or any other sum payable in consequence of an order passed under the provisions of Chapter XVII of the Incometax Act, 1961.
(x) Incometax Officer, Collection (Addl.)	—	—	Do.

S. T. TIRUMALACHIARI
Commissioner of Incometax
Kerala, Cochin-16

Cochin-682016, the 12th July, 1973

Order No. 6/73-74

Order under Section 8 of the Wealth Tax Act, 1957

C. No. 1 (9) (B) GL/73-74 —In supersession of the previous orders issued in this behalf, I, the Commissioner of Wealth-tax Kerala, hereby direct that with effect from the fore-noon of the 1st day of August, 1973, the Incometax Officers mentioned below shall perform the functions mentioned in column 2, 3 or 4 of the Schedule given below, in respect of the aircas, persons, classes of persons, income, classes of income, cases or classes of cases mentioned in this Office Notification C. No. 1 (9) (B) GL/73-74 (Order No. 1/73-74) dated 12-7-1973 relating to Calicut Circle.

SCHEDULE

Col. No. 1	Col. No. 2	Col. No. 3	Col. No. 4
Designation of the Incometax Officer	Functions to be performed	Functions to be performed	Functions to be performed
<i>Incometax Circle, Calicut.</i>			
(i) Incometax Officer, Administration.	I. General Administration.	—	—
	II. The functions of a Wealth-tax Officer for imposition of penalty under sec. 15(B)(3) of the Wealth-tax Act and issue of Notice of Demand u/s. 30 of the Act in respect of such penalty orders.		
(ii) Incometax Officer, Assessment (Companies)	—	All functions of a Wealth-tax Officer other than those allotted to the Incometax Officers, Collection, Collection (Additional) and Incometax Officer, Administration and including the function of issue of notice of demand u/s. 30 of the Wealth-tax Act in respect of taxes etc. as per the orders passed by him.	—
(iii) Incometax Officer, Assessment-I.	—	Do.	—
(iv) Incometax Officer, Assessment-II.	—	All functions of a Wealth-tax Officer other than those allotted to the Incometax Officers, Collection, Collection (Additional) and Incometax Officer, Administration and including the function of issue of notice of demand u/s. 30 of the Wealth-tax Act in respect of taxes etc. as per the orders passed by him.	—
(v) Incometax Officer, Assessment-III.	—	Do.	—
(vi) Incometax Officer, Assessment -IV.	—	Do.	—
(vii) Incometax Officer, Assessment-V.	—	Do.	—
(viii) Incometax Officer, Assessment-VI.	—	Do.	—
(ix) Incometax Officer, Collection.	—	—	All functions of a Wealth-tax Officer under Chapter VII of the Wealth-tax Act, 1957.
(x) Incometax Officer, Collection (Addl.)	—	—	Do.

S. T. TIRUMALACHARI
Commissioner of Wealth-tax
Kerala, Cochin-16

Office of the Commissioner of Gift-tax,

Kerala

Order No. 7/73-74.

Cochin-682016, the 12th July, 1973.

Order under Section 7 of the Gift-tax Act, 1958.

C. No. 1 (9) (B) GL/73-74—In supersession of the previous orders issued in this behalf, I, the Commissioner of Gift-tax, Kerala, hereby direct that with effect from the forenoon of the 1st day of August, 1973 the Incometax Officers mentioned below shall perform the functions mentioned in Column. 2, 3 or 4 of the Schedule given below, in respect of the areas, persons, classes of persons, income, classes of income, cases or classes of cases mentioned in this Office Notification C. No. 1(9)(B)GL/73-74 (Order No. 1/73-74) dated 12-7-1973 relating to Calicut Circle.

SCHEDULE

Col. No. 1	Col. No. 2	Col. No. 3	Col. No. 4
Designation of the Incometax Officer	Functions to be performed	Functions to be performed	Functions to be performed
<i>Incometax Circle, Calicut.</i>			
(i) Incometax Office, Administration.	General Administration.	—	—
(ii) Incometax Officer, Assessment (Companies)	—	All functions of a Gift-tax Officer other than those allotted to the Incometax Officers, Collection and Collection (Additional) and including the function of issue of notice of demand u/s. 31 of the Gift-tax Act, 1958 in respect of taxes, etc. as per the orders passed by him.	—
(iii) Incometax Officer, Assessment-I.	—	Do.	—
(iv) Incometax Officer, Assessment-II.	—	Do.	—
(v) Incometax Officer, Assessment-III.	—	Do.	—
(vi) Incometax Officer, Assessment-IV.	—	All functions of a Gift-tax Officer other than those allotted to the Incometax Officers, Collection and Collection (Additional) and including the function of issue of Notice of demand u/s. 31 of the Gift-tax Act, 1958 in respect of taxes, etc. as per the orders passed by him.	—
(vii) Incometax Officer, Assessment-V.	—	Do.	—
(viii) Incometax Officer, Assessment-VI.	—	Do.	—
(ix) Incometax Officer, Collection.	—	—	All functions of Gift-tax Officer under Chapter VI of the Gift-tax Act, 1958.
(x) Incometax Officer, Collection (Addl.)	—	—	Do.

S. T. TIRUMALACHARI
Commissioner of Gift-tax
Kerala, Cochin-16

Office of the Commissioner of Incometax

Order No. 8/73-74.

Order under Section 124 of the Incometax Act, 1961.

Cochin-16, the 12th July 1973

C. No. 1 (9) (B) G.L./73-74:—In exercise of the powers conferred on me under Section 124(2) of the Incometax Act, 1961, I, the Commissioner of Incometax, Kerala hereby authorise the Inspecting Assistant Commissioners of Incometax at Calicut, Trichur, Ernakulam and Trivandrum to issue general or special orders in writing for the distribution and allocation of work to be performed by the Incometax Officers working in their respective Ranges.

2. This order will come into effect from the fore-noon of the 1st day of August, 1973.

Office of the Commissioner of Incometax

Order No. 9/73-74.

Cochin-682016, the 12th July 1973

C. No. 1 (9) (B) G.L./73-74:—In exercise of the powers conferred on me under Sub-Section (1) of Section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), I, the Commissioner of Incometax, Kerala, hereby direct that the Incometax Officers mentioned below shall also be known as Incometax Officer, Foreign Section, Ernakulam/Trivandrum and will have the jurisdiction noted against them in addition to the other jurisdiction assigned to them :

Designation of the Incometax Officer.	Will be known as	Jurisdiction
1	2	3
Incometax Officer, A-Ward, Ernakulam.	Incometax Officer, Foreign Section, Ernakulam.	Persons not domiciled in India and not previously assessed anywhere in India who apply for a Certificate under sub-section (1) of Section 230 of the Incometax Act, 1961, to the Incometax Officer, Foreign Section, Ernakulam.
Incometax Officer, B-Ward, Trivandrum.	Incometax Officer, Foreign Section, Trivandrum.	Persons not domiciled in India and not previously assessed anywhere in India who apply for a certificate under sub-section (1) of Section 230 of the Incometax Act, 1961, to the Incometax Officer, Foreign Section, Trivandrum.

2. This notification shall take effect from the fore-noon of 1st day of August, 1973.

Sd/-
S. T. TIRUMALACHARI,
Commissioner of Incometax
Kerala, Cochin-16.

TELEGRAMS "COMINTAX"
TELEPHONE : 31108 (OFFICE)
TELEX : 046/369

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
KERALA, POST BAG NO. 1758, ERNAKULAM SOUTH,
COCHIN-682016.

Cochin-682016, the 28th July 1973

CORRIGENDUM

C. No. 1(9)(B)GL/73-74.—In this Office Notification/Income-tax C. No. 1(9)(B)GL/73-74 (Order No. 1/73-74) dated 12th July 1973, the following corrections are made :

1. In serial No. 5 (ALWAYE) in item No. I (ii) under col. No. 4 of the above Notification the existing entries may be deleted and the following may be substituted :

All cases of employees of The Fertilisers and Chemicals Travancore Ltd., Udyogamandal, The Travancore Cochin Chemicals Ltd., Alwaye and the Travancore Rayons Ltd., Rayonpuram, Purumbavoor.

2. In serial No. 6 (ERNAKULAM) in Col. 4 against items No. viii and ix, the following existing entries in the above Notification may be deleted :

'All salary earners (excluding Central and State Government employees under the audit control of the Accountant General, Kerala) other than those assigned to any other Income-tax Officers under Sec. 124, Sec. 126 or Sec. 127 of the Income-tax Act, 1961 within the jurisdiction of the Income-tax Circle, Alwaye, Ernakulam and Mattancherry'

and the following may be substituted :

"All salary earners other than those assigned to any other Income-tax Officers under Sec. 124, Sec. 126 or Sec. 127 of the Income-tax Act, 1961 within the jurisdiction of the Income-tax Circle, Alwaye and Ernakulam and in Wellington Island within the jurisdiction of the Income-tax Circle, Mattancherry".

3. In serial No. 7 (MATTANCHERRY) the existing entries under col. No. 4 of the above Notification may be deleted and the following may be substituted :

I. (i) All persons other than those assigned specifically to any other Incometax Officers under Sec. 124, under Sec. 126 or under Sec. 127 of the Incometax Act, 1961 within :

- (i) The Mattancherry Zone of the Cochin Corporation.
- (ii) Wellington Island.
- (iii) Chellanam Panchayat.

II. All Salary earners (excluding Central and State Government employees under the Audit control of the Accountant General, Kerala, Trivandrum and those assigned to other Incometax Officers under Sec. 127) whose salaries are subject to deduction u/s. 192 of the Incometax Act, 1961 and who are residing in or whose place of occupation is within (i) the Mattancherry Zone of Cochin Corporation, (ii) Chellanam Panchayat.

III. All other cases specifically assigned under section 124 under sec. 126 and under sec. 127 of the Incometax Act, 1961.

4. In the above Notification, the words and figures 'Section 2 (22)(c) wherever occurred may be read as 'Section 2(32)'.
Sd/-

S. T. Tirumalachari
Commissioner of Income-tax, Kerala, Cochin-16.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, RANGE, TRICHUR
CORRIGENDUM

Trichur, the 22nd August 1973

No. C.R. No. 117/73-74:—

Ref :—This office Order No. 1/73-74 dt. 30-7-1973 under Section 124(2) of the Income-tax Act, 1961 in respect of Trichur Circle.

Delete

- (i) Category "9. All cases of Trusts" appearing in Para 1, against Income-tax Officer, A-Ward, Trichur, and re-number 10 to 14 as 9 to 13, and,
- (ii) all the entries appearing against Sl No. 2, viz. Income-tax Officer, B-Ward, Trichur.

and Substitute

the following:

- | | | |
|-------------------|--------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 2. Trichur Circle | Income-tax Officer, B-Ward, Trichur. | "II. All cases falling under the categories mentioned in para I above which are assessable by the Income-tax Officer, B-Ward, Trichur, C-Ward, Trichur in respect of cases in C-Ward, Trichur and E-Ward, Trichur, and all cases of Trusts falling within the jurisdiction of the Income-tax Circle, Trichur, as on 31-7-1973 in accordance with the Notifications issued by the Commissioner of Income-tax, Kerala, Ernakulam, from time to time specifying the jurisdiction of the Income-tax Officers. |
|-------------------|--------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

- 2. All cases other than companies enlisted after 31-7-1973 which fall under the above categories within the Revenue Taluks of Kodungallur, Mukundapuram and Thalappilly in Trichur District and all cases of Trusts enlisted after the said date within the jurisdiction of the Income-tax Circle, Trichur."

N. KRISHNAN,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Trichur Range, Trichur

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

Calcutta-1. the 27th August 1973

Ref. No. Ac-25/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I M. N. Tiwary being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15C, situated at Raja Santosh Road, Alipore, Calcutta-27, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, No. 5, Government Place North Calcutta-1, on 20-3-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Hari Shankar Worah Properties (P) Ltd., Dhanbad, Bihar. (Transferor)

(1) Smt. Uttara Ghosh. (Transferee)

(2) Indranil Ghosh s/o Shri Shankar Ghosh both of 15C, Raja Santosh Road, Calcutta-27. (Transferee)

M/s Bird and Co. Ltd. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 15C, Raja Santosh Road, Alipore, Calcutta-27 consisting of a double storeyed house etc. together with 1 bigha 2 cottahs 2 chattacks and 10 sq. ft. land on which it is situated.

M. N. Tiwary
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Dated : 27-8-73.
Seal :

FORM ITNS—

section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

Calcutta-1, the 27th August 1973

No. Ac.-26/R-II/Cal./73-74.—Whereas, I M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, situated at Asoka Road, Alipore, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurance No. 5, Government Place North Calcutta-1, on 14-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

and whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub

(1) Shri Shiv Prasad Bagaria Karta of the Hindu Undivided family.

(2) Shri Sanjay Kumar Bagaria s/o Shri Shiv Prasad Bagaria, both of 165, Chittaranjan Avenue, Calcutta. (Transferor).

(1) Smt. Ratni Debi Bagaria w/o Late Punam Chand Bagaria 165, Chittaranjan Avenue, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share in premises No. 7, Asoka Road, Calcutta-27 having structures and land area of 1 Bigha 10 cottahs 14 chattacks and 15 sq. ft.

M. N. TIWARI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax Acquisition Range-II

P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 27-8-73

Seal :

FORM ITNS ———

erty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st September 1973

No.F35/Agra/Acq/73-74.—Whereas, I. Y. Khokhar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Village Basai, Pargana & Distt. Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-8-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

1. Shri Ravi Kumar Mehra, 20/80, Shakti Nagar, Delhi.
(Transferor)

2. M/S Northern India Hotel Ltd. Agra, through Sri D. C. Chopra Liason Officer.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in village Basai, Pargana & Distt. Agra.

Y. KHO KHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Kanpur.

Date : 29-8-73

Seal :

FORM ITNS ———

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st September 1973

No. F36(Agra)/(ACQ)/73-74.—Whereas, I. Y. Khokhar being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing (as per schedule) situated at Village Basai Pargana & Distt. Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 17-7-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

1. Hira Lal Mehra, 20/80, Shaktinagar, Delhi.

(Transferor)

2. M/S Northern India Hotel Ltd. Agra. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Situated in Village Basai Pargana and District Agra.

Y. KHOKHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Kanpur.

Date : 29-8-73

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 1st September 1973

No. F37/Agra/73-74(Acq)1137.—Whereas I, Y. Khokhar being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Village Basai Pargana & Distt. Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Decd registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 17-7-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Sri Madan Lal Mehra, 20/80, Shakti Nagar, Delhi.
(Transferor)
2. M/S Northern India Hotel Ltd., Agra (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who had made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in Village Basai, Pargana and District Agra.

Y. KHOKHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Kanpur.

Date : 29-8-73

Seal :

FORM ITNS—

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 24th August 1973

No. F.30(Acq)/73-74/1193.—Whereas I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Village Rakba Sona Arjunpur Pargana Rampur Distt. Saharanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoband (Saharanpur) 26-5-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

1. Shri Mamchand alias Dharamvir S/O Jeewan Singh R/o Sadholi Duni Chandpur Parg, Rampur, Saharanpur. (Transferor)

2. Adarsh Gur Khandasari Udyog, through Manager & Occupier Sri Naresh Kumar S/o Lala Pyare Lal Agarwal R/o Vill. Charthawal Pargana Khas Distt. Muzafarnagar. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable Property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land and house property situated in village Rakba Sona Arjunpur Pargana Rampur Distt. Saharanpur.

Y. KHOKHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Seal :

Date : 24-8-73

FORM ITNS—

XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 'N.T.R. ESTATE', HYDERABAD-500001.

Hyderabad-500001, the 30th August 1973

No. RAC. No. 57/73-74.—Whereas, I. S. BALASUBRAMANIAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-4-852 situated at Barakatpura, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registering officer at Hyderabad, on 24-3-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sujatha Bai, w/o Dr. Anna Reddy, No. 3-Montieta Road, Egmore Madras-8.

(Transferor)

- (2) Dr. Gaddameedi Ganapat Goud, 2, Grev-Gaddammedi Sarojini Goud, Surgery, Old Grev Stone, New Bridge 'MON' U.K. (Transferee)

- * (3) The Director of Hand looms and Textiles, Hyderabad, No. 3-8-852, Barkatpura, Hyderabad.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : H. No. 3-4-852 Barkatpura, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 30-8-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

'N.T.R. ESTATE', HYDERABAD-500001.

The 30th August 1973.

No. RAC. 54/73-74.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-4-437 situated at Nampally, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registering officer at Hyderabad, on 4-4-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sri Kishore Karwa-hkar, Lecturer, 5-4-435 Nampally, Station Road, Hyderabad. Transferor)

- (2) Shri Sri Sadashiv Sawrikar, s/o Venkatrao, Sawrikar H. No. 5-4-437 Nampally Station Road, Hyderabad. (Transferee)

- * (3) (Transferee only).
(Person in occupation of the property).
- * (4) (Transferee only).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property H. No. 5-4-437 Nampally, Station Road, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Dated : 30-8-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 'N. T. R. ESTATE', HYDERABAD-500001

The 30th August 1973

No. RAC No. 59-73-74.—Whereas, I. S. BALASUBRAMANIAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-5-31, situated at Masab Tank, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad, on 5-3-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

236G1/73—17

(1) Sri Sahebzada Naerab Hashan Jah Bahadur, S/o Late Exalted Highness the Nizam of Hyderabad, H No. 10-5-31, Masab Tank Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Mukhtar Begum D/o Late Ahmed Ali Khan, R/o H.No. 10-5-31, Masab Tank, Hyderabad.
(Transferee)

6(3) Transferee only. (Person in occupation of the property).

* (4) Transferee only. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : H. No. 10-5-31, Masab Tank, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad

Dated : 1-9-1973
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 'N.T.R. ESTATE', HYDERABAD-500001.

The 30th August 1973

No. RAC. No. 53/73-74.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAM, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-800 situated at Hyderaguda Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the notice of the registering officer at Hyderabad, on 2-3-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of sec-

269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Sri Ahmad Bin Salah r/o 22-8-32 Chattabazar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. P. Manickpai, w/o P. Narasimha Rao, 2. Sri P. Narasimharao, s/o P. Narasimha Rao, 3. P. Shankararao, 4. Smt. P. Shakuntala, minors d/o P. Narasimharao; c/o Sri P. Narasimha Rao, Abkari Contractor Nizamabad. (Transferee)

*(3) Transferee only. (Person in occupation of the property)

*(4) Transferee only. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property). Contractor Nizamabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property H. No. 3-5-800 Hyderaguda, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 30-8-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR CAMP
CHANDIGARH

The 30th August 1973

No. ASR/73-74/AP-159/1183.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 3421 of March, 1973, situated at G. T. Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

and whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) S. Tarinder Singh S/o Shri Mohinder Singh, Bombay Through Sh. Joginder Singh S/o Shri Hukam Singh Attorney. 2 G.T. Road Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Sham Singh S/o Shri Gurdip Singh, Bahadur Nagar, Sultanwind Road, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3421 of March, 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar

Date : 30-8-1973,
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR CAMP
CHANDIGARH

Amritsar Camp Chandigarh, the 30th September 1973

No. ASR/73-74/AP-160/1184.—Whereas I. G.P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 3284 of March, 1973, situated at Circular Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)..

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt Iswar Devi Wadhwa W/o Sh. Dina Nath Wadhwa Through Shri Kailash Nath Wadhwa & Dina Nath Wadhwa, 4 Circular Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) S/Shri Mahavir Parshad, Santosh Kumar and Shiv Kumar, 4 Circular Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Kothi situated at 4 Circular Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3284 of March, 1973 of the Registering officer, Amritsar.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Amritsar

Date : 30-8-1973

Seal :

of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III,
CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR CAMP
CHANDIGARH.

Amritsar Camp Chandigarh, the 30th August 1973

No. ASR/73-74/AP-161/1185.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 236 East Mohan Nagar as mentioned in Registered Deed No. 24/1 of March, 1973, situated at East Mohan Nagar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar, in March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt Kailash Rani W/o Panna Lal, Chowk Lachman-Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt Parmeshwari Devi Wd/o Ram Lal, Amritsar, sar Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 236 in East Mohan Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 24/1 of March, 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

G. P. SINGH.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-8-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III,
CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR CAMP
CHANDIGARH.

Amritsar Camp Chandigarh, the 30th August 1973

No. ASR/73-74/AP-162/1186.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3255 of March, 1973, situated at Sham Nagar, Lawrance Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar, on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

perty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt Bimla W/o Shri Babu Ram, Bhalan Wala Shivala Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Satish Kumar Bhalla s/o Shri Chaman Lal Subash Niwas, Chheharta, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 64 at Lawrance Road, Sham Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3255 of March, 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-8-1973
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR CAMP CHANDIGARH.

Amritsar Camp Chandigarh, the 30th August 1973

No. ASR/73-74/AP-163/1187.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3619 of March, 1973, situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

- (1) Shri Basant Kumar s/o Shri Khan Chand Kt. Bhai Sant Singh, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt Prem Sham W/o Dr. Radhev Sham and Naveen Kumar, 30 The Mall Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3619 of March, of the Registering Officer Amritsar.

G. P. SINGH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-8-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR CAMP CHANDIGARH,

Amritsar Camp Chandigarh, the 30th August 1973

No. ASR/73-74/AP-164/1188.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 3589 of March, 1973, situated at 27, Lawrance Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harcharan Singh s/o Magher Singh R/O Rodu Muhalla, Tarn Taran, (Amritsar).
(Transferor)
- (2) Shri Harcharan Singh S/o Saudager Singh, 27, Lawrance Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at 27, Lawrance Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3589 of March, 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-8-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III,
CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR CAMP
CHANDIGARH.

Amritsar Camp Chandigarh, the 30th August 1973

No. ASR/73-74/AP-165/1189.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3447 of March, 1973, situated at Mahavir Street, Putlighar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vishwa Nath S/o Shri Sham Dass Katra Bagh Singh, Khu Kaurian, Amritsar.

(Transferor)

- (2) S/Shri Joginder Kumar, Vinod Kumar, Parmod Kumar S/o Shri Dewan Chand, Lawrance Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Mahavir Street, Putlighar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3447 of the Registering Officer, Amritsar for the month of March, 1973.

G. P. SINGH,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-8-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR, CAMP
CHANDIGARH.

Amritsar Camp Chandigarh, the 30th August 1973

No. ASR/73-74/AP-166/1190.—Whereas I. G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed, No. 3460 of March, 1973, situated at Br. Ram Bagh, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S. Gurcharan Singh & Sons HUF, Hide Market, G.T. Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Miss Romela Bogga D/o S. Gurcharan Singh, 9, Race Course Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1282-83/1-13 at Br. Ram Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3460 of March, 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-8-1973
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR, CAMP
CHANDIGARH

Amritsar Camp Chandigarh, the 30th August 1973

(No. ASR/73-74/AP-167/1191.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3618 of March, 1973, situated at Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Kahan Chand s/o Shri Roop Chand Katra
Charat Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Sham w/o Dr. Radhey Sham, Shri Naveen Kumar s/o Shri Ram Parkash Duni C and Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3618 of March, 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-8-1973
Seal :

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR, CAMP
CHANDIGARH.

Amritsar Camp Chandigarh, the 30th August 1973

No. ASR/73-74/AP-168/1192.—Whereas I. G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ½ Share Kothi situated at Race Course Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3258 of March, 1973, situated at Race Course Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S. Tejwant Singh S/o Aya Singh, 15, the Mall, Simla.
(Transferor)
- (2) S. Jugtar Singh S/o Shri Gurcharan Singh Race Course Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share Kothi situated at Race Course Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3258 of March, 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-8-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR, CAMP

CHANDIGARH.

Amritsar Camp Chandigarh, the 30th August 1973
No. ASR/73-74/AP-169/1193.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 shop No. 35-36/I-1 at Bazar Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3259 of March, 1973, situated at Hall Bazar, Amritsar, more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the name of the Registering Officer at Amritsar on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S. Tejwant Singh S/o Aya Singh, 15, The Mall, Simla, (Transferor)
- (2) S. Jagtar Singh S/o Shri Gurcharan Singh, Race Course Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

shop No. 35-36/I-1, Hall Bazar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3259 of March, 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-8-1973
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR, CAMP
CHANDIGARH.

Amritsar Camp Chandigarh, the 30th August 1973

No. ASR/Jul/73-74/AP-170/1194.—Whereas I, G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. 455 R Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered deed No. 9688 of March, 1973, situated at Model Town, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Champa Wati Chadha Wd/o Shri Suraj Parkash Chadha s/o Shri Sukhdial Chadha 145, 8 Marla Colony, Ram Nagar, Sonipat.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Chadha Wd/o Shri Kishan Gopal Chadha S/o Shri Rup Lal Chadha, 455 R Model Town, Jullundur.

(3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Smt. Usa Khanna W/o Shri Manohar Lal W. R. 96 Basti Sheikh, Jullundur.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 455 R Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9688 of March, 1973 of the Registering Officer, Jullundur.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Amritsar.

Date : 30-8-1973
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR, CAMP
CHANDIGARH

Amritsar Camp Chandigarh, the 30th August 1973

No. ASR/Jul/73-74/AP-171/1195.—Whereas I. G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 15, Dada Nagar, Mithapur Road, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9050 of March, 1973 situated at 15, Dada Nagar, Mithapur Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

(1) Shri Multan Singh s/o Shri Uttam Singh N.A. 415, Santokhpura, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari Kamboj w/o Late Shri Hans Raj B-V-No. H 234 now known as 15 Dada Nagar Mithapur Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) Smt. Raj Kumari Kamboj w/o Late Shri Hans Raj B-V-No. H 234 now known as 15 Dada Nagar Mithapur Road, Jullundur.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Shri/Smt/Km Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-V-No. H 234 now known as 15, Dada Nagar Mithapur Road, Jullundur as described in the Registered Deed No. 9050 of March, 1973 of Sub-Registrar, Jullundur.

(G. P. SINGH)

(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range,
Amritsar

DATE : 30-8-73
(SEAL)

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
CAMP CHANDIGARH3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR
Amritsar (Camp Chandigarh), the 30th August 1973

No. ASR/Jul./73-74/AP-172/1196.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 245 as mentioned in Registered Deed No. 9355 of March, 1973 situated at Lajpat Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

(1) Shri Santokh Singh s/o Shri Naranjan Singh s/o Shri Gopal Singh, v. Sidhwan Khurd Teh. Jagraon Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Rani w/o Shri K. D. Sharma s/o Shri Mukand Lal Sharma, Manager, Punjab National Bank, 362, Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) Smt. Asha Rani w/o Shri K. D. Sharma s/o Shri Mukand Lal Sharma, Manager, Punjab National Bank, 362, Adarsh Nagar, Jullundur.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

(Transferee)
of the property

THE SCHEDULE

Plot No. 245 in Lajpat Nagar, Jullur mentioned in the Registered Deed No. 9355 of March 1973 of the Registering Officer, Jullundur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range,
Amritsar

DATE : 30-8-73
(Seal)

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR
CAMP CHANDIGARH

Amritsar, the 30th August 1973

Ref. No. ASR/Jul/73-74/AP-173/1197.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 494 in Green Park Colony, Garha Road, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 9563 of March, 1973, situated at Green Park Colony, Garha Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of 19—236GI/73

(1) Shri Tulsi Dass s/o Shri Bhajoo Mal Alias Panjoo Lal s/o Shri Lal Chand, 496 Green Park Colony, Garha Road, Jullundur. (Transferor)

(2) Shri Ranjit Saran Sharma s/o Pt. Megh Raj s/o Shri Girdhari Lal V. & P.O. Alawalpur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 494 in Green Park Colony, Garha Road, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 9563 of March, 1973 of the Registering officer, Jullundur.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-8-73

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR
CAMP CHANDIGARH
Amritsar, the 30th August 1973

Ref. No. ASR/Jul/73-74/AP-174/1198.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 268 in Lajpat Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9440 of March, 1973, situated at Lajpat Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Nasib Kaur w/o Shri Amar Singh s/o S. Natha Singh, Lajpat Nagar, Jullundur & Smt. Pritam Kaur w/o S. Inder Singh, Lajpat Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Paul Singh s/o S. Inder Singh 268 Lajpat Nagar, Jullundur, (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for the objections, if any, made in response to notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 268 in Lajpat Nagar Jullundur as mentioned in the registered Deed No. 9440 of March, 1973 of the Registering Officer, Jullundur.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-8-73
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR
CAMP CHANDIGARH

Amritsar, the 30th August 1973

Ref. No. ASR/SML/73-74/AP-175/1199.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 135 of March, 1973, situated at Octagen Lodge, Chotta Simla-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under

sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mangat Ram Sud Kartā M.R. Stores, 70 G-Block Cannaught Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Charan Dass Madan Lal Property Dealers 19, The Mall, Simla. (Transferee).
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2833 Sq. Yards at Octagen Lodge, Chhota Simla-2 as mentioned in the Registered Deed No. 135 of the Registering Officer, Simla of March 1973.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-8-73
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR
CAMP CHANDIGARH

Amritsar, the 1st September 1973

Ref. No. ASR/Jul/73-74/AP-176/1200.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated in 81.6 Acre Development Scheme of Improvement Trust, Jullundur, situated at 81.6 Acres Development Scheme Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagjit Singh Advocate S/o Shri Nagina Singh Civil Lines, Jullundur. (Transferor).

- (2) Shri Balwant Singh S/o Rattan Singh Locomotive Driver Mohalla Bahadurpur, Shanker Road, Nakodar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in 81.6 Acre Development Scheme of Improvement Trust, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9035 of March, 1973 of Sub Registrar, Jullundur.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 1-9-1973
Seal :

FORM ITNS

Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR
CAMP CHANDIGARH
Amritsar, the 1st September 1973

Ref. No. ASR/Jul/73-74/AP-177/1201.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plots No. 45 and 46 in Kamal Park near Aman Park Tanda Road, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 8904 of March, 1973 of Sub Registrar, Jullundur, situated at Kamal Park, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of

- (1) Shri Sham Kumar S/o Shri Sat Paul Attorney of Shri Bishan Dass S/o Amar Chand Adda Hoshiarpur, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Ram Lal S/o Labhu Ram, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at Serial No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a rights to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45 and 46 in Kamal Park Near Aman Park Tanda Road, Jullundur as mentioned in the registered Deed No. 8904 of March, 1973 of Sub Registrar Jullundur.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income tax Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-9-1973
Seal :

FORM ITNS ———

Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR
CAMP CHANDIGARH

Amritsar, the 1st September 1973

Ref. No. ASR/KNL/73-74/AP-178/1202.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 115-C, G. T. Road, Karnal as mentioned in the Registration Deed No. 4848 of March 1973 of Sub-Registrar Karnal, situated at G. T. Road, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (i) of

(1) Com. Ram Piara Ex. M.L.A. Model Town, Karnal. (Transferor)

(2) Shri Gursharan Dass s/o Shri Tirth Ram, Model Town, Karnal; Shri Sham Sunder s/o Sh. Asa Ram, Karnal; Smt. Bhagwanti w/o Shri Bishan Dass, Karnal; Smt. Ram Piari w/o Shri Asa Nand, Karnal c/o M/s. Bombay Dyeing, G. T. Road, Karnal. (Transferee)

(3) As at Serial No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 145-C, on G. T. Road, Karnal as mentioned in the Registered Deed No. 4848 of March 1973 of Sub-Registrar, Karnal.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income tax Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-9-1973
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) M/s Sajdeh & Co., Amritsar Cantt, through Shri Vinod Kumar Kathuria. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar (Camp Chandigarh), the 3rd September 1973

No ASR/73-74/AP-179/1203.—Whereas I, G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3450 of March, 1973, situated at Rai Bahadur Parkash Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Mohinder Chand, Narinder Chand S/o Shri Rai Sahib Labh Chand, Sh. Parkash Chand Lal Chand, Khushal Chand R/o R. B. Parkash Chand Road, Amritsar. (Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.,

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Rai Bahadur Parkash Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3450 of March, 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 3-9-1973
Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Anand Pal Singh s/o S. Bakshish Singh, Ram Tirath Road, Amritsar. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI HAYLOR ROAD, AMRITSAR CAMP, CHANDIGARH

Amritsar (Camp Chandigarh), the 3rd September 1973

No. ASR/73-74/AP-180/1204.—Whereas I, G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 shops as mentioned in the Registered Deed No. 26 of March, 1973 situated at G.T. Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raj Karni Ahuja w/o Shri Madan Lal Ahuja c/o Shri Kahan Chand Krishana Gali Nimaq Mandi Amritsar, (Transferor)

(3) All tenants of the property. (Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 shops No. 1745 to 1749 at G.T. Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 26 of the Registering Officer, Amritsar.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range

Amritsar

Date: 3-9-1973

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR,
CAMP CHANDIGARH

Amritsar (Camp Chandigarh), the 3rd September 1973

No. ASR/PLR/73-74/AP-184/1205.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as stated in the Registered Deed No. 4468 of March, 1973, situated at Nurmahal Teh. Phillaur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of

20—236GI/73

(1) Pt. Niranjani Dass S/o Pt. Girdhari Lal S/o Pt. Kaka Mal of Nurmahal Teh. Phillaur.
(Transferor)

(2) Smt. Jit Kaur W/o Shri Harbhajan Singh S/o Shri Ram Rakha V. Shadipur, Teh. Phillaur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in Nurmahal Teh. Phillaur as mentioned in the Registered Deed No. 4468 of March, 1973 of the Registering Officer, Phillaur.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 3-9-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR,
CAMP CHANDIGARH

Amritsar (Camp Chandigarh), the 3rd September 1973

No. ASR/Jul/73-74/AP-185/1206.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rani Di Kothi on Cool Road, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9546 of March, 1973, situated at Cool Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under

sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kanwar Bishwajeet Singh As/o K. Rani Surjeet Kaur Wd/o Shri Pirthvi Jeet Singh Kothi No. 86, Sector 18 Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Vaid Parkash Mahajan S/o Shri Ganda Mal, Rani Di Kothi, Cool Road, Near Railway Station, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi known as Rani Di Kothi on Cool Road, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9546 of March, 1973 of the Registering Officer, Jullundur.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 3-9-1973

Seal :

Form ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR
CAMP CHANDIGARH.

Amritsar (Camp Chandigarh), the 3rd September 1973

Ref. No. ASR/Jul/73-74/AP-186/1207.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 Pacca shops Double Storeyed outside Mai Hiran Gate, Bikrampur, Circular Road, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9266 of March, 1973, situated at Mai Hiran Gate, Bikrampur, Circular Road, Jullundur and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raj Kishan Puri s/o Shri Joti Ram Puri, Mohalla Purian, Jullundur. (Transferor)

- (2) (1) Shri Kartar Chand Kapoor, s/o Shri Mangal Dass s/o Shri Ghasita Ram, Jullundur. (2) Shri Raj Kumar s/o Shri Kartar Chand Kapoor of Moga now at Jullundur. c/o M/s Royal Book Depot Mai Hiran Gate, Jullundur. (Transferee)
- (3) Shri Madan Lal c/o Swaraj Kitab Ghar, Mai Hiran Gate, Shri Harkishan Lal c/o M/s Kohinoor Book Depot, Mai Hiran Gate, Jullundur. Shri Banarsi Lal c/o M/s Pardeep Book Depot, Mai Hiran Gate, Jullundur & M/s S. Chand & Co., Mai Hiran Gate, Jullundur. (Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Double storeyed shops outside Mai Hiran Gate, Bikrampur, Circular Road, Jullundur as described in the Registered Deed No. 9266 of March, 1973 of the Registering Officer, Jullundur.

G. P. SINGH,
(Competent Authority),
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-9-1973.

(Seal) :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR
CAMP CHANDIGARH.

Amritsar (Camp Chandigarh), the 3rd September 1973

Ref. No. ASR/Jul/73-74/AP-187/1208.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory Building as mentioned in Registered Deed No. 9297 of March, 1973 situated at Nakodar Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Baru Mal s/o Shri Ganga Ram, Des Raj s/o Shri Thakar Dass, Nagin Chand S/o Shri Tek Chand, Jullundur. (Transferor)

(2) S/Shri Rattan Chand, Jai Dayal, Kartar Chand Madan Gopal, Baij Nath, Parshotam Lal S/o Shri Chet Ram s/o Shri Sansari Mal c/o M/s Sansari Mal Chet Ram, Mandi Fauntun Ganj, Jullundur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Persons(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Building on Nakodar Road, Jullundur as described in Registered Deed No. 9297 of March, 1973 of the Registering Officer, Jullundur.

G. P. SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-9-1973.

(Seal) :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR,
CAMP CHANDIGARH

Amritsar (Camp Chandigarh), the 3rd September 1973

P. ASR/NKD./73-74/AP-188/1209.—Whereas I G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Building at Nakodar near Dhiman Industries as mentioned in the Registered Deed No. 2989 of March, 1973, situated at Near Dhiman Industries, Nakodar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer (s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Gurbachan Singh s/o Lachhman Dass of Nakodar. (Transferor).
- (2) Shri Tek Chand s/o Shri Bhagat Ram Jain Nakodar. (Transferee).
- (3) Shri Tek Chand s/o Shri Bhagat Ram Jain. Nakodar. (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Building at Nakodar Near Dhiman Industries, Nakodar as mentioned in the Registered Deed No. 2989 of March, 1973 of Sub-Registrar, Nakodar.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar

Date: 3-9-1973

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR,
CAMP CHANDIGARH

Amritsar (Camp Chandigarh), the 3rd September 1973

No. ASR/JUL./73-74/AP-189/1210.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House at Ranjit Nagar, Jullundur, as mentioned in the Registered Deed No. 8972 of March, 1973, situated at 52 Ranjit Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur, in March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Harvel Singh s/o Shri Sadhu Singh V. Bhauria. (Transferor).

- (2) Shri Gurdas Singh s/o Shri Bhagat Singh Jullundur. C/o S. Ajit Singh Belt Factory, Arjan Nagar Jullundur. (Transferee).
- (3) Shri Gurdas Singh s/o Shri Bhagat Singh Jullundur. C/o S. Ajit Singh Belt Factory, Arjan Nagar Jullundur. (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 52 at Ranjit Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 8972 of March, 1973 of the Registering Officer, Jullundur.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar

Date : 3-9-1973
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR,
CAMP CHANDIGARH

Amritsar (Camp Chandigarh), the 3rd September 1973

No. ASR/JUL./73-74/AP-190/1211.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Property as mentioned in the Registered Deed Registered during the month of March, 1973, situated at Nurmahal, Teh. Phillaur, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Partap s/o Shri Niranjana Dass of Nurmahal. (Transferor).

- (2) Shri Tarsem Singh Baldev Singh, Jarnail Singh S/o Shri Jawala Singh V.&P.O. Kukar Pind Near Rama Mandi, Jullundur City. (Transferee).
- (3) Shri Tarsem Singh, Baldev Singh, Jarnail Singh, SS/o Shri Jawala Singh V.&P.O. Kukar Pind Near Rama Mandi, Jullundur City. (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property godown at Nurmahal Teh. Phillaur as mentioned in the Registered Deed registered during the month of March, 1973.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar

Date : 3-9-1973
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR,
CAMP CHANDIGARH

Amritsar (Camp Chandigarh), the 3rd September 1973

No. ASR/JUL./73-74/AP-191/1212.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops No. 16, 17 & 18 Double Storeyed as mentioned in the Registered Deed No. 9604 of March, 1973, situated at Lakshmi Market, Nehru Garden Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Own Your House Pvt. Limited Through Shri Sushil Ansil partner M/s Ansil & Sehgal Properties & Associates, Jullundur. (Transferor).

- (2) Shri Joginder Singh s/o Shri Bhagat Singh V. Helran Teh. Jullundur. (Transferee).
- (3) Shri Joginder Singh s/o Shri Bhagat Singh V. Helran Teh. Jullundur. (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops No. 16, 17 & 18 (Double Storeyed) in Lakshmi Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9604 of March, 1973 of the Registering Officer, Jullundur.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar

Date : 3-9-1973
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR,
CAMP CHANDIGARH

Amritsar (Camp Chandigarh), the 3rd September 1973

No. ASR/JUL./73-74/AP-192/1213.—Whereas I. G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. WA 123/5 as mentioned in the Registered Deed No. 9246 of March, 1973, situated at Br. Sheikhan, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagat Narain Mehta s/o Shri Darbari Lal, Sushila Devi W/o Shri Jagat Narain, Pacca Bagh, Jullundur. (Transferor).

- (2) Smt. Sharda Rani D/o Shri Hans Raj c/o M/s Papular Garments Stores, Br. Sheikhan, Jullundur. (Transferee).

- (3) Smt. Sharda Rani D/o Shri Hans Raj c/o M/s Papular Garments Stores, Br. Sheikhan, Jullundur. (Person(s) in occupation of the Property).

- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. WA/123/5 Bazar Sheikhan, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9246 of March, 1973 of the Registering Officer, Jullundur.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar

Date: 3-9-1973
Seal;

FORM ITNS ———

(2) Smt. Parkash Kaur w/o Shri Bakshish Singh
Ram Tirath Road, Amritsar. (Transferee).NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR,
CAMP CHANDIGARH

Amritsar (Camp Chandigarh), the 3rd September 1973

No. ASR/73-74/AP-181/1214.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 Shops as mentioned in the Registered Deed No. 92 of April, 1973, situated at G. T. Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on April 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt Raj Karni Ahuja w/o Shri Madan Lal Ahuja
c/o Shri Kahan Chand, Krishana Gali Nizak Mandi,
Amritsar. (Transferor).

- (3) Tenants of the property [Person(s) in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Six shops No. 1750 to 1755 at G.T. Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 92 of April, 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

G. P. SINGH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar

Date: 3-9-1973
Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR,
CAMP CHANDIGARH

Amritsar (Camp Chandigarh), the 3rd September 1973

No. ASR/73-74/AP-182/1215.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops as mentioned in the Registered Deed No. 146 of April, 1973, situated at G.T. Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on April 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raj Karni Ahuja, w/o Shri Madan Lal Ahuja, e/o Shri Kahan Chand, Krishana Gali Nimak Mandi, Amritsar. (Transferor).

(2) Shri Bakshish Singh s/o S. Barkat Singh, Ram Tirath Road, Amritsar. (Transferee).

(3) Any persons interested in the property. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops bearing No. 1738 to 1744 as mentioned in the Registered Deed No. 146 of April, 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar

Date : 3-9-1973
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR, CAMP CHANDIGARH

Amritsar (Camp Chandigarh), the 3rd September 1973

No. ASR/PLR/73-74/AP-183/1216.—Whereas I, G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as stated in Registered Deed No. 61 of April, 1973, situated at Nurmahal, Teh. Phillaur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on April 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pt. Niranian Dass s/o Pt. Girdhari Lal s/o Pt. Kaka Mal of Nurmahal Teh. Phillaur.
(Transferor)

- (2) Shri Harbhaian Singh s/o Shri Ram Rakha of V. Shadipur Teh. Phillaur. (Transferee)
- (3) Shri Harbhaian Singh s/o Shri Ram Rakha of V. Shadipur Teh. Phillaur. (Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in Nurmahal Teh. Phillaur as mentioned in the Registered Deed No. 61 of April, 1973 of the Registering Officer, Phillaur.

G. P. Singh
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition
Range, Amritsar.

Dated : 3-9-1973.
(Seal)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd September 1973

No. Acq. 23-1-30/1-1/73-74.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.P.S. No. 3, F.P. No. 274/A/1/1, situated at Shekhpur, Khanpur, Taluka City, District, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 31-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahendra Kumar Shantilal, Lalbhai Pole, Ahmedabad. (Transferor)

- (1) Shri Vinubhai Lavjibhai Bavishi 5, Ajit Society Paldi, Ahmedabad.
- (2) Smt. Ragini Mahendrabhai w/o Shantilal, Mandvini Pole, Lalbhai Pole, Parabdiwala Khancha, Ahmedabad.
- (3) Smt. Shakri Chandulal w/o Maganlal, 11, Vasudha Society, Ahmedabad.
- (4) Shri Vrajlal Gordhandas Gami, 43, Sardar Patel Nagar, Ahmedabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shekhpur, Khanpur, Taluka, City, District, Ahmedabad, T.P.S. No. 3, F.P. No. 274/A/1/1, 1/3 part of 495 Sq. Yds. (open land).

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Ahmedabad. Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dt : 3-9-73
Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd September 1973

No. Acq. 23-1-31/1-1/73-74.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.P.S. No. 3, F.P. No. 274/A/1/1, situated at Shekhpur, Khanpur, Taluka City, District, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 31-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Fakirchand Popatlal Nagji, Bhudar Pole, Ahmedabad. (Transferor)
- (1) Shri Vinubhai Lavajibhai Bavishi, 5, Ajit Society, Ahmedabad.
- (2) Smt. Ragini Mahendrabhai w/o Shantilal, Mandvini Pole, Lalbhai Pole, Parabdiwala Khancha, Ahmedabad.

- (3) Smt. Shakri Chandulal w/o Maganlal, 11, Vasudha Society, Ahmedabad.
- (4) Shri Vrajlal Gordhandas Gami, 43, Sardar Patel Nagar Ahmedabad.
Partners of Jasu Builders, Ahmedabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for filing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shekhpur, Khanpur, Taluka, City, District, Ahmedabad, T.P.S. No. 3, F.P. No. 274/A/1/1, 1/3 part of 495 Sq. Yds. (open land).

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dt : 3-9-73
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 3rd September 1973

No. Acq. 23-1-32/1-1/73-74.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.P.S. No. 3, F.P. No. 274/A/1/1 situated at Shekhpur, Khanpur, Taluka City, District Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 31-3-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shantilal Manilal, Mandvini pole, Lalbhai pole, Ahmedabad. (Transferor).
- (2) (i) Shri Vinubhai Lavjibhai Bavishi 5, Ajit Society, Paldi, Ahmedabad; (ii) Smt. Ragini

Mihendrabhai w/o Shantilal Mandvini Pole, Lalbhai pole, Parabdiwala Khancha, Ahmedabad; (iii) Smt. Shakri Chandulal w/o Maganlal, 11, Vasudha Society, Ahmedabad; (iv) Shri Vrajilal Gordhandas Gami, 43, Sardar Patel Nagar Ahmedabad. Partners of Jasu builders.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shekhpur Khanpur Taluka, City, District Ahmedabad, T.P.S. No. 3, F.P. 274/A/1/1 1/3 part of 495 sq. yds. (open land).

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I
Ahmedabad

Ahmedabad.

Date : 3.9.1973.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 'N.T.R. ESTATE', HYDERABAD-500001

Hyderabad-500001, the 1st September 1973

RAC. No. 60/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-5-176 situated at Sultan Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 15-3-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

- (1) Shri Jawaharlal Jain, C/o M/s. Jawahar Bros., Sultan Bazar, Hyderabad. (Transferor).
- (2) Smt. Radha Bai, w/o Sukhdev Modani, H. No. 4-5-176, Sultan Bazar, Hyderabad. (Transferee).
- (3) Transferee only. (Person in occupation of the property).
- (4) Transferee only. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : H. No. 4-5-176, Sultan Bazar, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 1-9-1973.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 'N.T.R. ESTATE', HYDERABAD-500001

Hyderabad-500001, the 1st September 1973

RAC. No. 55/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-3-993/1 situated at Chanchalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 20-3-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri S. A. Aziz, Dy. Director, Medical and Health Department, Sultanbazar, Hyderabad. (Transferor).
- (2) Smt. Suraiya Moinuddin, 16-3-993/1, Chanchalguda, Hyderabad. (Transferee).

(3) (Transferee only). (Person in occupation of the property).

(4) (Transferee only). (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : H. No. 16-3-993/1, Chanchalguda, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 1-9-1973.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 'N.T.R. ESTATE', HYDERABAD-500001

Hyderabad-500001, the 1st September 1973

RAC. No. 58/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-1-770/A situated at New Bakaram, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 23-3-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri G. Seetharamaiah, S/o Ramalingiah, H. No. 15-2-428, Siddiamberbazar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. V. Balaveeriah, S/o Rajiah, 2. C. Venkatamma, W/o Ramiah, 3. C. Ramesh, S/o Ramiah, R/o Anantaram, Village, Narsapur Tq. Medak, Dist. (Transferee).

- (3) 1. Shri A. Tirumala Rao Naidu, 2. Shri Jayanti Venkatachalam, 3. G. Mohan Rao, all at H. No. 1-1-770/A, New Bakaram, Hyderabad. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : H. No. 1-1-770/A, New Bakaram, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 1-9-1973.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 'N.T.R. ESTATE

Hyderabad-500001, the 1st September 1973

No. RAC. No. 56/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-4-850 situated at Barakatpura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 18-4-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of

- (1) 1. Sri Nelakantam, Balakistiah, S/o Ramanna, 2. Sri N. Vinodkumar, S/o N. Balakistiah, 3. Sri N. Ashokkumar, S/o N. Balakistiah, all residing at Sultanbazar, Hyderabad. (Transferor).

- (2) 1. Basety Narayana, 2. Basety Viswanatham, 3. Gande Rajiah, all residing at 15-8-436 Fheelkhana, Hyderabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice therefore shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : H. No. 3-4-850, Barakatpura, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,

Hyderabad

Date : 1-9-1973.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 'N.T.R. ESTATE'

Hyderabad-500001, the 3rd September 1973

No. RAC. No. 63/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-625 situated at Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 14-3-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the Notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Smt. Haneefa Bee, W/o Abdul Hameed, R/o H. No. 5-9-700 Gunfoundry, Hyderabad.
- (ii) Mohd. Ayoob, S/o Abdul Hameed, R/o H. No. 5-9-700, Gunfoundry, Hyderabad.
- (iii) Mohd. Younus, S/o Abdul Hameed, R/o Kuwait.
- (iv) Mohd. Yousuf, S/o Abdul Hameed, R/o Kuwait.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Samudrala Sivakumar, S/o Chandrah

Feelkhana Hyderabad C/o Gold and Silver merchant, Siddiamber Bazar, Hyderabad.

(ii) Shri Uppala Madhusudhana Rao, P/r in M/s Ashoka Restaurant, Abid Road, Hyderabad.

(iii) Shri Radhe Shyam, S/o Misrilal Agarwal, in M/s Ashoka Restaurant, Abid Road, Hyderabad.

(Transferee)

- (3) Transferee only.

(Person in occupation of the property)

- (4) Transferee only.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : H. No. 5-8-625, Abids Road, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-9-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 'N.T.R. ESTATE'

Hyderabad-500001, the 3rd September 1973
No. RAC. No. 62/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9/226, 9/227 & 9/465 situated at Girmajipet, Warangal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Warangal on 16-3-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) B. Jayaprakash, (ii) B. Sudhakar, (iii) B. Chandramohan, (iv) B. Sharat, (v) B. Venkatnarasamma, (vi) Rudrammamba, (vii) B. Sujata, all are under the guardian ship of their natural mother B. Venkatnarasamma, No. 5, all residing at Girmajipet, Warangal-Dist.

(Transferor)

- (2) (i) B. Venkatadri, (ii) B. Jayanarayana, (iii) B. Murali, (iv) B. Manohar, (v) B. Suresh, all are under guardian ship of their natural father Sri B. Venkatadri, No. 1 residing at Girmajipet, Warangal.

(Transferee)

- (3) Transferee only.
(Person in occupation of the property)
- (4) Transferee only.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : H. No. 9/226, 9/227 and 9/465 Girmajipet, Warangal Dist.

S. BALASUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad
Competent Authority

Date : 3-9-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 'N.T.R. ESTATE'

Hyderabad-500001, the 3rd September, 1973

No. RAC. No. 61/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 113 & 113A (new No. 1-7-265 to 274) situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad on 30-3-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Mrs. Khorshed J. Bengali, W/o Sri Jal Bengali, Zoroastrian, R/o Baraf Bungalow, Balamrai, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s Sree Rama Book Depot, Market Street, Secunderabad, Managing partner Sri P. Shivarajah, S/o P. Shankariah, R/o Maredpally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Rear portion of house No. 113 and 113-A situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad comprising of out houses and open area 136.5 S. Meters.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad
Competent Authority

Date : 3-9-1973

Seal :

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Calcutta, the 3rd September, 1973

No. TR-554/C-153/CAL-1/72-73.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 203 situated at Mahatma Gandhi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer, The Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 13-3-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid

property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Sm. Pepa Devi Rampuria,

Transferor

Sm. Gourja Debi Jhawar,

Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 4th share in partly four and partly five storied brick built premises with revenue free land containing 6 Kathas and $\frac{1}{2}$ chhattak being premises No. 203, Mahatma Gandhi Road, Calcutta, Block No. II Holding No. 337 in the North Division of Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range I

P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date : 3-9-73

Seal :

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF

INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Calcutta, the 1st September 1973

No. TR-393/C-71/CAL-1/72-73.—Whereas, **T S. K. Chakravarty**, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 203 situated at Mahatma Gandhi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer The Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 9-3-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferee(s) has not been truly state in the instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Sm. Pepa Devi Rampuria.

Transferor

Sm. Gourja Debi Jhavar.

Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in partly four and partly five storied brick built premises together with revenue free land containing 6 Kathas and 1/2 chhattak being premises No. 203, Mahatma Gandhi Road, Block No. II, Holding No. 337 in the North Division of Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,

(Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range I

P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date : 1-9-73.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta, the 1st September 1973

No. AC-7R-IV/Cal./73-74.—Whereas, I M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 8 C.I.T. Scheme No. VI-M situated at Calcutta-54 (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, 5, Government Place North Calcutta-1 on 14-3-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 236G1/73--23

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sardar Gurbachan Singh.
- (2) Sardar Mukhtiar Singh.
- (3) Dip Kaur
- (4) Kirpal Kaur.
- (5) Sardar Bablu Singh.
- (6) Sakhawant Kaur. (Transferor).
- (1) Smt. Kanak Prova Mazumdar w/o Late Nand Dulal Mazumdar.
- (2) Smt. Protima Rani Mazumdar w/o Gour Kishore Mazumdar both of Vill. Motiganj, P.S. & P.O. Bangaon, Distt. 24-Parganas, (Transferee).
- (4) 1. Bachan Kaur. 2. Salakhan Singh. 3. Pritpal Singh. (4) Jaipal Singh. 5. Gurpal Singh (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

‡ Share of partly two storeyed and partly three storeyed building situated at Plot No. 8 of C.I.T. Scheme No. VI-M Calcutta-54 along with 4 Cottahs 15 Sq. ft. land on which it is situated.

M. N. TIWARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-IV
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date: 1-9-1973

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Calcutta-1 the 3rd September 1973

No. Ac-27/R-II/Cal./73-74.—Whereas, I M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 134/2, situated at Southern Avenue, P. S. Tollygunge, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Sub-Registrar Alipur Sadar Distt. 24-Parganas on 23-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Moti Babu.
- (2) Shri Gopaladas Gujrati both of 133, Cotton Street,

Calcutta-7. (Transferor).

- (1) Smt. Bina Sarkar.
- (2) Shri Suranjan Sarkar.
- (3) Chittaranjan Sarkar.
- (4) Manoranjan Sarkar,
all of 38L, Maharaja Tagore Road, Calcutta-31.
(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 134/2, Southern Avenue, P. S. Tollygunge Calcutta having 6 Cottahs 8 Chattacks and 16 sq. ft. land.

M. N. TIWARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-II
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date: 3-9-1973
Seal:

Form ITNS ———

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 22nd August 1973

No. 1118.—Whereas, I L. KHOKHAR, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (as per schedule) situated at Village Prahladgarhi, Parg. Loni, Teh. Ghaziabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 16-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

(1) Shri Anand, Prasad S/o R. S. Banarsidas R/o Banarsi Estate, Kothi No. 6, Civil Lines, Delhi-7 (Transferor).

(2) Shri Ashok Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd., Ghaziabad, through Secretary, Shri Dharam Pal S/o Rameshwar Das R/o 30, Fazi Bazar, Daryaganj, Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural and situated in village Prahladgarhi, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad; Khasra Nos. 527/4 area 10 biswa 6 biswansi, 531.11 biswa 13 biswansi: 532.17 biswa 11 biswansi, 533.1 bigha 14 biswa, 534.1 bigha 2 biswa and 536.10 biswas=Total=5 bigha 5 biswa & 10 biswa.

Y. KHOKHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 22-8-1973

Seal :

Form ITNS—

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 17th August 1973

No. 11(Acq.)/73-74/356/1119.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Dasana, Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 28-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

1. Shri Roshan, Mehar Chand & Baburam S/o Chandan Singh R/o Sadarpur P.O. Dasana Th. Ghaziabad. (Transferor)

2. Ashok Sahakari Grah Nirman Samity Ltd. Ghaziabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THIS SCHEDULE

Area

Agricultural land situated at Village: Dasana, Teh. Ghaziabad
Chak No. 403.

Khasra No.	Bigha	Biswa	Biswansi
2900	1	18	—
2904	—	7	—
2905	—	13	—
2906	1	5	—
Total	4	3	Pukhata

Y. KHOKHAR

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commission of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 17th August, 1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th August 1973

Ref. No. F.7(Acq)/73-74/1120.—Whereas, J. Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (as per Schedule) situated at V. Kallugarhi, P.O. Dasna, Teh. Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 6-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Abdul Salam S/o Sri Nasiruddin, R/o Kallugarhi, Parg. Dasna, Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut. (Transferor).

2. M/s. Ashok Sahkari Grah Nirman Simiti Ltd. through Seth Rameshwar Das, R/o 30m Faiz Bazar, Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in village Desna, Pargana Dasna, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut.

Chak No.	Khasra No.	Area		
		bigha	biswa	biswansi
141	3031	—	19	6 (half share)
	3035	—	4	15
	3039	1	15	12
	3033	1	2	—
	3034	2	15	—
	3025	—	4	—
	3030	—	10	—
	3028	—	6	4
		7	6	17
	3007	1	16	—
	3010	1	10	—
	3011	—	15	—
	3049	6	2	—
		10	3	—
		137'531share		

and one storey house situated at Kallugarhi Pargana Dasna, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut. Area 500Sq. Yards (½share).

Y. KHOKHAR

(Competent Authority),

Inspecting Asstt. Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 20th August, 1973

Seal :

FORM ITNS ———

Sri Vidya Bhushan Mittal, Managing Director. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR*Kanpur, the 22nd August 1973*

No. F.15(Acq.)/73-74/1121.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (as per schedule), situated at Vill. Loni, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 6-8-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. M/s. Mittal & Sons Finance Co. (P) Ltd.
1/21, Asaf Ali Road, New Delhi through

2. M/s. Vishwakarma Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd. Ghaziabad through Sri Narendra Kaushik, Secretary. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in village Loni, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut, Khasra No. 1553/2 bigha, 17 biswa; 1674/5 bigha 5 biswa; 1675/5 bigha 14 area 13 bigha 16 biswa.

Y. KHOKHAR

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 22nd August, 1973

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th August 1973

No. F.6(Acq.)/73-74/1122.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (as per Schedule), situated at Vill. Dasna, Pargana Dasna, Tehsil Ghaziabad, District Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 28-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Abdul Hakeem S/o Sri Shahzada, R/o Indergarhi Parg. Dasna, Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut. (Transferor)
2. Shri Kamruddin S/o Mohammad Shafi R/o Gali Nalwali, House No. 4089, Jama Masjid, Delhi. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in Village Dasna, Pargana Dasna, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut. Total area of the land—6 bigha 18 biswa, 18 biswansi. Khasra No. is given below :—

Khasra No.	Area		
	Bigha	Biswa	Biswansi
518	1	13	18
519	1	17	8
522	—	3	19
652	—	11	17
653	—	1	—
654	1	7	—
655	—	13	18
658	—	4	—
657	—	6	106
	6	18	18

Y. KHOKHAR

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 20th August, 1973

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR*Kanpur, the 17th August 1973*

No. 1 (Acq.)/Meerut/73-74/1033.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. As per Schedule, situated at Hasanpur Kadim, Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 2-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. (i) Shri Jogendra Pal Khatri, 78-A, Mahmoodnagar, Lisadi, Meerut. (ii) Shri Shambhu S/o Risal Singh Vill. Hasanpur, Kadim, Meerut. (Transferors)

2. Shri Jai Prakash S/o. Gokul Chand, Hasanpur Kadim, Distt. Meerut. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra Ni. 160 Area of land 8 Bigha, 4 Biswa, 18 Biswancies, situated at Hasanpur, Kadim, Distt. Meerut.

Y. KHOKHAR

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commission of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 17th August, 1973

Seal ;

FORM ITNS —————

2. M/s. Swadeshi Cotton Mills Co. Ltd. Kanpur
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR*Kanpur, the 17th August 1973*

No. 11(Acq.)/(Kanpur)/73-74.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/81 situated at Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 6-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Anandi Prasad Gupta, H. No. 37/33
Glis Bazar, Kanpur. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THIS SCHEDULE

1/8 Share in Premises No. 16/81, Civil Lines, Kanpur.

Y. KHOKHAR

*Competent Authority*Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 17th August, 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 17th August 1973

No. F.347/72-73.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 58/1 & T.S. No. 60/4, Peramandampalayam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mohanur on 12-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Kaliannan, S/o Ramaswami Gounder Palanisami (Minor) by guardian R. Kaliannan, Vettuvampalayam. (Transferor)

- (2) K. Sivalingam, K. Sabapathy by guardian Sellammal, K. Loganathan by guardian Sellammal K. Chandrasekaran by guardian Sellammal, Aniyapuram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Half share in the land of 6.50 acres in T. S. No. 58/1, 1/16th share (common) in 17 cents in T. S. No. 60/4. Both are situated at Peramandampalayam village.

K. V. RAJAN

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6

Date : 17-8-73.

Seal :

Form ITNS ———

(2) S. Karuppannan, S/o Chellappa Gounder,
Aniyapuram. (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6*Madras-6, the 17th August 1973*

No. F.348/72-73.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- an bearing door T.S. No. 58/1 & T.S. No. 60/4 situated at Peramandam Palayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mohanur on 12-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Kaliannan, S/o Ramasami Gounder, Vettuvampalayam village. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Half share in the land of 6-50 acres in T. S. No. 58/1. 1/16th share (common) in 17 cents in T.S. No. 60/4. Both are situated at Peramandampalayam village.

K. V. RAJAN

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6

Date : 17-8-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6*Madras-6, the 17th August 1973*

No. F.364/72-73.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Sentharpatti village, Salem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gangavalli on 8-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S. Kandhasami, S/o Subbu Reddiar, Sentharpatti. (Transferor)

- (2) M. V. Ramudu Chettiar, S/o Venkatachalam Chettiar, Thammampatti, Salem District. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Two buildings (extent of one building is 1807 sq. ft. and another 1639 sq. ft.) in S. No. 52, Sentharpatti village, Salem District.

K. V. RAJAN

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6

Date : 17-8-1973

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

Advertisement No. 37

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1973 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23 x 10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and bona-fide displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes), 15th October, 1973 (30th October, 1973 for applicants from abroad and those in the Andaman and Nicobar, Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands). Treasury receipts not acceptable.

Posts at S. Nos. 8, 11 and 12 permanent but appointment on temporary basis. Posts at S. Nos. 1 to 7, 9 and 10 temporary but likely to continue indefinitely.

Post at S. No. 5 reserved for Scheduled Castes candidates, but to be treated as unreserved if no suitable Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidate is available. Posts at S. Nos. 7 and 10 reserved for Scheduled Castes candidates, who alone need apply.

1. *One Director Grade I for Explosive, Research and Development Laboratory, Pashan, Poona. Pay : Rs. 2000—100—2500. Age : Preferably below 55 years. Qualifications.—Essential.—(i) High academic qualifications in the field of Science concerned viz. Explosives/Chemistry. (ii) Outstanding contribution in design, development and research in the field of Explosives including propellants for rockets and guided missiles, pyrotechnics, chemical warfare substances etc. and adequate experience of guiding work in the field as evidenced by published papers. (iii) Experience of leading development work in the field of explosives to pilot plant scale. (iv) Requisite administrative experience in a responsible capacity connected with scientific and technical institutions and research and development establishments and capacity to run a large research and development establishment.*

2. *One Documentation Officer (Research and Policy Division), Ministry of Home Affairs. Pay : Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age*

Limit : 35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Second class Master's degree in any of the Social Sciences, preferably in Political Science or Sociology, or recognised University or equivalent. (ii) A degree or its equivalent in Documentation/or in Library Science from a recognised University or Institution. (iii) About 3 years practical or research experience in documentation in any of the Social Sciences preferably in Political Science or Sociology in a Library or Institution of standing.

3. *One Regional Home Economist, Ministry of Agriculture, Department of Agriculture. Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Home Science or Home Economics or Domestic Science of a recognised University, (ii) 3 years experience in Home Science Teaching in Home Science Colleges or Home Science Centres for training gramsevikas, (iii) Familiarity with rural conditions in India.*

4. *One Quarantine Officer, Animal Quarantine and Certification Service Station, Madras, Ministry of Agriculture. Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Master's Degree in Veterinary Science from a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' experience in a diagnostic laboratory of handling biological material/pathological specimens.*

5. *One Lecturer in Junior Scale, Andaman & Nicobar Administration. Pay.—Rs. 300—25—600. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—Second Class Master's Degree in Botany (with at least 50% marks) of a recognised University or equivalent.*

6. *One Senior Scientific Officer Grade I, Gas Turbine Research Establishment, Bangalore, Research & Development Organisation, Ministry of Defence. Pay.—Rs. 700—50—1250. Age : Preferably below 40 years. Qualifications.—Essential.—(i) Second Class Degree in Mechanical Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) About 4 years' research experience.*

7. *One Technical Officer, Directorate General of Employment and Training, Department of Labour and Employment, Ministry of Labour and Rehabilitation. Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Electronics/Telecommunication/Electrical Engineering with specialisation in Electronics from a recognised University or equivalent. (ii) About one year's experience in Electronics subsequent to graduation.*

8. *Two Assistant Electrical and Mechanical Officers, Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation. Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Electrical or Mechanical Engineering from a recognised University or equivalent qualifications. (ii) About three years' experience in an Automobile repair workshop of repute and in the running, maintenance, repairs and testing of mechanical equipments such as motor vehicles of all types Crash Fire Tenders, Mobile Floodlights etc. (iii) Familiarity with the design, installation, running, maintenance, repairs and testing of electrical machinery and equipment.*

9. *Four Junior Scientific Officers, Aeronautical Development Establishment, Bangalore, Research & Development Organisation, Ministry of Defence. Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age.—Preferably below 30 years. Qualifications.—Essential.—For Categories I, II and III (3 posts) : Second Class Degree in Electrical Engineering of a re-*

cognised University or equivalent. *For category IV (one post) : Second Class Degree in Mechanical/Aeronautical Engineering of a recognised University or equivalent.*

10. *One Deputy Director (Export Promotion), Small Scale Industries Organisation, Ministry of Industrial Development.* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. *Age Limit.*—45 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Master's degree in Economics or Commerce with specialisation in Business Administration/Export Promotion from a recognised University/Institute or equivalent. (ii) About seven years experience in a responsible capacity in Government or in an Industrial/Business concern of repute in the field of Export promotion.

11. *One Deputy Director (Inspection), Ministry of Education and Social Welfare (Department of Social Welfare).* Pay.—Rs. 590—30—830—35—900. *Age Limit.*—40 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) Post-graduate

degree or diploma in Social work or Social Welfare Administration from a recognised University or Institution or equivalent. (iii) About 5 years experience of Social Work in a Govt. or Public institution of standing, (iv) Sound knowledge of Hindi.

12. *One Superintendent (Printing) (Journals), Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Legislative Department).* Pay.—Rs. 620—30—830—*Age Limit.*—40 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Diploma in Printing and Allied trades from a recognised Technical Institution or equivalent. (ii) About 5 years experience of printing in a supervisory capacity in Central Government/State Government Presses or in a well established printing House/Press. (iii) Proficiency in Hindi.

D. R. KOHLI, Secy..

Union Public Service Commission